जबलपुर सोमवार 27 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वर्ष 32 अंक 32 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 34.6°C
न्यूनतम तापमान 25.4°C
सूर्योदय - 5.39 | सूर्यास्त - 6.55

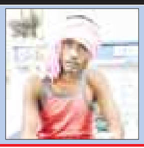
उपचार से बची सर्पदंश पीड़ित पवन की जान.. ▶▶ 4

लता गुप्ता दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष... ▶▶ 7

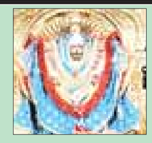
विजयराघवगढ़ के प्रसिद्ध शारदा मंदिर में चोरी... ▶▶ 9

दतिया उपचुनाव: 6 थाना प्रभारी हटाए गए

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने दतिया जिले सहित चंबल-ग्वालियर अंचल में पदस्थ 14 निरीक्षक एवं उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान पदों से हटाकर नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, 6 थानों के प्रभारी हटाए गए हैं। यह कार्रवाई उपचुनाव के दौरान निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

आयरन कास्टिंग यूनिट में सिलेंडर फटा, 4 की मौत

दिसपुर। असम के कछार में एक आयरन कास्टिंग यूनिट में सिलेंडर फटने की आशंका वाली घटना में कम से कम चार मजदूरों की मौत हो गई। यह घटना दोपहर में उधारबोंड पुलिस स्टेशन इलाके के पंग्राम में काडे ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी और आईआरआईडी कास्टिंग वर्क्स एलएलपी के कैंपस में हुई। शुरुआती जांच के अनुसार, धमाका कास्टिंग के काम में इस्तेमाल हो रहे एलपीजी सिलेंडर की वजह से हुआ। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने की मंजूरी दी है।

2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वह अब 79 साल के हो चुके हैं और उनकी सेहत पहले जैसी नहीं रही। सिद्धारमैया ने कहा- हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी। मेरी सेहत पहले जितनी मजबूत नहीं है और अब पहले जैसी ऊर्जा के साथ काम करना संभव नहीं है।

होर्मुज: समुद्री माइन से टकराने के बाद ऑयल टैंकर में विस्फोट

तेहरान। स्टेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे एक ऑयल टैंकर में समुद्री माइन से टकराने के बाद विस्फोट हो गया। ईरान की न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, टैंकर ईरान की ओर से तय किए गए समुद्री मार्ग से भटक गया था, जिसके बाद वह माइन से टकरा गया और उसमें धमाका हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा दुनिया के सबसे रणनीतिक और व्यस्त तेल व्यापार मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुआ, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। हालांकि, इस घटना को लेकर अभी तक ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया?

नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर मंतर से संसद चलो मार्च के दौरान 20 जुलाई को छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागने पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार को घेरा है। उन्होंने इसके लिए बाकायदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खत लिखा है और उनसे कई सवालों के जवाब मांगे हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मैं 20 जुलाई 2026 को दिल्ली में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए बर्बर हमले की जवाबदेही तय करने की मांग के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। उन्होंने लिखा कि हमारे छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा प्रणाली की मांग कर रहे थे। उनकी बात सुने जाने के बजाय, सुरक्षा बलों ने घातक हथियारों और आंसू गैस सहित अंधाधुंध बल प्रयोग करके उन पर हमला किया। राहुल गांधी ने अमित शाह को लिखे लेटर में कहा कि पुलिस और सुरक्षाबलों के लाठीचार्ज से सैंकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिसकर्मियों द्वारा महिला छात्राओं के साथ मारपीट की गई, जिसमें उनके निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया भी शामिल है। राहुल गांधी ने शनिवार को लिखे इस पत्र को सार्वजनिक करते हुए रविवार को कहा कि छात्र निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में पैलेट गन, आंसू गैस और अन्य घातक साधनों का इस्तेमाल किया गया, जिससे सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला छात्राओं के साथ भी पुलिसकर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया और जानबूझकर उनको निजी स्तर पर निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर आरोप पैलेट गन के इस्तेमाल का है। मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार कई लोग, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है, पैलेट गन के इस्तेमाल से गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने 19 वर्षीय साहिल लोचाब से मुलाकात की, जो गंभीर पीड़ा में है और पैलेट गन लगने के कारण उसकी एक आंख की रोशनी जाने की आशंका है।

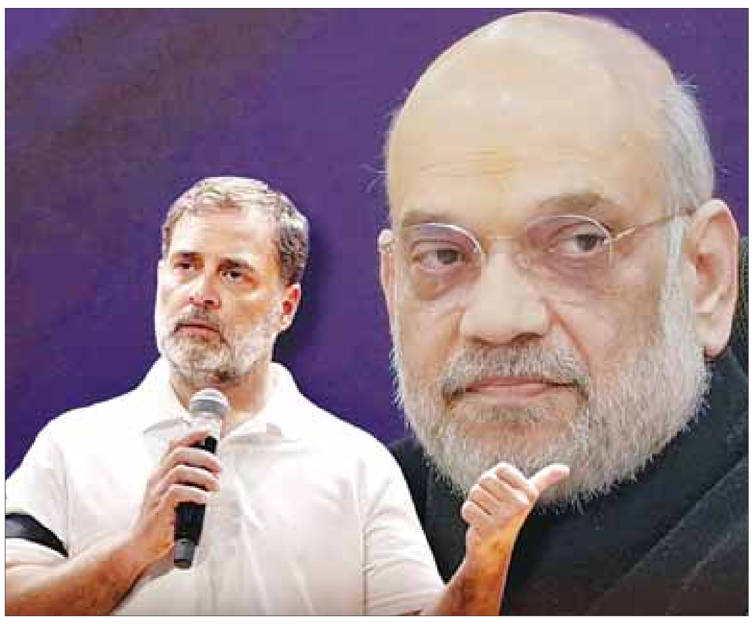

किसने दी अनुमति

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली में तैनात सुरक्षा बल अंततः गृह मंत्री के प्रति जवाबदेह हैं। उन्होंने अमित शाह से पूछा कि क्या गृह मंत्री के रूप में उन्होंने छात्रों के खिलाफ पैलेट गन सहित घातक बल के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। यदि नहीं, तो इसकी अनुमति किसने दी। उन्होंने यह भी पूछा कि सादे कपड़ों में लाठी लेकर छात्रों को पीटते दिखाई देने वाले लोग पुलिसकर्मी थे या स्वयंसेवक तथा उनकी तैनाती किसके आदेश पर की गई।

जवाबदेही की मांग

राहुल गांधी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और उनकी शिकायतों का समाधान संवाद के माध्यम से करे। छात्रों पर हुई बर्बर हिंसा ने लोकतंत्र की मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है और पूरे देश को आक्रोशित किया है। उन्होंने कहा कि युवा और छात्र देश का भविष्य हैं तथा वे जवाब और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

पेपर लीक के खिलाफ आज आएगा नया बिल

नंदन नीलेकणि करेंगे टास्क फोर्स का नेतृत्व

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है। बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

टास्क फोर्स का गठन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम 7 बजे के करीब अपने सोशल मीडिया पर परीक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर नया वीडियो जारी किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा सुधारों के लिए नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार छात्रों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने छात्रों के भविष्य से छेड़छाड़ की, वे आज जेल में हैं।

पीओके के अलावा पाक से किसी मुद्दे पर नहीं करेंगे बात : राजनाथ

रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

लद्दाख। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है। साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है।

मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत की स्टार भारोत्तोलक (वेटलिफ्टर) और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने एक बार फिर पूरे देश का दिल जीत लिया है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मीराबाई ने महिलाओं की 48 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। उनके दमदार खेल की बदौलत भारत की झोली में गोल्ड मेडल आ गिरा है। इस जीत के साथ ही मीराबाई चानू ने इन खेलों में लगातार तीन गोल्ड मेडल जीतकर अपनी गोल्डन हैट्रिक पूरी कर ली है। यानी लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों में सिर्फ और सिर्फ भारत का राष्ट्रगान गूंजा है। महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई चानू ने 85 किलोग्राम का वजन उठाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। मीराबाई ने अपनी तीसरी कोशिश में बेहद आसानी से 85 किलोग्राम वजन उठा लिया और एक नया कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड कायम कर दिया। पहले उन्होंने 82 किलोग्राम उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बनाया और फिर 85 किलोग्राम उठाकर नया कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

उद्घाटन के 12 दिन बाद ही धंसा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे

उन्नाव

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में ग्रीनफील्ड नेशनल एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के महज 12 दिन बाद सड़क धंसने का मामला सामने आने से निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्नाव के कोरारी क्षेत्र के पास कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन में करीब 5 से 7 मीटर तक सड़क का हिस्सा धंस गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है।

समाजवादी पार्टी के नेता मधुसूदन यादव ने सड़क धंसने का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना की गुणवत्ता पर शुरुआत से ही संदेह था और उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद सड़क धंसना इसकी पुष्टि करता है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली और गुणवत्ता नियंत्रण की निष्पक्ष जांच की मांग भी की। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क के नीचे की मिट्टी खिसक गई। जिससे सड़क का एक हिस्सा धंस गया। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित एजेंसी की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीधी-नरसिंहपुर के जल संरक्षण प्रयासों को सराहा

भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में कैच द रेन अभियान पर चर्चा के दौरान प्रदेश के सीधी और नरसिंहपुर में जलसंरक्षण के लिए हुए कार्यों का उल्लेख किया तथा राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश के सीधी जिले में लगभग 1500 तालाब बनाए गए है, नरसिंहपुर में अमृत सरोवरों को संवारा गया है। उन्होंने कहा कि बारिश कि हर बूंद को सहेजने के अभियान को जन आंदोलन बनाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपने आस-पास तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लेने और पानी की हर बूंद बचाने के अभियान में साथ आने का आव्हान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बचाई गई हर बूंद, आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवाड़ी जिले की पर्यटन और धार्मिक नगरी ओरछा में कंचना घाट पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री और निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह तथा जनप्रतिनिधि और स्थानीयजन उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कैच द रेन का संदेश बहुत सीधा है, जहां जब बारिश गिरे, पानी को वहीं सहेजिए, इसीलिए 4 जुलाई से देशभर में विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर चार भारतीयों वाले जहाज पर हमला

दो सुरक्षित, दो के बारे में जानकारी नहीं

लंदन

यूक्रेन के प्रमुख बंदरगाह ओडेसा पर एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां एमवी एजीएन रैगनार नाम के एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ, जिसमें चार भारतीय नागरिक सवार थे। भारतीय दूतावास के अनुसार, इनमें से दो लोग सुरक्षित हैं, जबकि बाकी दो के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। यह घटना शनिवार को हुई, जब यह जहाज ओडेसा पोर्ट पर मौजूद था। ओडेसा यूक्रेन का अहम काला सागर बंदरगाह है, जो रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से कई बार हमलों का निशाना बन चुका है। भारत के कीव स्थित दूतावास ने बताया कि वह इस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। दूतावास ने कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है और स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में रहकर लापता भारतीयों की जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि हमला किसने किया और जहाज पर कुल कितने लोग सवार थे। जहाज पर मौजूद भारतीय नागरिकों की पहचान और उनकी भूमिका के बारे में भी जानकारी सामने नहीं आई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते काला सागर क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही अक्सर प्रभावित होती रही है। इसी वजह से भारत सरकार पहले भी अपने नागरिकों को यूक्रेन यात्रा से बचने की सलाह दे चुकी है। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल उन दो भारतीयों की सुरक्षा को लेकर है, जिनकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। बचाव अभियान जारी है और उम्मीद है कि जल्द ही इसके बारे में अपडेट सामने आएगा।

अब जनरल कोच में सफर होगा आसान

आम यात्रियों के लिए रेलवे ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली।

ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे जनरल और स्लीपर श्रेणी के यात्रियों पर फोकस बढ़ा रहा है। रेलवे ने संसद में बताया, लंबी दूरी की ट्रेनों में जनरल कोचों की संख्या बढ़ाई जा रही है। साथ ही कम और मध्यम आय वर्ग के यात्रियों के लिए 17 हजार नए नॉन एसी कोच तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही अमृत भारत ट्रेनों का भी विस्तार किया जा रहा है। रेलवे के मुताबिक, साल भर ट्रेनों में यात्रियों की संख्या एक जैसी नहीं रहती है। छुट्टियों और त्योहारी सीजन में लोकप्रिय रूटों पर ट्रेनों में पूरी क्षमता तक भीड़ रहती है। इसे देखते हुए पिछले दो वर्षों में लंबी दूरी की कई ट्रेनों में स्थायी रूप से अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े गए हैं। वर्ष 2024-25 में 1,250 जनरल कोच विभिन्न लंबी दूरी की ट्रेनों में लगाए गए, ताकि हर ट्रेन में कम से कम चार जनरल कोच उपलब्ध हों। वर्ष 2025-26 में 870 अतिरिक्त कोच ट्रेनों में लगाए गए हैं। इनमें 160 जनरल कोच शामिल हैं। वहीं 2026-27 में 30 जून तक 190 और कोच बढ़ाए गए हैं, जिनमें 20 जनरल कोच हैं। रेलवे का कहना है कि इन प्रयासों का उद्देश्य आम यात्रियों को बेहतर सुविधा और अधिक सीट उपलब्ध कराना है। रेलवे के करीब 89 हजार कोचों में करीब 70 फीसदी नॉन एसी और 30 फीसदी एसी कोच है। मौजूदा नीति के तहत 22 कोच वाली मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में 12 जनरल-नॉन एसी स्लीपर कोच और 8 एसी कोच रखे जा रहे है। ताकि ज्यादा यात्रियों को सस्ती यात्रा का विकल्प मिल सके। इसके अलावा अनारक्षित यात्रियों के लिए पैसेंजर, मेमू और ईएमयू सेवाएं भी चलाई जा रही है। रेलवे के अनुसार, निम्न-मध्यम आय वर्ग के यात्रियों के लिए शुरू की गई अमृत भारत ट्रेन पूरी तरह नॉन एसी है। इसकी मौजूदा रेक में 11 जनरल, 8 स्लीपर, एक पैंट्री कार और दो लगेज सह दिव्यांग कोच है। इन ट्रेनों में वंदे भारत स्लीपर की तर्ज पर अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई है। रेलवे ने डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने के साथ ऑनलाइन टिकट बुकिंग में फर्जीवाड़े पर भी सख्ती बढ़ाई है। रेल वन ऐप को अब तक 4.55 करोड़ से ज्यादा डाउनलोड किया जा चुका है। ऐप के जरिए रोजाना औसतन 9.65 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं। जून 2025 से जून 2026 के बीच रेलवे में कुल 65.08 करोड़ आरक्षित टिकट बुक हुए। इनमें 89 प्रतिशत टिकट ऑनलाइन और 11 प्रतिशत टिकट काउंटर से बुक किए गए।

कवच सिस्टम का हो रहा विस्तार

रेलवे ने जानकारी दी, सुरक्षा बढ़ाने के लिए रोलिंग स्टॉक और मेंटेनेंस सिस्टम को आधुनिक बनाया गया है। 2014-26 के दौरान एलएचबी कोचों का उत्पादन बढ़कर 49,366 हो गया है। रेलवे का स्वदेशी सुरक्षा सिस्टम कवच 4.0 दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त रेल मार्गों के 2,490 रूट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है। कवच सिस्टम का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। इसे 21,937 रूट किलोमीटर पर लगाने का काम जारी है। इसके अलावा 7,435 लोकोमोटिव और 1,200 ईएमयू/एमईएमयू ट्रेनों में भी कवच लगाने की प्रक्रिया चल रही है।

कारगिल विजय दिवस पर अमर शहीदों को किया नमन

युद्ध स्मारक पर अर्पित की गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

27वें कारगिल विजय दिवस के मौके पर, मुख्यालय मध्य भारत एरिया ने भारतीय सशस्त्र बलों के उन बहादुर सैनिकों के बेमिसाल साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान को पूरे सम्मान के साथ याद किया, जिन्होंने 1999 में कारगिल युद्ध (आपरेशन विजय) के दौरान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। हर साल 26 जुलाई को मनाया जाने वाला कारगिल विजय दिवस, आपरेशन विजय की सफल समाप्ति का प्रतीक है। इस आपरेशन के जरिए भारतीय सशस्त्र बलों ने लद्दाख के कारगिल-द्रास-बटालिक सेक्टर में उन रणनीतिक ऊंचाइयों को वापस हासिल किया था, जिन पर पाकिस्तानी सेना ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। बेहद खराब मौसम और बर्फ से ढकी खतरनाक पहाड़ी चोटियों पर 16,000 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर लड़ते हुए, भारतीय सैनिकों ने असाधारण साहस, अटूट संकल्प और बेहतरीन पेशेवर रवैया दिखाया और आखिरकार दुश्मन के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। यह जीत भारी कीमत पर मिली: इस संघर्ष के दौरान 527 बहादुर सैनिकों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जबकि 1,363 जवान घायल हुए। इस ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में तथा कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा जनरल आफिसर कमांडिंग मध्य भारत एरिया, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, एसपी सम्पत उपाध्याय एवं स्टेशन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सेवारत सैन्यकर्मियों, गणमान्य नागरिकों एवं उनके परिवारजनों के साथ मुख्यालय मध्य भारत एरिया, जबलपुर स्थित स्टेशन युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया।

गौरवशाली सैन्य परम्पराओं का प्रतीक

समारोह का शुभारंभ लास्ट पोस्ट की धुन के साथ हुआ, जिसके उपरांत अमर शहीदों की पावन स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सैनिकों के अद्वितीय साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। यह समारोह राष्ट्रभक्ति, कर्तव्य परायणता, सम्मान एवं नि:स्वार्थ सेवा की उन गौरवशाली सैन्य परम्पराओं का प्रतीक बना, जो आज भी देशवासियों एवं भावी पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करती हैं। इस अवसर पर जनरल आफिसर कमांडिंग मध्य भारत एरिया ने कारगिल युद्ध के अमर वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सेना की राष्ट्र की संप्रभुता, एकता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीर शहीदों का अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान एवं कर्तव्य के प्रति उनकी निष्ठा सदैव भारतीय सैनिकों तथा देश के प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

राष्ट्रीय गर्व व सेना के वीर जवानों के शौर्य के अटूट संकल्प का है प्रतीक

त्रिदिवसीय फ़ोटो प्रदर्शनी के दूसरे दिन कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी स्थल पर प्रधानमंत्री की मन की बात का लाइव प्रसारण हुआ, जिसका श्रवण मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक अशोक रोहाणी ने किया तथा उनके प्रेरक विचारों पर संवाद किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक गण, अनेकों गणमान्य नागरिकों व एन सी सी के छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही । इस अवसर पर मंत्री व विधायक ने केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) द्वारा कारगिल विजय गाथा व सेवा सुशासन के 12 साल विकास विश्वास और जनकल्याण विषय पर लगाई गई फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कारगिल विजय दिवस को भारतीय सैन्य इतिहास मैं गौरव का प्रतीक बताया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हमारा देश

प्रगति पथ पर अग्रसर है, हम सभी को राष्ट्र प्रथम के मंत्र की भावना जागृत होनी चाहिए।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में एनसीसी के छात्र छात्राओं को लेकर कारगिल विजय गाथा पर उपस्थित अतिथियों प्राचार्य डॉ अलकेश चतुर्वेदी, ए सी तिवारी, डॉ अरुण शुक्ल, राज्य सलाहकर पंचायती मंत्रालय नवीन शिवा व समाजसेवी अतुल पांडे ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस राष्ट्रीय गर्व व सेना के वीर जवानों के शौर्य के अटूट संकल्प का प्रतीक है । सभी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने का मन बनाएं ।

कृषि अधिकारियों ने किसानों से चर्चा कर लिया फीडबैक

जबलपुर कृषि उपज मंडी में साप्ताहिक जैविक कृषि हाट का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने जैविक खेती अपना रहे किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जो?ने प्रत्येक रविवार की तरह इस रविवार को भी जबलपुर कृषि उपज मंडी परिसर में साप्ताहिक जैविक हाट का आयोजन किया गया। जैविक हाट में जिले भर के किसानों द्वारा विभिन्न प्रकार के जैविक एवं रसायन-मुक्त उत्पाद विक्रय हेतु उपलब्ध कराए गए। कोल्ड-प्रेस्ड तेल, जैविक मौसंबी, पपीता, भिंडी, चना, चना दाल एवं मूंग दाल, गेहूँ का आटा, चावल तथा गिर गाय का दूध, घी एवं पनीर सहित अन्य दुग्ध उत्पाद जैविक हाट का आकर्षण का केंद्र रहे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने जैविक हाट पहुंचकर अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिये आये किसानों से चर्चा की। संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम ने उपभोक्ताओं का विश्वास बनाए किसानों को जैविक उत्पादन के मानकों का पालन करने तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पाद ही उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया। उपसंचालक कृषि यू के कटहरे तथा उप संचालक कृषि एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने जैविक हाट में उपस्थित किसानों से फीडबैक लिया गया। जैविक हाट को और अधिक उपयोगी बनाने के लिये किसानों को प्रपत्र भी दिये गये और उनसे प्रपत्र में अपने सुझाव देने कहा गया। साथ ही जैविक प्रमाणन प्राप्त किसानों से चर्चा कर जैविक सर्टिफिकेट प्राप्त करने की प्रक्रिया एवं उससे होने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

मुस्कान सिटी रहवासी सहकारी समिति द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से मुस्कान सिटी रहवासी सहकारी समिति द्वारा आज मुस्कान सिटी परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त डीएसपी डी. पी. श्रीवास्तव, इंजीनियर राजेश खरे, विवेक जैन, समिति के अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र बैदौरा, समिति के कोषाध्यक्ष मनोज चांदवानी तथा डॉ. नीलेश पाण्डेय सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र बैदौरा ने कहा कि मुस्कान सिटी परिसर को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखना समिति की प्राथमिकता है। उन्होंने भविष्य में भी नियमित पौधरोपण, पौधों के संरक्षण तथा पूरे परिसर को हराभरा और स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने लगाए गए

पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया। समिति ने भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आओ सखी मेंहदी रचाएं मेहंदी प्रतियोगिता आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सैम सीनियर सिटीजन क्लब के तत्वाधान में विगत 14 वर्षो से होने वाली आओ सखी मेंहदी रचाएं प्रतियोगिता का कार्यक्रम साउथ एवेन्यू मॉल में संध्या साढ़े चार बजे से आयोजित है। कार्यक्रम में 22 प्रतियोगी भाग ले रहे हैं, मेंहदी वहीं पर लगाई जाएगी, जिसके लिए 20 मिनट का समय दिया गया है। इस अवसर पर नगर निगम के आयुक्त माननीय श्री रामप्रकाश जी अहिरवार स्वक्षता का शपथ ग्रहण भी कराएंगे। कार्यक्रम में उपस्थिति का अनुरोध क्लब के सदस्यों से संयोजक जादूगर एस के निगम, जसबीर चोपड़ा, रश्मि श्रीवास्तव और प्रभा श्रीवास्तव ने किया है।

भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ वापसी पर भक्त हुए भाव-विभोर

जयघोष एवं भक्ति के वातावरण में अपने धाम पधारे प्रभु

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास, गढ़ाफाटक के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की 259वीं ऐतिहासिक एवं विराट रथ यात्रा का दिव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। श्रीक्षेत्र पुरी की प्राचीन परंपरा के अनुरूप भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी अपनी मौसी के निवास स्थान हनुमान अखाड़ा मंदिर में दस दिवसीय विश्राम के उपरांत आज पुन: अपने निज धाम श्री जगदीश मंदिर के लिए भव्य शोभायात्रा के साथ प्रस्थान किए। लोक न्यास के प्रबंध न्यासी

अधिवक्ता लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी दस दिनों तक अपनी मौसी के निवास स्थान पर विराजमान रहे, जहाँ प्रतिदिन देवेंद्र त्रिपाठी वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन, महाआरती,भोग-प्रसाद एवं हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। इन दस दिनों में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रभु के दर्शन कर आध्यात्मिक आनंद एवं दिव्य कृपा का अनुभव किया।रथ वापसी के अवसर पर चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालीपुरम द्वारा एक से बढ़कर एक संकीर्तन से सम्पूर्ण मार्ग जय जगन्नाथ के गगनभेदी उद्घोष, ढोल, नगाड़ों, बैंड-बाजों, पुष्पवर्षा एवं श्रद्धालुओं के भक्ति-नृत्य से गुंजायमान हो उठा।भगवान के रथ के साथ चल रहे श्रद्धालु अपार श्रद्धा और उत्साह में सराबोर दिखाई दिए। ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण कर स्वयं को धन्य अनुभव किया।

इस अवसर पर लोक न्यास के प्रबंध न्यासी अधिवक्ता लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल,न्यासी राजकुमार साहू, प्रबंधक मोहित तिवारी, पं.मनमोहन दुबे,संयोजक देवेंद्र नेमा, मोहित लोधी, अतुल पटेल,प्रेम पूरी गोस्वामी, राकेश उपाध्याय, मनोज दुबे, सुरेंद्र पूरी गोस्वामी, सुनील गुप्ता, गोपालपुरी, अमित दुबे, जुग्गन अग्रवाल, पप्पन मिश्रा, डीके दुबे, पप्पू यादव गणमान्य नागरिक एवं सैकड़ों श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

8 साल में भी नहीं बना आंगनवाड़ी भवन

कागजों में सिमटा आंगनवाड़ी भवन, जर्जर स्कूल में लग रही क्लास

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राज्य आयोजना मद के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018 में स्वीकृत हुआ शहपुरा नगर पंचायत का आंगनवाड़ी भवन आज 8 साल बाद भी भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। वर्ष 2018 में 7,80,000 (सात लाख अस्सी हजार रुपये) की लागत से स्वीकृत इस भवन का पूरा ठेका भुगतान ठेकेदार द्वारा प्राप्त कर लिया गया है, लेकिन धरातल पर काम आधा-अधूरा ही छोड़कर छोड़ दिया गया है।

टेंडर प्रक्रिया के अनुसार भवन निर्माण के साथ-साथ खिड़की-दरवाजे, मेन गेट, लेट-बाथ (शौचालय व उसका गड्ढा), किचन सेट, पानी की टंकी, टाइल्स, पुट्टी, पेवर ब्लॉक, बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक छायाचित्र एवं

रंग-रोगन शामिल था। परंतु ठेकेदार ने केवल एक कमरा और अंदर का एक दरवाजा खड़ा करके पूरा काम बंद कर दिया। न तो शौचालय बना, न किचन सेट, न ही वेंटीलेशन और पेवर ब्लॉक लगे। लगभग 3 से 4 लाख रुपये का काम अधूरा छोड़कर पूरी राशि निकाल ली गई।

जर्जर भवन में नौनिहाल- अधूरे पड़े इस भवन में ठेकेदार की शह पर गांव के ही एक निजी व्यक्ति का निवास करा दिया गया है, जिसका पूरा गृहस्थी का सामान वहां रखा हुआ है। दूसरी ओर, मासूम बच्चों की आंगनवाड़ी एक अत्यंत जर्जर पुराने स्कूल भवन में चलाई जा रही है, जिससे हर पल किसी बड़े हादसे का डर बना रहता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जर्जर भवन में कोई अप्रिय घटना घटती है, तो उसकी पूरी जवाबदेही शासन-प्रशासन की होगी।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर ठेकेदार और संबंधित लापरवाह अधिकारियों पर ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो इस पूरे मामले को लेकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की जाएगी।

मध्यप्रदेश की विद्युत कंपनियों में पात्र अभियंताओं को नहीं मिल रहा प्रमोशन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अभियंता संघ ने प्रदेश की बिजली कंपनियों में पात्र और वरिष्ठ अभियंताओं की पदोन्नति रोके जाने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। संघ का आरोप है कि राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री की मंशा के विपरीत जाकर जिम्मेदार अधिकारी पदोन्नति प्रक्रियाओं को लटका रहे हैं, जिससे रिक्त पद नहीं भरे जा पा रहे हैं। संघ के अनुसार, जुलाई 2026 में जारी पदोन्नति आदेशों के बाद मण्डल कैडर के सभी पात्र अधिकारियों को प्रमोट किया जा चुका है। इसके बाद भी कंपनी कैडर के योग्य और वरिष्ठ अभियंताओं को पदोन्नति नहीं दी जा रही है। आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्तमान में सहायक अभियंता से कार्यपालन अभियंता के पदों पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में लगभग 69 और मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 72 पद अनावश्यक रूप से खाली रखे गए हैं। जहाँ कार्यपालन अभियंता से अधीक्षण अभियंता स्तर के कई पद लंबित हैं। अभियंता संघ ने उजागर किया कि 10 जुलाई से 17 जुलाई 2026 के मध्य जब मण्डल कैडर में कोई भी पात्र अधिकारी मौजूद नहीं था।

प्रतिभाओं के सम्मान और संवाद का मंच बना भोज अध्ययन केंद्र

गरिमामय कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा संचालित बी.एड. (ओडीएल) सत्र 2023-25 एवं 2024-26 के सफल प्रशिक्षणार्थियों के सम्मान एवं प्रमाण-पत्र वितरण हेतु शासकीय प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (अध्ययन केंद्र क्र.-401), जबलपुर में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यकम संस्थान की प्राचार्य एवं भोज अध्ययन केंद्र की समन्वयक श्रीमती एफ. इक्का के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को एक-दूसरे की उपलब्धियों और अनुभवों से परिचित कराना तथा उनमें आजीवन अकादमिक संबंध स्थापित करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि एवं सह-समन्वयक श्री जी.पी. यादव ने संस्थान की इस अभिनव परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी का रिश्ता केवल कक्षा की चारदीवारी तक सीमित नहीं होता। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मीयता, अपनत्व और संस्थान के प्रति गौरव की भावना जगाते हैं तथा शिक्षा को उसके मूल स्वरूप-संवाद, संस्कार और सहयोग-से जोड़ते हैं। समारोह के समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा हम तो दरिया हैं, हमें अपना हुनर मालूम है; जिधर भी निकल जाएंगे, रास्ता बन जाएगा। उन्होंने शिक्षकों को आजीवन शिक्षार्थी बने रहने और शिक्षा में संवेदनशीलता, नैतिकता व नवाचार को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। कार्यकम का शुभारंभ नीलम कैथवास की सरस्वती वंदना से हुआ। रोली दुबे एवं भारती यादव ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया, जबकि स्वागत उद्बोधन रोली दुबे ने दिया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थी सृष्टि वैष्णव, अमित पंचेश्वर, विनीता बट्टी और प्रिया ने संस्थान के मार्गदर्शन व व्यवस्थाओं की सराहना की। आयोजन को सफल बनाने में निकहत परवीन, रेणु साहू सहित अन्य विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा। समारोह के अंत में सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र सौंपकर सम्मानित किया गया। पूरा कार्यक्रम सौहार्द और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

गुरु पूर्णिमा पर श्री सैलवारा धाम में होगा भजन एवं आशीर्वचन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर परमहंसी अनंत विभूषित 1008 स्वामी प्रकाशवन अवधूत महाराज के प्रभु प्रेमी एवं समस्त गुरु भक्तों द्वारा सैलवारा धाम में विख्यात आकाशवन केलाशानन्द महाराज का पूजन एवं बुधवार के दिन गुरु पूर्णिमा समारोह श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया जाएगा। इस पावन अवसर पर परम् पूज्य गुरुदेव का विधिवत पूजन, भजन-कीर्तन सहित भंडारे का आयोजन होगा। प्रेरणादायी उद्बोधन सहित विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रभु प्रेमी भक्त, जय प्रकाश तिवारी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा भारतीय सनातन परंपरा में गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण, कृतज्ञता और सेवा भाव व्यक्त करने का अत्यंत पावन पर्व है।

स्टेशन पर औचक निरीक्षण में पकड़े गए 8 अवैध वेंडर

एससीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह ने पार्सल, फूड प्लाजा और साफ-सफाई का लिया जायजा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर रेल मंडल के सहायक वाणिज्य प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने वाणिज्य विभाग के निरीक्षकों एवं कर्मचारियों की टीम के साथ रविवार को जबलपुर रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक वाणिज्य प्रबंधक ने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न यात्री सुविधाओं एवं वाणिज्य कार्यालयों का गहन निरीक्षण किया। पार्सल कार्यालय एवं पार्सल संचालन व्यवस्था के अंतर्गत गाड़ी संख्या 13201 के एसएलआर की लोडिंग अनलोडिंग कार्य का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही स्टेशन परिसर एवं प्लेटफार्मों पर साफ-सफाई व्यवस्था, यात्री प्रतीक्षालयों तथा

पार्किंग व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान स्टेशन स्थित फूड प्लाजा में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की विशेष रूप से जांच की गई। यहां भोजन तैयार करने में उपयोग की जा रही सामग्री, कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस कार्ड, गैस सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं तथा रसोई एवं परिसर की साफ-सफाई का बारीकी से परीक्षण किया गया। संबंधित संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के साथ संरक्षा मानकों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कार्यवाही कर लगाया जुर्माना

इस दौरान एसीएम द्वारा अतिरिक्त टिकट काउंटरों पर कार्यरत कर्मचारियों के पास उपलब्ध निजी धनराशि तथा रेलवे राजस्व का मिलान कर जांच की गई। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर और प्लेटफार्मों पर अवैध रूप से सामग्री बेच रहे 8 अनाधिकृत वेंडरों को पकड़ा गया, जिन पर नियमानुसार कार्रवाई कर जुर्माना लगाया गया। टीम ने स्टेशन परिसर, यात्री प्रतीक्षालयों और पार्किंग व्यवस्था की स्वच्छता का भी निरीक्षण किया। जबलपुर रेल मंडल ने दोहराया कि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए इस तरह की नियमित और औचक जांच आगे भी जारी रहेगी।

संस्कृत का गौरवशाली इतिहास और आधुनिक प्रासंगिकता

संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक है। इसे भारतीय संस्कृति, दर्शन, धर्म और साहित्य की आधारभूत भाषा माना जाता है। संस्कृत शब्द का अर्थ है, संस्कारित, परिष्कृत और शुद्ध भाषा। हजारों वर्षों से यह भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत की वाहक रही है।

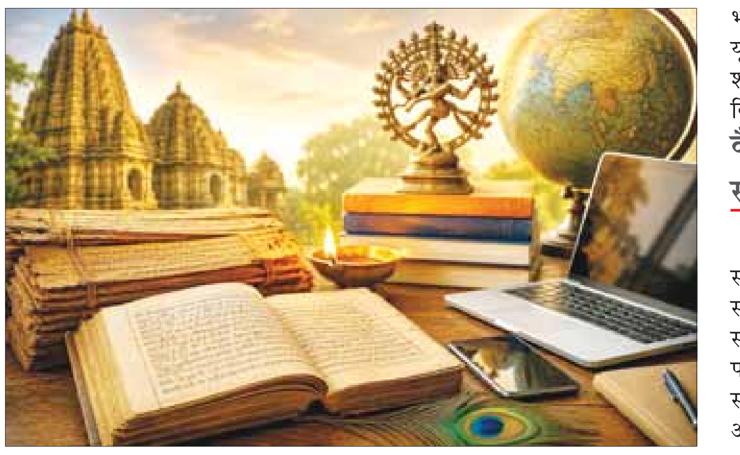

संस्कृत की उत्पत्ति

भारतीय परंपरा में संस्कृत को देववाणी कहा गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह भाषा ब्रह्मा द्वारा ऋषियों को प्रदान की गई। वहीं आधुनिक भाषाविज्ञान इसे भारोपीय (इंडो-यूरोपीय) भाषा परिवार की इंडो-आर्य शाखा की प्रमुख भाषा मानता है, जिसका विकास वैदिक काल में हुआ।

वैदिक से लौकिक संस्कृत तक

संस्कृत का सबसे प्राचीन रूप वैदिक संस्कृत है, जिसमें ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की रचना हुई। समय के साथ इसका स्वरूप अधिक परिष्कृत हुआ और लौकिक (शास्त्रीय) संस्कृत का विकास हुआ, जिसने साहित्य और ज्ञान-विज्ञान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

पाणिनि का अमूल्य योगदान

महर्षि पाणिनि ने अष्टाध्यायी की रचना कर संस्कृत व्याकरण को वैज्ञानिक और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। लगभग चार हजार सूत्रों वाला यह ग्रंथ आज भी विश्व भाषाविज्ञान की महान उपलब्धियों में गिना जाता है।

ज्ञान-विज्ञान और साहित्य की भाषा

संस्कृत केवल धार्मिक भाषा नहीं रही, बल्कि आयुर्वेद, गणित, खगोलशास्त्र, दर्शन, राजनीति, नाटक और काव्य की भी प्रमुख भाषा रही है। कालिदास, भास, भवभूति, बाणभट्ट और दंडी जैसे महान साहित्यकारों ने संस्कृत साहित्य को वैश्विक पहचान दिलाई।

भारतीय भाषाओं पर संस्कृत का प्रभाव

हिंदी, मराठी, बंगाली, गुजराती, ओड़िया, नेपाली, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम सहित भारत की अधिकांश भाषाओं पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। इसके अनेक शब्द और व्याकरणिक तत्व आज भी इन भाषाओं में प्रचलित हैं।

वर्तमान समय में संस्कृत की प्रासंगिकता

आज भले ही संस्कृत का दैनिक बोलचाल में सीमित प्रयोग होता हो, लेकिन शिक्षा, शोध और भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन में इसका महत्व बना हुआ है। देशभर में अनेक संस्थान इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य कर रहे हैं।

संजय पांडे, शिक्षक
हितकारिणी उ.मा. विद्यालय
देवताल, गढ़ा, जबलपुर

सफल करियर की भाषा: Business English क्यों जरूरी है?

आज का कार्यस्थल केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावी संवाद भी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। वैश्वीकरण और डिजिटल युग में कंपनियां ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता देती हैं, जो अपने विचारों को स्पष्ट, पेशेवर और आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकें। यही कारण है कि बिजनेस इंग्लिश आज हर क्षेत्र में एक आवश्यक कौशल बन चुकी है। यह केवल अंग्रेज़ी बोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यावसायिक वातावरण में सही भाषा, शिष्टाचार और प्रभावी संचार का माध्यम है।

Business English क्या है?

यह वह अंग्रेज़ी है, जिसका उपयोग कार्यालयों, कॉर्पोरेट कंपनियों, बैंकिंग, आईटी, शिक्षा, स्टार्टअप, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और पेशेवर बैठकों में किया जाता है। इसमें प्रोफेशनल ईमेल लिखना, मीटिंग में अपने विचार रखना, रिपोर्ट तैयार करना, प्रेजेंटेशन देना, ग्राहकों से संवाद करना और इंटरव्यू में प्रभावी ढंग से बात करना शामिल है।

क्यों बढ़ रही है इसकी जरूरत?

आज अनेक भारतीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्विक ग्राहकों के साथ काम करती हैं। ऐसे में कर्मचारियों को विभिन्न देशों के लोगों से ईमेल, वीडियो कॉन्फ्रेंस और ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से संवाद करना पड़ता है। यदि किसी कर्मचारी की **Business English** अच्छी है, तो वह अपनी बात स्पष्ट रूप से रख सकता है, गलतफहमियों से बच सकता है और कंपनी का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकता है। यही कारण है कि भर्ती के समय कंपनियां **Communication Skills** को विशेष महत्व देती हैं।

करियर में मिलने वाले लाभ

Business English का अच्छा ज्ञान नौकरी पाने के साथ-साथ करियर में आगे बढ़ने में भी मदद करता है। इससे इंटरव्यू में आत्मविश्वास बढ़ता है, प्रेजेंटेशन अधिक प्रभावशाली बनते हैं और टीम के साथ बेहतर तालमेल स्थापित होता है। नेतृत्व की भूमिका निभाने, विदेशी ग्राहकों के साथ काम करने और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में भाग लेने के अवसर भी बढ़ जाते हैं। बैंकिंग, आईटी, पत्रकारिता, जनसंपर्क, पर्यटन, होटल प्रबंधन, ई-कॉमर्स और कॉर्पोरेट क्षेत्र में यह कौशल विशेष रूप से उपयोगी है।

डिजिटल युग में हिंदी की बढ़ती ताकत

स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया के तेजी से बढ़ते उपयोग ने सूचना और मनोरंजन की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। आज करोड़ों भारतीय अपनी पसंदीदा जानकारी हिंदी में पढ़ना, देखना और सुनना चाहते हैं। यही कारण है कि हिंदी डिजिटल कंटेंट की मांग लगातार बढ़ रही है। समाचार पोर्टल, यूट्यूब, ओटीटी प्लेटफॉर्म, ब्लॉग, ई-लर्निंग वेबसाइट, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया जैसे माध्यमों पर हिंदी सामग्री का विस्तार तेजी से हो रहा है। इससे न केवल भाषा को नई पहचान मिली है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर भी पैदा हुए हैं।

हिंदी कंटेंट की बढ़ती लोकप्रियता

भारत दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेट उपभोक्ता देशों में शामिल है। इंटरनेट का उपयोग अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ा है। इन क्षेत्रों के अधिकांश उपयोगकर्ता हिंदी में जानकारी प्राप्त करना पसंद करते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती, सरकारी योजनाएं, करियर, मनोरंजन और तकनीक जैसे विषयों पर हिंदी में गुणवत्तापूर्ण सामग्री की मांग लगातार बढ़ रही है।

करियर के नए अवसर

डिजिटल कंटेंट इंडस्ट्री ने हिंदी भाषा से जुड़े युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले हैं। आज कंटेंट राइटर, कॉपीराइटर, ब्लॉग लेखक, स्क्रिप्ट राइटर, सोशल मीडिया मैनेजर, डिजिटल पत्रकार, वीडियो स्क्रिप्ट लेखक, कंटेंट राइटर और कंटेंट एडिटर जैसे अनेक करियर विकल्प उपलब्ध हैं। कई युवा फ्रीलांसिंग और स्वयं का डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू करके भी अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

कौशल विकास की आवश्यकता

डिजिटल क्रांति ने हिंदी भाषा को अभिव्यक्ति का नया मंच दिया है। आने वाले वर्षों में हिंदी डिजिटल कंटेंट की मांग और तेजी से बढ़ने की संभावना है। ऐसे में हिंदी भाषा के विद्यार्थी यदि आधुनिक तकनीक और डिजिटल कौशल के साथ स्वयं को तैयार करें, तो वे न केवल बेहतर करियर बना सकते हैं, बल्कि भारत की डिजिटल ज्ञान-व्यवस्था को भी नई दिशा दे सकते हैं। आज का समय हिंदी को केवल पढ़ने का नहीं, बल्कि हिंदी के माध्यम से भविष्य गढ़ने का है।

योग की आत्मा है संस्कृत

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का विज्ञान है। इसकी जड़ें भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में हैं, जिसका मूल आधार संस्कृत भाषा है। योग से संबंधित अधिकांश ग्रंथ, मंत्र, सूत्र और दर्शन संस्कृत में ही रचे गए हैं। इसलिए योग को उसकी मूल भावना और वैज्ञानिक दृष्टि से समझने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। आज जब योग विश्वभर में लोकप्रिय हो चुका है, तब संस्कृत भी वैश्विक स्तर पर नई पहचान प्राप्त कर रही है।

आसनों और मंत्रों की सही समझ

योग के अधिकांश आसनों के नाम संस्कृत में हैं, जैसे ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, पद्मासन, शवासन आदि। इनके नाम केवल पहचान नहीं, बल्कि उनके उद्देश्य और प्रकृति को भी दर्शाते हैं। इसी प्रकार योगाभ्यास में उच्चारित होने वाले ओम, शांति मंत्र और अन्य वैदिक मंत्र संस्कृत में ही हैं। इनके सही उच्चारण से योगाभ्यास अधिक प्रभावी और आध्यात्मिक बनता है।

योग और संस्कृत का अटूट संबंध

योग की मूल अवधारणाएं पतंजलि के योगसूत्र, भगवद्गीता, उपनिषद, वेद और हठयोग प्रदीपिका जैसे ग्रंथों में संस्कृत भाषा में उपलब्ध हैं। योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः, अभ्यास और वैराग्य जैसे मूल सिद्धांतों का वास्तविक अर्थ संस्कृत के माध्यम से ही स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। अनुवाद इनका सामान्य अर्थ तो बता सकते हैं, लेकिन मूल भाव और दर्शन को पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाते।

योग प्रशिक्षकों के लिए क्यों आवश्यक है संस्कृत?

आज भारत के साथ-साथ विदेशों में भी प्रशिक्षित योग शिक्षकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में संस्कृत का ज्ञान योग प्रशिक्षकों के लिए अतिरिक्त योग्यता बन गया है। इससे वे योग के सिद्धांतों को अधिक प्रमाणिक और प्रभावशाली ढंग से समझा और समझा सकते हैं। अनेक योग संस्थान और विश्वविद्यालय भी अपने पाठ्यक्रम में संस्कृत का समावेश कर रहे हैं।

Jane Austen: समाज और मानवीय रिश्तों की संवेदनशील लेखिका

अंग्रेज़ी साहित्य में यदि महिला लेखिकाओं की बात की जाए, तो जेन ऑस्टिन (Jane Austen) का नाम सबसे प्रमुख लेखकों में लिया जाता है। उन्होंने अपने उपन्यासों के माध्यम से प्रेम, विवाह, परिवार, सामाजिक परंपराओं और महिलाओं की स्थिति का अत्यंत प्रभावशाली चित्रण किया। उनकी रचनाएं आज भी विश्वभर के पाठकों के बीच लोकप्रिय हैं और अनेक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाती हैं। उनकी लेखन शैली सरल, व्यंग्यपूर्ण और मानवीय भावनाओं से भरपूर है।

प्रारंभिक जीवन

जेन ऑस्टिन का जन्म 16 दिसंबर 1775 को इंग्लैंड के हैम्पशायर में हुआ। उनके पिता एक पादरी थे और परिवार में शिक्षा तथा साहित्य का अच्छा वातावरण था। बचपन से ही उन्हें पढ़ने और लिखने का शौक था। उन्होंने औपचारिक शिक्षा कम प्राप्त की, लेकिन स्वाध्याय के माध्यम से साहित्य में गहरी रुचि विकसित की।

साहित्यिक जीवन

जेन ऑस्टिन ने अपने लेखन में उस समय के अंग्रेज़ी समाज, विशेष रूप से मध्यम और उच्च वर्ग के जीवन, विवाह की परंपराओं तथा महिलाओं की सामाजिक स्थिति को विषय बनाया। उनकी विशेषता यह थी कि वे गंभीर सामाजिक मुद्दों को भी सहज और रोचक शैली में प्रस्तुत करती थीं।

प्रमुख रचनाएं

- Pride and Prejudice
- Sense and Sensibility
- Emma
- Mansfield Park
- Northanger Abbey
- Persuasion

इनमें **Pride and Prejudice** को अंग्रेज़ी साहित्य के सर्वश्रेष्ठ उपन्यासों में गिना जाता है।

लेखन शैली की विशेषताएं

जेन ऑस्टिन की भाषा सरल, प्रभावशाली और व्यंग्य से भरपूर है। वे अपने पात्रों के माध्यम से समाज की रूढ़ियों, वर्गभेद और महिलाओं की सीमित सामाजिक स्वतंत्रता पर प्रश्न उठाती हैं। उनके उपन्यासों में मजबूत महिला पात्र, जीवंत संवाद और यथार्थवादी घटनाएं पाठकों को आकर्षित करती हैं। जेन ऑस्टिन की रचनाओं का अनेक भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उनके उपन्यासों पर कई सफल फिल्में, टीवी सीरीज और नाटक बनाए गए हैं।

शब्द पहेली - 8932

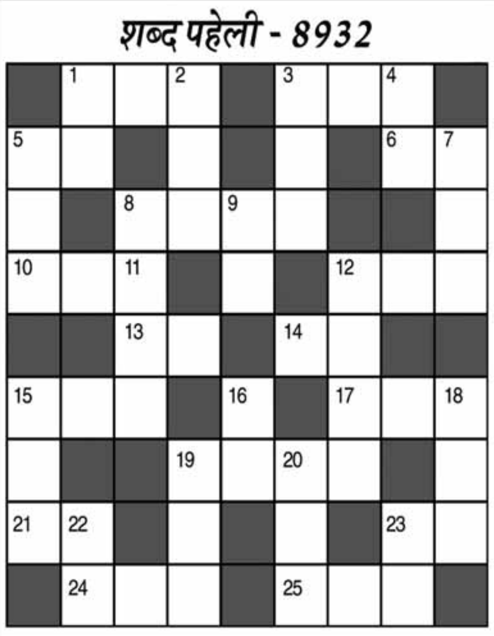

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8931 का हल

ना	क	■	जि	रा	फ	■	ब	ला
ज	■	बे	ब	स	■	स	हा	रा
■	प	ना	ह	■	क	री	ना	■
क	र	म	■	दा	स	ता	■	वि
ले	ख	■	का	म	ना	■	दु	ना
जा	■	व	ज	न	■	प	ला	श
■	म	ह	ल	■	प	ह	रा	■
स	न	म	■	न	ह	र	■	जा
जा	न	■	ह	म	ला	■	शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

बिना अनुमति चल रही सिटी मेड केयर क्लिनिक!

सीएमएचओ ने दिए जांच के निर्देश, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली भी कठघरे में

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

स्वास्थ्य सेवाएं केवल एक व्यवसाय नहीं बल्कि लोगों के जीवन और विश्वास से जुड़ी सबसे संवेदनशील व्यवस्था हैं। मरीज और उसके परिजन अस्पताल की चौखट पर इस भरोसे के साथ पहुंचते हैं कि वहां शासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों, सुरक्षा मानकों और कानूनी प्रावधानों का पालन किया जा रहा होगा। लेकिन यदि कोई अस्पताल आवश्यक वैधानिक अनुमति और पंजीयन के बिना मरीजों का इलाज कर रहा हो, भर्ती कर रहा हो, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि सीधे-सीधे लोगों के जीवन से खिलवाड़ का मामला बन जाता है।

ऐसा ही मामला बालाघाट जिले के लांजी नगर स्थित सिटी मेड केयर क्लिनिक को लेकर सामने आया है, जिसने पूरे स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, अस्पताल में लंबे समय से ओपीडी, मरीजों की भर्ती (आईपीडी), उपचार तथा अन्य चिकित्सा सुविधाएं संचालित की जा रही थीं, जबकि इन सेवाओं के लिए आवश्यक वैधानिक अनुमतियां पूर्ण नहीं थीं।

संचालक ने स्वयं माना- अनुमतियां अभी नहीं मिलीं

सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अस्पताल के संचालक डॉ. हेमंत नगपुरे ने दूरभाष पर बातचीत के दौरान स्वयं स्वीकार किया कि अस्पताल की विभिन्न सेवाओं के लिए आवश्यक पंजीयन और अनुमतियां अभी प्राप्त नहीं हुई हैं तथा उनके लिए आवेदन किया गया है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अस्पताल में पहले एक्स-रे मशीन और पैथोलॉजी लैब संचालित थीं, जिन्हें बाद में बंद कर दिया गया। यह स्वीकारोक्ति कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि अनुमति नहीं थी तो अस्पताल किन नियमों के तहत संचालित हो रहा था? कथित मरीजों की भर्ती किस आधार पर की जा रही थी? और यदि इलाज के दौरान किसी मरीज के साथ कोई गंभीर हादसा हो जाता, तो उसकी कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी किसकी होती?

मरीजों की सुरक्षा पर सबसे बड़ा सवाल

किसी भी अस्पताल को संचालित करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित कई कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना अनिवार्य होता है। इनमें पंजीयन, आवश्यक लाइसेंस, उपकरणों की स्वीकृति, सुरक्षा मानक, प्रशिक्षित स्टाफ और विभिन्न विभागों की अनुमतियां शामिल होती हैं। इनका उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं बल्कि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। यदि बिना पूर्ण अनुमति के अस्पताल संचालित हो रहा था, तो यह केवल नियमों की अनदेखी नहीं बल्कि मरीजों के जीवन को संभावित जोखिम में डालने जैसा गंभीर मामला माना जा सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उपचार का खर्च रु. 1,500 से ?2,000 तक पहुंच जाता था। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि जांच में यह सही पाया जाता है तो गरीब मरीजों के आर्थिक शोषण का मामला भी सामने आ सकता है।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं?

इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि अस्पताल के संबंध में शिकायतें पहले भी संबंधित अधिकारियों तक पहुंच चुकी थीं। यदि शिकायतें पहले से मौजूद थीं तो समय रहते निरीक्षण क्यों नहीं किया गया? नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या स्वास्थ्य विभाग शिकायतों को नजरअंदाज करता रहा या फिर कहीं न कहीं प्रशासनिक उदासीनता रही? इन सभी सवालों का जवाब अब जांच से ही मिलेगा।

बीएमओ की भूमिका पर भी उठे सवाल

सूत्रों के अनुसार, बीएमओ डॉ. अक्षय उपराड़े के परिवार के क्षेत्रीय विधायक से करीबी संबंध बताए जाते हैं, वहीं अस्पताल संचालक भी बीएमओ के ही गांव से जुड़े हैं। ऐसे में लोगों का मानना है कि जांच जिला स्तर या स्वतंत्र टीम से कराई जानी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार के हितों के टकराव की आशंका समाप्त हो और जांच की निष्पक्षता पर कोई प्रश्नचिह्न न लगे।

सीएमएचओ ने दिए जांच के निर्देश

मामले की जानकारी सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. परेश उपलप ने जांच टीम गठित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं तो संबंधित प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है

हाँ, एक्स-रे मशीन भी थी लेकिन उसे हटा दिया गया है। पैथोलॉजी लैब भी था, उसे बंद कर दिया गया है। जैसे क्षेत्र में अन्य डॉक्टर भी अनुमति के बिना क्लिनिक संचालित कर रहे हैं, वैसे ही मेरा भी क्लिनिक चल रहा है। पंजीयन के लिए आवेदन दिया गया है।

डॉ. हेमंत नगपुरे, संचालक सिटी मेड केयर क्लिनिक, लांजी

यह मामला मेरे संज्ञान में आया है। टीम गठित कर जांच कराई जाएगी। यदि दोष सिद्ध पाए जाते हैं तो नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. परेश उपलप, सीएमएचओ, बालाघाट

उपचार से बची सर्पदंश पीड़ित पवन की जान

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले के बैहर विकासखंड के ग्राम मंडवा में समय पर मिले चिकित्सकीय उपचार ने एक सर्पदंश पीड़ित की जान बचा ली। यह मामला इस बात का उदाहरण बन गया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 जुलाई की शाम करीब 6 बजे ग्राम मंडवा निवासी पवन सोनवाने को विषैले कोबरा सांप ने तीन से चार स्थानों पर काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए किसी भी अंधविश्वास का सहारा नहीं लिया और उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली पहुंचाया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद चिकित्सक डॉ. सौरभ उइके एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने बिना विलंब किए मरीज को एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) देकर उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद मरीज की स्थिति स्थिर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर किया गया, जहां विशेषज्ञ उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य हो गई और अब वे खतरे से बाहर हैं। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर अर्पित गुप्ता के सतत मार्गदर्शन और जनजागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। अब सर्पदंश की घटनाओं में लोग झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र में समय गंवाने के बजाय सीधे शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में पहुंचकर उपचार करा रहे हैं, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा रही है।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश की किसी भी घटना में अंधविश्वासों से दूर रहें और मरीज को तुरंत निकटतम शासकीय अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं।

बंदूक की नोक पर लूट करने वाले तीन आरोपित कैमरे में हुए कैद, आरोपितों की 10 टीम कर रहीं तलाश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम कुलपा में दिनदहाड़े सेवानिवृत्त शिक्षक शत्रुघ्न लिल्हारे के घर में बंदूक की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपित सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए है। मामले में आरोपितों तक पहुंचने के लिए पुलिस की अलग-अलग 10 टीम गठित की गई है। शनिवार को दोपहर 12 बजे फ्रिज सुधारने के लिए गांव का एक और आमगांव से एक मैकेनिक आए थे। फ्रिज सुधारने के बाद मैकेनिक चाय पी रहे थे। इस बीच घर की बाड़ी में मोबाइल टावर लगाने वाली कंपनी के कर्मचारी बनकर चार लोग पहुंचे और जमीन की नापजोख करने की बात कही। भरोसा कर बुजुर्ग दंपती ने उन्हें घर में बैठाया और चाय भी पिलाई। इसी दौरान

आरोपितों ने आधार कार्ड और बैंक पासबुक देखने के बहाने घर के भीतर प्रवेश किया और हथियार निकालकर दोनों को बंधक बना लिया। इस बात का विरोध करने पर कमला बाई के मुंह में राड व कपड़ा भर दिया। उसके बाद कमला बाई के कान, गले से जेवर उतार लिए और आलमारी में रखे पुराने जेवर, नकदी एक लाख 80 हजार, बैंक पासबुक, आधार कार्ड व मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। इस बीच एक बंदूक से जिंदा कारतूस गिर गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डाग स्क्वाड की मदद से आसपास सर्चिंग की गई।

खंगाले गए सीसीटीवी कैमरे...

क्षेत्र में आसपास कई सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। जिनमें से एक कैमरे में लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद एक बाइक में सवार होकर तीन आरोपित महाराष्ट्र की ओर जाते कैद हुए है। जिसमें बाइक चला रहा एक युवक कपड़ा बांधे है और बीच में व पीछे बैठे युवक ने मास्क लगाया है। पुलिस इन आरोपितों तक पहुंचने के लिए महाराष्ट्र पुलिस की भी मदद ले रही है। बता दें कि लांजी क्षेत्र में जब से बहुचर्चित डबल मनी का मामला उजागर हुआ है, उसके बाद से इस तरह की घटना सामने आ रही है। हालांकि, इस लूट की घटना में पीड़ित आरोपितों को टावर लगाने जमीन का नापजोख लेने आने की बात कह रही है। इधर, लांजी तहसील मुख्यालय में 28 जून की रात सात से आठ बजे के बीच सराफा व्यवसायी कपिल आसटकर अपने घर जा रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने बंदूक की नोक पर जेवरों से भरा बैग लूट लिया था। उस मामले के आरोपित अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

मध्य प्रदेश विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी का गठन

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ की जिला स्तरीय बैठक रविवार, 26 जुलाई को बालाघाट के शीतल पैलेस होटल में आयोजित की गई। बैठक में संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में बालाघाट जिला तकनीकी कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, तकनीकी कर्मचारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने तथा कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष शंभूनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रदीप द्विवेदी तथा क्षेत्रीय सचिव रामकिशोर लीलहारे भी मौजूद रहे। अतिथियों ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि तकनीकी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मजबूत संगठन सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से एकजुट होकर संगठन के साथ कार्य करने और विभागीय हितों के साथ-साथ उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से बालाघाट जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें कैलाश पारधी को जिला अध्यक्ष, प्रदीप डहवाल को उपाध्यक्ष, दर्शन नगपुरे को सचिव, आशीष पाँचे को संगठन मंत्री, विशाल मारवाड़ी को कोषाध्यक्ष, किशोर पोचे को कार्यालय सचिव तथा डिमेन्ड पटले को प्रचार सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीमती संगीता बहेटवारा, राहुल पटले (संविदा), अरुण ठाकुर (संविदा) तथा सूर्यप्रकाश मोन्दै सहित अन्य कर्मचारियों को शामिल किया गया। वहीं कांतिलाल लीलहारे को क्षेत्रीय कार्यकारिणी में स्थान मिलने पर उपस्थित कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कर्मचारियों की समस्याओं को मजबूती से उठाने, संगठन का विस्तार करने तथा तकनीकी कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संगठन सभी कर्मचारियों को साथ लेकर पारदर्शिता और समन्वय के साथ आगे बढ़ेगा।

बैठक के अंत में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया तथा उपस्थित कर्मचारियों ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्युत विभाग के तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक तरफ नशा मुक्ति अभियान, वहीं मानपुर के गाँव-गाँव में बिक रहा नशे का सामान..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)।

मप्र शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के निर्देशानुसार नशा से दूर रहने के लिये पूरे मध्य प्रदेश में दिनांक 15 से 30 जुलाई तक नशामुक्ति अभियान चल रहा है, जिसके बाद भी ठेकेदारों के बुलंद हौसलों के कारण जिले के मानपुर ब्लॉक क्षेत्र में अवैध मदिरा के बिक्री में रोक नहीं लग रहा है। मानपुर तहसील क्षेत्र में शिर्फ चार लाइसेंसी दुकान संचालित हैं, जब कि मानपुर ब्लॉक के तकरीबन सभी ग्राम पंचायतों में एक से लेकर कई दुकानों में अवैध अवैध दारू की बिक्री हो रही है, जो गोमती अथवा किराना जैसे अन्य दुकान एवं होटलों में अवैध दारू की व्यवस्था ऐनीटाइम बने रहने

की खबर है, जबकि इस क्षेत्र के शिर्फ मानपुर,ताला, अमरपुर, इंदवार में वैध दुकान हैं। ऐसा लग रहा है कि अब पैकारी भी सरकारी हो गई है। वही क्षेत्रवासियों का कहना है कि ठेकेदारों के गुर्गों द्वारा गांव गांव मोहल्ले मोहल्ले में शराब की खेप पहुंचाया जा रहा है, जिसके सच्चाई का पता हर गांव में अपर्चित क्रेता बनकर किया जा सकता है। अवैध मदिरा की पैकारी सुबह से आधी रात तक लगातार होती है सबको दिख रहा है लेकिन जिन्हें कार्यवाही करनी है उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा.! मिल रही जानकारियों के अनुसार बिना नंबर प्लेट के बाइक एवं सफेद रंग की बोलेरो में अवैध पैकारी का कार्य ज्यादा किया जाता है, जिन अवैध दुकानों में निर्धारित दर से ज्यादा मंहगे दरों पर दारू बिक्री करने की चरचा बनी रहती है, जिस गम्भीर विषय पर कई बार शिकायत होने के बाद भी आज तक कोई ठोस कार्यवाही होने तो कई जगह कार्यवाही के नाम पर सिर्फ कालाम पूर्ती की जाने की खबर है, क्यों कि यदि शक्त कार्यवाही होती तो खुलेआम हो रहे अवैध बिक्री में रोक अवश्य लगगया होता।

नशा के कारण अधिक्तर अपराधिक मामला, जानलेवा बीमारी, कुछ पारिवारिक और सामाजिक विवाद और हादसों जैसे समस्याओं को कम करने के लिये सरकार द्वारा बार बार अभियान चलाया जाता है ज्सके बाद भी मानपुर क्षेत्र में अवैध दारू बिक्री पर रोक लगना असम्भव सा दिख रहा है..!

हाइवे पर ट्रक ने तूफान को मारी जोरदार टक्कर, ट्रक चालक फरार

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में रविवार 26 जुलाई को नेशनल हाईवे-43 पर सड़क हादसा हो गया। सिविल लाइन चौकी अंतर्गत भंगहा चौराहे के पास एक ट्रक ने तूफान वाहन को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तूफान गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसकी छत (छप्पर) उखड़कर अलग हो गई। वारदात के बाद ट्रक चालक अपने वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक, कटनी जिले के मुडगुड़ी निवासी मनोज यादव अपने तूफान वाहन (क्रमांक एमपी 20 टीए 1269) से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी भंगहा चौराहे के पास सामने से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में तूफान वाहन के चालक मनोज यादव के हाथ में गंभीर चोट आई है।

धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे से उत्साहित कांग्रेस ने निकाला विजय मार्च

उमरिया (स्वतंत्रमत)। नीट-यूजी पेपरलीक मामले मे केन्द्रीय मंत्री धमेन्द्र प्रधान के इस्तीफे से उत्साहित कांग्रेस ने शनिवार 25 जुलाई की रात को नगर मे विजय मार्च निकाला। स्थानीय जय स्तंभ चौक से शुरू हुआ यह कार्यक्रम गांधी चौक मे संपन्न हुआ। रास्ते भर कार्यकर्ताओं ने जम कर नारेबाजी की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विजय कोल ने कहा कि देश के करोडों युवाओं के सांथ हुई धोखाधडी, दो दर्जन पीडित छात्रों की आत्महत्या और लंबे समय तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद भी प्रधानमंत्री द्वारा अपने भ्रष्ट मंत्री का इस्तीफा नहीं लिया जा रहा था। इस मामले मे नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार छात्रों के हित मे संसद से सडक तक आवाज बुलंद कर रहे थे। जिसके बाद दबाव मे आकर भाजपा सरकार को यह निर्णय लेना पडा। श्री कोल

ने इस जीत के लिये देशवासियों बधाई प्रेषित की है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष इंजी. विजय कोल के नेतृत्व मे आयोजित मार्च मे पूर्व अध्यक्ष राजेश शर्मा, ठाकुरदास सचदेव, त्रिभुवन प्रताप सिंह, अमृतलाल यादव, ब्लाक अध्यक्ष मिथलेश राय, शिशुपाल यादव, मनोज द्विवेदी, पुष्पराज सिंह, वीरेन्द्र सेंगर, रमेश सिंह परस्ते, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंह, प्रवीण अग्रवाल, अशोक मिश्रा, उदयप्रताप सिंह, मो. नईम, वंशस्वरूप शर्मा, बेबी बाई रजक सेवादल के जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, गौरीशंकर प्रजापति, श्रीमती सावित्री सिंह, मो. आजाद, सुखराज सिंह, शकील खान, शकुंतला धुर्वे, रेखा सिंह, संजय पाण्डेय, श्रीमती रामायणवती कोल, मुकेश प्रताप सिंह, मो. नासिर अंसारी, विक्रम सिंह, संदीप यादव, मनीष शर्मा, उमेश कोल, ताजेन्द्र सिंह, सोमचंद वर्मा, पार्षद बजरूद्दीन, कमलेश कठौतिया, जिया जावेद खान, कमलेश परस्ते सहित बडी संख्या मे कांग्रेसजन उपस्थित थे।

नीट परीक्षा परिणाम में अंकों के अंतर को लेकर हाईकोर्ट पहुंचा मामला

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम कछौहा निवासी अंशिका सिंह, पिता अनिल सिंह ने नीट परीक्षा के परिणाम में अंकों के अंतर को लेकर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है।परिजनों का आरोप है कि परीक्षा के बाद जारी स्कोर कार्ड में अंशिका के केवल 145 अंक दर्शाए गए हैं, जबकि आधिकारिक ओएमआर उत्तर-पत्र के अनुसार उसके 441 अंक बन रहे हैं। इस अंतर को लेकर परिवार ने परिणाम पर सवाल उठाते हुए न्यायालय की शरण ली है। परिजनों के अनुसार, स्कोर कार्ड और ओएमआर में दर्ज अंकों के बीच भारी अंतर होने से छात्रा मानसिक रूप से परेशान है। उनका कहना है कि इस संबंध में आवश्यक दस्तावेजों के साथ मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर में याचिका दायर की गई है और मामले की निष्पक्ष जांच तथा सही परिणाम घोषित करने की मांग की गई है।गौरतलब है कि पेपर लीक के आरोपों के बाद संबंधित नीट परीक्षा का पुन: आयोजन 21 जून को किया गया था। इसके बाद 16 जुलाई को परीक्षा परिणाम घोषित किए गए।

अब अंकों में कथित गड़बड़ी का मामला सामने आने से अभ्यर्थियों और अभिभावकों के बीच भी चिंता का माहौल है। फिलहाल सभी की नजरें हाईकोर्ट में लंबित याचिका और उसके निर्णय पर टिकी हुई हैं। कई बार पेपर लीक और परीक्षा में गड़बडियां आने के बावजूद भी सरकार और प्रशासन से इसमें सुधार करने के कोई भी असर दिखाई नहीं दे रहा है।

उमरिया में व्यापार संवर्धन एवं बाहरी अस्थायी व्यापारियों के संबंध में सामूहिक बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शनिवार 25 जुलाई को उमरिया जिले में कार्यरत व्यापारी संगठनों के तत्वावधान में सेंट्रल बैंक के समीप माया सूमाल परिसर में व्यापारियों की एक सामूहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के व्यापार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक का प्रमुख उद्देश्य उमरिया में लगातार घटते व्यापार को पुन: गति देने के लिए प्रभावी उपायों पर विचार करना तथा रक्षाबंधन सहित अन्य त्योहारों के अवसर पर बाहरी राज्यों से आने वाले अस्थायी व्यापारियों द्वारा किए जा रहे व्यापार के संबंध में व्यापारियों की चिंताओं पर चर्चा करना रहा।

बैठक में उपस्थित व्यापारियों ने कहा कि प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष रूप से कोलकाता से बड़ी संख्या में कपड़ा व्यापारी उमरिया पहुंचकर लगभग 100 से 200 अस्थायी दुकानें लगाते हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि इन अस्थायी दुकानों के कारण स्थानीय व्यापार प्रभावित होता है तथा शहर में स्वच्छता संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। साथ ही कुछ व्यापारियों ने यह भी कहा कि कम कीमत पर बेचे जाने वाले निम्न गुणवत्ता के कपड़ों में उपयोग किए जाने वाले रंग एवं रसायनों के कारण उपभोक्ताओं, विशेषकर बच्चों, को त्वचा संबंधी समस्याएं होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इस संबंध में उपस्थित व्यापारियों ने बताया कि पिछले वर्ष इस विषय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी जांच की गई थी तथा गुणवत्ता एवं उपभोक्ता सुरक्षा को गंभीरता से लेने की आवश्यकता बताई गई।

बैठक में सर्वसम्मति से यह भी मत व्यक्त किया गया कि

कोलकाता से आने वाले अस्थायी कपड़ा व्यापारियों को उमरिया जिले में अस्थायी दुकानें लगाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। व्यापारियों का कहना था कि यदि ऐसे व्यापारी व्यवसाय करना चाहते हैं तो वे अन्य जिलों में अपना व्यापार करें, जिससे उमरिया के स्थानीय व्यापारियों के हित सुरक्षित रह सकें और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिले। इस संबंध में प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि स्थानीय व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन से आवश्यक नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने, अस्थायी व्यापारियों के पंजीयन, गुणवत्ता की जांच तथा स्वच्छता संबंधी मानकों का पालन कराने की मांग की जाएगी। साथ ही जिले के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सभी व्यापारी संगठन संयुक्त रूप से सकारात्मक पहल करेंगे।

बैठक में प्रमुख रूप से कीर्ति कुमार सोनी, लक्ष्मीनारायण खंडेलवाल, रतन खंडेलवाल, आशीष खंडेलवाल, अमित गुप्ता, हेमंत चंदानी, घनश्याम जी, भोला गुप्ता, पंकज मिश्रा, अजय गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, अनुराग रजक, सौरभ गुप्ता, पवन जी, मनीष शर्मा (शर्मा रेडियो), अर्जुन सिंह चौहान, असीम गुप्ता, साकेत तिवारी, अस्सुनी अग्रवाल, पंकज खंडेलवाल, तरुण वाधवानी, कमल वाधवानी, दीपक सचदेव, ओम खंडेलवाल, मोहनलाल खंडेलवाल, राजेश छतवानी, मुश्कान साड़ी सेंटर के प्रतिनिधि, हेमंत, दशरथ, रवि गुप्ता, निशांत सचदेव, गौरव अग्रवाल तथा जिले के विभिन्न व्यापारी संगठनों के बड़ी संख्या में व्यापारी

इनर व्हील ने बच्चों से की मुलाकात

मण्डला(स्वतंत्रमत)। इनर व्हील के द्वारा सेवा भारतीय आश्रम में निवासरत बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया यहां लड़कियों को हाइजीन की जानकारी दी गई और पेड का वितरण किया गया। सरिता इसरानी ने लड़कियों को गुड टच बेड टच के बारे में जानकारी दी और उन्हें साफ सफाई से रहने का भी तरीका बताया लड़कियों की समस्याओं को देखते हुए डॉक्टर लिली एक्का बच्चों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासा और समस्याओं का निदान किया। साथ ही इलाज किए जाने की चर्चा की गई। इस दौरान इनर व्हील की जिला अध्यक्ष श्रीमति अनिता गोयल ने आश्रम में निवासरत बच्चियों को भरोसा दिलाया कि शीघ्र ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। पश्चात सेवा भारती आश्रम की सभी लड़कियों के लिए भोजन की व्यवस्था रखी गई और एक साथ भोजन किया गया। इस दौरान आशा चौधरी, अनिता राय, अनुराधा चौरसिया, सीमा ज्योतिषी , गीता काल्पीवार, प्रिया पमनानी, संजूलता सिंगौर सहित अन्य सदस्य महिलाएं उपस्थित रही।

तेंदुए की उपचार के दौरान मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कान्हा टाइगर रिजर्व में शुक्रवार को रेस्क्यू किए गए एक घायल तेंदुए की उपचार के दौरान शनिवार सुबह मौत हो गई तेंदुए को एक दिन पहले सिझोरा बफर परिक्षेत्र के ग्राम खटोला से रेस्क्यू कर मुक्की क्वॉरेंटाइन सेंटर में भर्ती कराया गया था जहां चिकित्सकीय उपचार के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका जानकारी के अनुसार तेंदुआ जंगल से भटककर खटोला गांव के एक मकान में घुस गया था उस समय घर में मौजूद महिला ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सुरक्षित बाहर निकलकर ग्रामीणों और वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही कान्हा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और लगभग दो घंटे तक चले अभियान के बाद तेंदुए को ट्रैंक्यूलाइज कर सुरक्षित बाहर निकाला।

वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय नवीन एकीकृत हाई स्कूल सेमरखापा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम किया गया इस अवसर पर छात्रों ने वृक्षारोपण किया और अंतरराष्ट्रीय बाघ सप्ताह के अंतर्गत बाघों की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए राजेश क्षत्री पर्यावरण विद ने छात्रों को अवगत कराया कि बाघ दुनिया के सभी वन्य प्राणियों में बादशाह के रूप में होते हैं प्रकृति के संतुलन में पारिस्थितिकी तंत्र का सबसे महत्वपूर्ण सदस्य होता है जो हमारे इकोसिस्टम को संतुलित करता है। बाघों को बचाना एवं बाघों के संरक्षण में समुदाय एवं जनमानस देना आवश्यक है इस अवसर पर विद्यालय में डॉक्टर कमलेश हरदहा इको क्लब प्रभारी तथा पूजा धुर्वे ने छात्रों को पेड़ों के महत्व की जानकारी दी।

वाहनों में टक्कर कई घायल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंडला जिले के निवास-मंडला मार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ग्राम खारी और बकोरी के बीच घाट क्षेत्र में मिनी ट्रक आयशर और तूफान वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तूफान वाहन में सवार 8 यात्री घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल मंडला में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तूफान वाहन में करीब 9 यात्री सवार थे, जो मंडला के समीप स्थित ग्राम बिनैका धान रोपाई के कार्य के लिए जा रहे थे। इसी दौरान निवास की ओर से आ रहे मिनी ट्रक आयशर से बकोरी घाट के पास आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

जब बिना अनुमति दस्तावेजों के चल रहा काम तो फिर क्यों करें कागजी खानापूर्ति, गिट्टी क्रेशर के संचालन पर सवाल, कलेक्टर से शिकायत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय से डिंडौरी मार्ग में चाबी के बगली में संचालित साहू स्टोन क्रेशर के अनुमति संबंधी दस्तावेजों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार बिना दस्तावेजों के वर्षो से यह क्रेशर संचालित हो रहा है। लगभग आठ साल में लाखों घन मीटर पत्थर निकालकर गिट्टी बनाते हुए बेचा जा चुका है। जानकारी के अनुसार इस क्रेशर को खास लोगो का खासा समर्थन मिला हुआ है। बिना पर्यावरण अनुमति पॉल्यूशन बोर्ड के कागज ईसी, डिया सिया की अनुमति के बिना भी कोई क्रेशर कैसे संचालित हो सकता है। बिना रॉयल्टी के यह क्रेशर वर्षो से चल रहा है जिसकी शिकायत बीते दिनों ग्रामीणों ने कलेक्टर से की है। की गई शिकायत में उल्लेख है कि खसरा नंबर 511 रकवा 2 हेक्टयर ग्राम चाबी विकासखंड मोहगांव में संचालित है। इस क्रेशर को 7 मार्च 2018 से 6 मार्च 2028 तक के लिए स्टोर क्रेशर पत्थर खदान स्वीकृत की गई थी लेकिन पर्यावरण अनुमति के बिना क्रेशर का संचालन किया जा रहा है। ईसी के बिना खनन करना शासन के आदेशों की अव्हेलना है। यहीं नही एक सड़क निर्माण कम्पनी से फर्जी एग्रीमेंट कर लाखों घन मीटर बोल्डर पत्थर बेंचे जा चुकें हैं। पूर्व में यह क्रेशर सील भी किया गया था लेकिन मिलीभगत कहें या फिर राजनैतिक संरक्षण मसला जो भी हो लेकिन यह तो हद पार हो गई। गिट्टी क्रेशर में कथित तौर पर मनमाने खनन और बिना रॉयल्टी गिट्टी के अवैध परिवहन को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार कुछ क्रेशर संचालकों पर खनन नियमों के उल्लंघन डेड रेंट जमा नहीं करने तथा अन्य वैधानिक औपचारिकताओं का पालन नहीं करने के आरोप लगाए जा रहे हैं इसके बावजूद संबंधित खदानों में लगातार खनन कार्य संचालित होने की बात सामने आ रही है स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कई स्थानों से बिना वैध रॉयल्टी के गिट्टी का परिवहन किया जा रहा है जिससे शासन को राजस्व की हानि होने की आशंका जताई जा रही है सूत्रों का कहना है कि जिले की अधिकांश गिट्टी खदानों की लीज आदिवासी भूमि स्वामियों के नाम पर स्वीकृत है जबकि वास्तविक संचालन अन्य लोगों द्वारा किए जाने के आरोप हैं आरोप है कि कई मामलों में आदिवासी भूमि मालिक केवल नाममात्र के पट्टाधारी हैं और खदानों का संचालन तथा आर्थिक लाभ किसी अन्य व्यक्ति या समूह को मिल रहा है इन खदानों में निर्धारित मानकों की अनदेखी कर भारी ब्लास्टिंग और अंधाधुंध खनन किए जाने की भी शिकायतें सामने आई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अत्यधिक विस्फोट से आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण और जनजीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है यदि इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ मामलों में आदिवासी परिवारों को नियमों की पूरी जानकारी दिए बिना या गुमराह कर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए तथा फर्जी या भ्रामक दस्तावेज तैयार किए गए। यदि इन आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह मामला केवल अवैध खनन तक सीमित न रहकर आदिवासी हितों के संरक्षण और दस्तावेजी अनियमितताओं से भी जुड़ सकता है स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच मांग की है। उनका कहना है कि जिले के सभी गिट्टी क्रेशरों खदानों की लीज रॉयल्टी भुगतान डेड रेंट पर्यावरणीय स्वीकृतियों परिवहन अनुमति तथा वास्तविक संचालकों की विस्तृत जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जानी चाहिए। साथ ही आदिवासी भूमि स्वामियों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करते हुए यदि किसी प्रकार की धोखाधड़ी हुई है तो उसकी भी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। वहीं वन भूमि पर भी खनन किया गया है जिसकी जॉच नही की जा रही है। पूरा क्षेत्र अवैध खनन से पटा पड़ा है वही आसपास के क्षेत्रों से फाड़ी पत्थर लाकर भी पीसा जा रहा है। क्रेशर संचालक रॉयल्टी की चोरी भी कर रहे हैं। इन क्रेशरों की नियमित जॉच किए जाने मांग की जा रही है। बता दें कि गिट्टी क्रेशर और फाड़ी पत्थर खदान में नियम को दरकिनार कर मनमानी की जा रही है। माईनिंग प्लान को ताक पर रखकर पत्थर खनन कर क्रेशर संचालित किए जा रहे हैं। गिट्टी का ओवरलोड परिवहन किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जिले में लगभग 60 गिट्टी क्रेशर हैं शासन के नए नियमों के मुताबिक माईनिंग प्लान आवश्यक है। पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जल, वायु की सम्मति लेने के निर्देश हैं। गिट्टी क्रेशर संचालक नियमों को दरकिनार कर रहे हैं। खनन और परिवहन के दौरान तय मानकों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। माईनिंग प्लान के आधार पर गिट्टी क्रेशर संचालित नहीं है आसपास की राजस्व और वन भूमि से भी खनन किया जा रहा है। माईनिंग प्लान जमा करने के बाद निर्धारित रकबे के बाहर मनमाना खनन हो रहा है। गिट्टी क्रेशर की नियमित जांच नहीं हो रही है जिसके कारण गिट्टी क्रेसर संचालक नियमों को दरकिनार करते हुए क्रेशर संचालित कर रहे है गिट्टी परिवहन में भी शासन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है ओवरलोड गिट्टी का परिवहन किया जा रहा है रॉयल्टी की चोरी भी हो रही है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत पर लगे आरोप

मण्डला(स्वतंत्रमत)

शहर के इलाही चौक निवासी 27 वर्षीय शिवानी विश्वकर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। गंभीर अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया घटना को लेकर मृतका के मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है जबकि पति ने इसे आत्महत्या बताया है पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार शनिवार को शिवानी की मौत के बाद जबलपुर निवासी उनके मायके पक्ष को सूचना दी गई परिजनों के पहुंचने तक शव को जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में रखा गया रविवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्यवाही पूरी की गई। मृतका के पति नीलेश विश्वकर्मा ने बताया कि शिवानी पिछले कुछ समय से बीमार थीं और उनका इलाज मंडला जबलपुर तथा नागपुर में चल रहा था। चिकित्सकों ने उन्हें एंजाइटी और माइग्रेन की समस्या बताई थी उनके अनुसार माइग्रेन के कारण उनका बायां हाथ भी ठीक से काम नहीं कर रहा था घटना वाले दिन वह अपने तीन वर्षीय बेटे को स्कूल में आयोजित पेरेंट-टीचर मीटिंग में लेकर गए थे जाने से पहले शिवानी घबराई हुई थीं कांप रही थीं और रो रही थीं। उन्होंने उन्हें शांत कर सुला दिया और उनकी सहमति मिलने के बाद बेटे को लेकर स्कूल चले गए वापस लौटने पर कमरे में जाकर देखा तो शिवानी फंदे पर लटकी हुई थीं उन्होंने पास में रखी कैंची से रस्सी काटकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया वहीं मृतका की मां ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी पढ़ी-लिखी थी नर्सिंग का कोर्स कर चुकी थी और उसका तीन वर्षीय बेटा है इसलिए वह आत्महत्या नहीं कर सकती।

किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसानों की समस्या के समाधान पर तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अखिलेश ठाकुर ने बताया कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की खेती बर्बाद करने पर आमादा है। गेहूं की खरीदी में गड़बड़ी करके किसानों को कर्जदार बनाने के बाद अब मोहन सरकार धान की खेती बर्बाद करके किसानों की कमर तोड़ने का काम कर रही है एक तरफ ई-टोकन के जरिए यूरिया वितरण को सरकार ने सट्टे की तरह बना दिया है और जिनका ई टोकन जनरेट हो भी जा रहा है उनको भी यूरिया उठाने के लिए बहुत कम समय दिया जा रहा है। इस वर्ष बारिश में देरी होने की वजह से वैसे ही किसान परेशान है और शासन की वितरण प्रणाली के भंवर में फंस कर किसान भी रात रात भर जाग कर टोकन जनरेट होने का इंतजार कर रहा है। कही इंटरनेट का नेटवर्क कमजोर है कही बिल्कुल भी नहीं मिलता इससे भी किसान को परेशानी हो रही है। प्रदेश में मूंग के उत्पादक किसान भी खरीदी के इंतजार में है जिसका सरकार द्वारा कोई प्रबंध नही किया जा रहा। किसान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वर्तमान की केंद्र सरकार किसानों को खेती के मालिक से मजदूर बनना चाहती है। प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंग चौहान के निर्देशानुसार ज्ञापन के माध्यम से किसानों की आवाज सरकार तक पहुंचाई गई है। अगर सरकार द्वारा किसानों की समस्या का कोई शीघ्र समाधान नहीं निकाला जाता तो किसान कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी अमित शुक्ला, सुरेंद्र परिहार, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश तिवारी, जयंत चौधरी, राजेश कछवाहा, पूर्व किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल, दीपेश बाजपेयी प्रदेश सचिव अभिनव चौरसिया, जनपद अध्यक्ष सोनू भलावी, संजय चौरसिया ब्लॉक अध्यक्ष लखन ठाकुर, विवेक दुबे, नुरैन मंसूरी, शाहनवाज खान जावेद खान, युवा नेता मयूर चौधरी, सौरभ जंघेला, कृष्ण कुमार चौरसिया, बिन्नू चौरसिया, राहुल श्रीवास, लालू कछवाहा, गोपाल धुर्वे, प्रकाश बैरागी, परवीन उइके अभिषेक पड़वार, मिथलेश कछवाहा, सोनू वरकड़े, सोहन मसराम, अशोक इत्यादि बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

धनगांव विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत मवई विकासखंड के ग्राम धनगांव स्थित विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ शिक्षा पलायन बाल श्रम एवं साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। मवई थाना प्रभारी श्रीमती आरती तेकाम ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति परिवार और समाज के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों से हो रहे पलायन किशोर-किशोरियों के मजदूरी में लगने तथा शिक्षा से वंचित रहने जैसी समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों से नियमित रूप से विद्यालय आने और शिक्षा को प्राथमिकता देने अपील की। कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधों से बचाव ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रहने सोशल मीडिया के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। साथ ही ग्रामीणों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर मवई थाना प्रभारी श्रीमती आरती तेकाम थाना स्टाफ विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता के खिलाफ हुई एफआईआर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री पर सोशल मीडिया में कथित अभद्र टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता अजय चौरसिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्यवाही भारतीय जनता पार्टी नगर के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर शनिवार देर रात कोतवाली थाना मंडला में की गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस आईटी सेल के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय चौरसिया ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और महिलाओं के संबंध में अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। भाजपा नगर अध्यक्ष रानू राजपूत ने बताया कि चौरसिया ने प्रधानमंत्री के खिलाफ गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए पोस्ट किए। आरोपी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही मांग की थी। शिकायत दर्ज कराने के दौरान

भाजपा के मीडिया प्रभारी सुधीर कसार नगर महामंत्री सौरभ गुप्ता सहित नगर के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कोतवाली थाना प्रभारी शफीक खान ने पुष्टि की कि भाजपा नगर महामंत्री सौरभ गुप्ता की शिकायत के आधार पर अजय चौरसिया के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना : 196 श्रद्धालुओं को लेकर मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना हुई विशेष ट्रेन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी च्मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाज् के अंतर्गत बालाघाट, मंडला, जबलपुर एवं कटनी जिले के वरिष्ठ नागरिकों के लिए मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा 25 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक आयोजित की जा रही है। शनिवार को निर्धारित समय दोपहर 1ः00 बजे तीर्थ दर्शन ट्रेन बालाघाट जिले के यात्रियों को लेकर नैनपुर रेलवे स्टेशन पहुंची। यहाँ मंडला जिले के विभिन्न अंचलों से आए 196 तीर्थयात्रियों का जत्था ट्रेन में सवार हुआ। इसके पश्चात दोपहर 1ः30 बजे ट्रेन जबलपुर होते हुए अपने गंतव्य स्थल मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना हुई।

मंडला जिले से 196 श्रद्धालुओं की सहभागिता

इस पावन यात्रा में शामिल है। जिले के विभिन्न अंचलों में मण्डला से 75, बिछिया से 30, नारायणगंज से 27, घुघरी से 27, निवास से 19 और नैनपुर से 18 यात्री शामिल किए गये हैं। नैनपुर स्टेशन से सभी यात्रियों का आत्मीय स्वागत करते हुए तीर्थ यात्री विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नगर पालिका परिषद नैनपुर के पार्षद राजाराम शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी आशुतोष महादेव ठाकुर तथा तहसीलदार संगम पटले ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। राजस्व विभाग की ओर से राजस्व निरीक्षक शिव वर्कड़े, विजय गोठारिया, दिनेश ठाकुर, रंजीत गौतम, सत्येंद्र ठाकुर एवं आशीष वैष्णव ने सभी यात्रियों का तिलक लगाकर, कंठी माला पहनाकर और भोजन पैकेट वितरित कर आत्मीय स्वागत किया तथा सुखद यात्रा की कामना के साथ विदा किया। तीर्थयात्रियों ने मध्य प्रदेश सरकार की इस योजना की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि शासन की इस पहल से उन्हें वृद्धावस्था में सुलभ एवं सम्मानजनक तरीके से तीर्थ दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है।

15 दिन में नागपुर से सकुशल बरामद हुई नाबालिग

नैनपुर पुलिस की तत्परता से परिवार में लौटी खुशियां

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग बालिका को महज 15 दिनों के भीतर महाराष्ट्र के नागपुर से सकुशल दस्तयाब करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और लगातार प्रयासों के चलते बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, थाना नैनपुर अंतर्गत एक ग्राम की 16 वर्षीय बालिका किसी को बताए बिना अचानक घर से चली गई थी। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि किसी घरेलू बात को लेकर उसकी चाची ने उसे डांट दिया था, जिसके बाद वह नाराज होकर घर छोड़कर चली गई।

परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बाद भी जब बालिका का कोई सुराग नहीं मिला तो 10 जुलाई 2026 को थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 322/2026, धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नैनपुर एसडीओपी मनीष राज के निर्देशन एवं थाना प्रभारी मंशाराम वगेन के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने लगातार तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र तथा संभावित स्थानों पर खोजबीन शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को नाबालिग के नागपुर में होने की जानकारी मिली।

सूचना मिलते ही 23 जुलाई को एएसआई विभा खान, प्रधान आरक्षक कुलदीप, महिला आरक्षक ज्योति एवं एसएसयू की तीजा की टीम नागपुर रवाना हुई। पुलिस टीम ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया।

इसके बाद सभी वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कर बालिका को सुरक्षित नैनपुर लाया गया। पूछताछ में सामने आया कि वह घर में डांट पड़ने के बाद नाराज होकर बिना किसी को बताए चली गई थी।

पुलिस द्वारा आवश्यक दस्तावेजी एवं कानूनी कार्रवाई पूर्ण करने के बाद नाबालिग को उसकी चाची छाया मरकाम के सुपुर्द कर दिया गया।

इस सफल कार्रवाई में नैनपुर एसडीओपी मनीष राज के प्रभावी मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी मंशाराम वगेन के नेतृत्व में कार्यरत पुलिस टीम की सक्रियता और संवेदनशीलता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 27 जुलाई 2026

संपादकीय

‘कॉकरोचों’ ने बदला गेम

नीट पेपर लीक विवाद सिर्फ परीक्षा की गड़बड़ी तक सीमित नहीं रहा। बीते महीने से ये देश की सबसे बड़ी राजनीतिक हलचल बन चुका था। जंतर मंतर पर हफ्तों से चल रहा कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी का प्रदर्शन, संसद का लगातार ठप होना, विपक्ष का सड़क पर उतरना और अब खुद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा। यह पूरा विवाद मई 2026 में शुरू हुआ था। 3 मई 2026 को देशभर में नीट यूजी परीक्षा हुई थी, जिसमें करीब 22 से 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। परीक्षा के कुछ दिन बाद, यानी 7 मई के आसपास, शिकायतें आने लगीं कि गेस पेपर के नाम पर असली सवाल पहले ही लीक हो चुके थे। इन शिकायतों के बाद हड़कंप मच गया और 12 मई को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने पूरी परीक्षा रद्द कर दी। इसके साथ ही सीबीआई ने मामले की जांच शुरू कर दी। 15 मई को खुद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक प्रेस ब्रीफिंग में यह स्वीकार किया कि पेपर लीक हुआ है। उन्होंने कहा कि यह गड़बड़ी कमांड चेन में हुई एक चूक की वजह से हुई। इसके बाद 21 जून को दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया। इसी दौरान एक और दिलचस्प घटना हुई। 15 और 16 मई को सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी वायरल हो गई, जिसमें उन्होंने कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया था। इसी टिप्पणी से प्रेरित होकर 16 मई को अभिजीत दिपके नाम के एक व्यक्ति ने मजाकिया अंदाज में कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी नाम का एक संगठन बनाया। शुरुआत में यह सिर्फ एक ऑनलाइन मजाक जैसा लगा, लेकिन कुछ ही दिनों में इससे लाखों लोग जुड़ गए। जैसे ही नीट परीक्षा रद्द होने की खबर आई, यही मजाकिया मंच युवाओं के गुस्से और आक्रोश को जाहिर करने का सबसे बड़ा जरिया बन गया। जून के महीने में यह आंदोलन और तेज हो गया। 6 जून को सीजेपी ने अपना पहला बड़ा प्रदर्शन दिल्ली के जंतर मंतर पर किया। प्रदर्शनकारियों की तीन मुख्य मांगें थीं। पहली, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। दूसरी, परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधार किए जाएं। और तीसरी, जिन छात्रों ने इस तनाव के चलते आत्महत्या कर ली, उनके परिवारों को मुआवजा दिया जाए। देखते ही देखते सीजेपी का प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया और जंतर मंतर पर हजारों की संख्या में छात्र, युवा और समर्थक जमा होने लगे। इसी बीच 21 जून को नीट की दोबारा परीक्षा हुई और उसके नतीजे भी जल्दी ही घोषित कर दिए गए, लेकिन इससे लोगों का गुस्सा कम नहीं हुआ। जुलाई का महीना इस पूरे विवाद का सबसे तनावपूर्ण दौर साबित हुआ। 20 जुलाई को सीजेपी ने चलो संसद नाम से एक बड़े मार्च का ऐलान किया। पुलिस ने इस मार्च की इजाजत नहीं दी थी, लेकिन इसके बावजूद हजारों प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़ चले। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े, जिसमें कई लोग घायल हो गए। इसके बावजूद जंतर मंतर पर धरना जारी रहा। उसी दिन और उसके बाद के दिनों में विपक्ष भी सड़क पर उतर आया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई बड़े नेताओं ने प्रधानमंत्री के आवास लोक कल्याण मार्ग की तरफ मार्च किया। पुलिस ने इन नेताओं को हिरासत में ले लिया। विपक्ष ने तीन मुख्य मांगें रखीं, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, 20 जुलाई की पुलिस कार्रवाई की जांच हो, और छात्रों से सार्वजनिक माफी मांगी जाए। इसी दौरान संसद का मॉनसून सत्र भी शुरू हो चुका था, लेकिन यह शुरू होते ही नीट मुद्दे पर पूरी तरह ठप हो गया। विपक्षी सांसद रोज संसद के वेल में जाकर नारेबाजी कर रहे थे और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगा रहे थे। इसकी वजह से लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार स्थगित करनी पड़ी। आखिरकार शनिवार यानी 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

जंतर मंतर आंदोलनः आक्रोश का प्रदर्शन या प्रतिरोध का कार्निवाल

डॉ. सुधीर सक्सेना

(स्वतंत्र पत्रकार)

अंततः धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हो गया, लेकिन यह जेन-जी प्रणीत आंदोलन के प्रथम चरण की समाप्ति है। यह युवा वर्ग के आंदोलन के कथानक का अल्पविराम है। प्रथम और आगामी चरण के मध्यवर्ती अंतराल में स्वाभाविक तौर पर हमें यह सोचना होगा कि हम इसे क्या कहें- आक्रोश का अपूर्व उत्सव अथवा प्रतिरोध का कार्निवाल? बिलाशक यह बापू के दिये यंत्र और मंत्र (जंतर-मंतर) की ऐतिहासिक जीत है, लेकिन इसका अपूर्व चरित्र इसके लिये नयी संज्ञा की मांग करता है।

गौर करें तो शब्दकोश में इसके लिये कोई उपयुक्त शब्द नहीं है। यह आंदोलन भी है और आक्रोश की अभिव्यक्ति भी। मगर इसका अंदाज अलग है। इसका चरित्र औपनिवेशिक युग और स्वांत्रयोत्तर काल के इस तरह के सामूहिक उपक्रमों से सर्वथा भिन्न है। यकीनन जेन-जी आंदोलित और उद्वेलित है। उसकी मुष्ठियां भिंची हुई हैं, लेकिन उसके भीतर किसी के लिये घृणा, बैर अथवा वैमनस्य नहीं है। जंतर-मंतर पर उसका हुजूम मतवालों की अलमस्त टोलियों सा नजर आता है। आंदोलन का यह पैटर्न विश्व में नया है। दिल्ली का जेन-जी आंदोलन ढाका या काठमांडू और बरसों पहले के बीजिंग के थ्येन-आनमन आंदोलन से अलहदा है। वह हिंसक या अराजक नहीं है। जंतर-मंतर का आंदोलन गांधीवादी मूल्यों की महत्ता और प्रभाव की दिलचस्प मिसाल है। इसकी रगों में अन्याय के प्रतिकार के साथ ही सत्य और अहिंसा की भावना प्रवाहमान है। मजेदान बात है कि इसका अंदाज या चरित्र कुछ ऐसा है कि शब्दकोश न्यून हो गया है। क्या इसे आक्रोश का उत्सव कहें? नहीं, उत्सव या जश्न तो अंतिम चरण की सफलता के बाद का प्रसंग होता है। तो क्या हम इसे प्रतिरोध का कार्निवाल कह सकते हैं?

आंदोलन को पहली सफलता छत्तीस दिन बाद मिली। छत्तीस दिन कम नहीं होते। कैलेंडर के पन्नों के फड़फड़ाने के साथ ही आंदोलन हाँफने लगता है। धैर्य चुकने से आंदोलन बेपटरी भी हो सकता है, लेकिन जंतर-मंतर का संघर्ष डिगा नहीं, इस दौर में मेन स्ट्रीम मीडिया फिर कर्तव्यच्युत दिखा, किंतु सोशल मीडिया सशक्त अवतार के रूप में सामने आया। गैर-पेशेवर किरदारों ने पल-पल की तस्वीरें जुटायीं और हर कोण से चीजों को पेश किया। इस आंदोलन से मुझे जेपी आंदोलन और अपने भूमिगत दिनों की याद हो आयी। मुझे राष्ट्रकवि दिनकर की सिंहासन खाली करो कि जनता आती है और डॉ. धर्मवीर भारती की मुनादी कविता की याद आई। मुझे ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां याद आईं, लेकिन जंतर-मंतर आंदोलन से मुझे नये सबक मिले। यह पाठ रगों में रक्त का संचार करता है कि जेन-जी या युवा पीढ़ी सचेत है। एक बारगी दृश्यों को याद करें। कोई झंडा या बैनर नहीं, मगर बच्चे हैं कि चले आ रहे हैं। स्वतंत्र-भारत के इतिहास में यह पहला आंदोलन है, जिसमें लड़कियों ने इतनी तादाद में स्वयं स्फूर्त शिरकत की। कोई इंसेंटिव नहीं, कोई फंडिंग नहीं। वे अभिभावकों को बिना बताये छिपकर आईं। निडर और निश्चिंत। गांधी ने और क्या किया था। उन्होंने अमीर-गरीब, मजदूर-किसान सबको योद्धा में बदल दिया था। उनकी जंग सत्य और सत्ता की जंग थी। गांधी जिसे आत्मबल कहते थे, वह इस आंदोलन में सतत देखने को मिला। जाति-धर्म, जेंडर, छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं। कोई छीनाझपटी, छेड़छाड़ का प्रसंग नहीं। देखें तो लगे कि बच्चे दिलजोई या तफरीह करने चले आ रहे हैं। लेकिन नहीं, वे खोट और खुरंटग्रस्त शिक्षा व्यवस्था में बदलाव चाहते थे। आंदोलन की तासीर देखिये। दमन, प्रताड़ना और बेरूखी के बावजूद पुलिसकर्मियों तक को गुलाब के फूल, पानी बाटलें और फूड पैकेट ऑफर किये गये और ऐसे संबोधन व नारे सुने गये, जिससे वे शर्मसार हो जायें। प्रदर्शनकारियों के लिये फूड, पानी बॉटल्स, डस्टबीन और प्री सेफ के दूर-दूर यहां तक कि विदेशों से ऑर्डर किये गये। धरना स्थल पर गाने-बजाने, पैरोडी मिमिक्री और कोरस-गान के दृश्य थे। बापू से जब एक विदेशी संवाददाता ने पूछा था कि बापू आपका अपने दुश्मनों के लिये क्या संदेश है, तो बापू ने कहा था- मेरा तो कोई दुश्मन हीं नहीं है। आंदोलन ने लोगों के मन से डर या हौबा निकाल दिया।

इस आंदोलन ने तस्दीक कर दी कि गांधी इस महोदश की रगों में है। बापू ने कोटि-कोटि जनों में जो लौ बाली थी, वह अभी बुझी नहीं है। सत्ता ने गलतियां कीं। उसने संवाद की अहमियत को बिसरा दिया। 20 जुलाई को पुलिस की बर्बरता ने सत्ता की छवि कलुषित की और आग में घी का काम किया। बच्चों की साहसिक सहनशीलता ने माँ-पिताओं और बड़े-बूढ़ों को जंतर-मंतर पहुंचने को प्रेरित किया। बेटे-बेटियों का आचरण धिक्कार का हेतु बना। इस आंदोलन ने कइयों की कलई खोल दी। इसमें अव्वल रहे सोनम वांगचुक। निजी अस्पताल में सत्तापक्ष के हाथों जूस पीकर उन्होंने जिस प्रकार अनशन तोड़ा, उससे उनकी विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को क्षति पहुंची। रही सही कसर उनके इस आशय के बयान ने पूरी कर दी कि वह लद्दाख के उपराज्यपाल विनय सिन्हा के कहने पर सीजेपी के आंदोलन में शरीक हुये। राहुल और अखिलेश के बारे में वांगचुक-दंपत्ति के बयान भी गैर जरूरी थे। जहां तक सीजेपी का प्रश्न है, सीजेआई की टिप्पणी से यकबयक जनमी सीजेपी और उसके नेताओं को अभी और इम्तहान देने होंगे। जेपी और अन्ना आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में उसके बारे में प्रतिपक्ष और बौद्धिकों के मन में ढेर सारे संशय है। यह अकारण नहीं है कि केजरीवाल को आंदोलनकारियों की ओर से कोई भाव नहीं मिला, जबकि जेएनयू की नेहा बोरा संघर्षचेता नेत्री बनकर उभरीं। राहुल गांधी, जिन्होंने पूरे दौर में साहस और सतर्कतापूर्वक कदम उठाये, से उनका सार्थक संवाद उन्हें भविष्य में जमीन मुहैया कर सकता है। राहुल सुर्खियों में रहे, अलबत्ता उन्होंने औरों को स्पेस दिया और फ्रेम में अकेले रहने से परहेज बरता। वह आगे आंदोलन के हिमायती हैं। मोदी को भारत का अतीत बताते हुये उनकी यह टिप्पणी आगे भी कौंधती रहेगी कि पास्ट कैन नेवर फाइट द फ्यूचर। क्या अतीत भविष्य का मुकाबला कर सकता है?

यह जंतर-मंतर आंदोलन की सफलता है कि उसने सारे देश को उद्वेलित कर दिया है। प्रदर्शन की आंच विदेशों तक में पहुंच गयी है। बौद्धिक प्राय: जेन-जी के साथ हैं। सुप्रीम कोर्ट की बार कौंसिल उनके साथ है। दिल्ली के वेधशाला ने भारतीय राजनीति का तापमान बढ़ा दिया है। दिल्ली पुलिस की किरकिरी हुई है। प्रसंग अवांतर है। पुणे में एसपी कांबले ने पुलिस बल को युवकों पर कतई बल प्रयोग नहीं करने का ऐलान किया तो छात्रों ने दिल्ली पुलिस हाय-हाय, पुणे पुलिस आई लव यू के नारे लगाये। यह फ्यूजन का दौर है। जेन-जी के आंदोलन में भी कई चीजें घुलमिल गयी हैं। जंतर-मंतर के असमाप्त आंदोलन का चरित्र भी इसी सायुज्य की देन है। उसमें सत्य भी है, सविनय अवज्ञा भी है, अन्याय के प्रतिकार का संकल्प है और प्रेम और अहिंसा भी। जेन-जी भारत का भविष्य है। उसके सपने, आशाएं और उसकी चिंताएं सारे भारत के लिए मायने रखती हैं। रिश्तों का यह कथानक मुझे मक्सीम गोर्की की कहानी ‘सीला मातिरी’ (मातृशक्ति) की याद दिलाता है। सत्य और सत्ता की मुसलसल जंग में अभी यह देखा जाना शेष है कि आंदोलन के आगे के चरणों में सत्ता क्या रवैया अख्तियार करती है?

मुकाबलों की संख्या कम होने से घटा उत्साह

हरजीत सिंह

ओलंपिक की तर्ज़ पर आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में हो गई है। कुल 70 से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस आयोजन को ओलंपिक के बाद दूसरा बड़ा खेल-मेला माना जाता है। ब्रिटिश सल्तनत के अंतर्गत आने वाले देशों के बीच खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए 1930 में इनकी शुरुआत हुई थी। तब इन्हें ब्रिटिश एम्पायर गेम्स के नाम से जाना जाता था। भारत ने अपनी पहली उपस्थिति 1934 में दर्ज की थी।

23 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत चार बार- 1930, 1950, 1962 और 1986- को छोड़कर सभी खेलों में भाग लेता रहा है। वर्ष 1934 में अपनी शुरुआत के बाद से भारत ने अब तक 564 पदक जीते हैं, जिनमें 203 स्वर्ण, 190 रजत और 171 कांस्य शामिल हैं। पदक तालिका में शामिल देशों की सूची में भारत चौथे स्थान पर है। पहलवान राशिद अनवर 1934 के ब्रिटिश एम्पायर गेम्स में पुरुषों की 74 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। पिस्टल निशानेबाज जसपाल राणा राष्ट्रमंडल खेलों में सबसे सफल भारतीय एथलीट रहे, जिन्होंने 1994 से 2006 तक के चार खेलों में नौ स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य सहित 15 पदक जीते। भारत ने 2010 में पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन दिल्ली में किया था। इस आयोजन में भारत ने दूसरे स्थान के साथ 101 पदक जीते थे, जो कि भारत का इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उसके बाद के तीन राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है, जहां भारत पांचवें, तीसरे और चौथे स्थान पर रहा। लेकिन 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल में कुछ उदासीनता है। वजह बड़ी गंभीर भी है। इस बार भारतीय दल की संख्या मात्र 126 है, जो कि पिछले दो मुकाबलों- 2018 में 221 और 2022 में 215- से काफी कम है। भारतीय दल की संख्या कम होने की वजह इस बार के खेलों में कम स्पर्धाओं का होना माना जा सकता है। इस बार मुख्य खेलों में सिर्फ़ दस को शामिल किया गया है, जिसमें भारत की भागीदारी मुख्यतः एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में होगी। भारत ने अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में शूटिंग में 63 स्वर्ण के साथ कुल 135 पदक जीते हैं, जो इस बार राष्ट्रमंडल खेलों से नदारद है। 2022 खेलों में भारत ने कुश्ती, बैडमिंटन और टेबल टेनिस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन ये खेल भी इस बार शामिल नहीं हैं। इसके अलावा भारोत्तोलन भी भारत के लिए एक सिरदर्द है, जहां 16 खिलाड़ियों के कोटा होने के बावजूद सिर्फ़ 12 ही जा पा रहे हैं। वजह कई खिलाड़ियों का डोपिंग में लिप्त होना है। इस बार खेलों में कमी की एक बड़ी वजह ग्लासगो को इसकी मेजबानी का देर से मिलना था। 23वें राष्ट्रमंडल खेल पहले ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया को दिए गए थे, पर 2023 में विक्टोरियन राज्य सरकार ने बढ़ती लागत के अनुमानों के कारण अपनी योजनाओं को रद्द कर दिया। 17 सितंबर, 2024 को स्कॉटिश सरकार ने ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए ऑस्ट्रेलिया की वित्तीय सहायता के साथ सहमति बनाई। कम समय की वजह से ग्लासगो 2026 खेलों में लागत को नियंत्रित करने के लिए केवल 10 खेलों के साथ एक कॉम्पैक्ट प्रारूप तैयार हुआ, जिसमें एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग और पैरा ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, लॉन बाउल्स और पैरा लॉन बाउल्स, बास्केटबॉल और व्हीलचेयर बास्केटबॉल शामिल हैं। इसमें कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन और निशानेबाजी जैसे भारत के कुछ पारंपरिक वर्चस्व वाले खेल शामिल नहीं हैं। इसके बावजूद, भारत हाल की सफलताओं के आधार पर एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन जैसे क्षेत्रों में मजबूती से प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है।

भारत की नज़र इस बार एथलेटिक्स पर रहेगी। 28 वर्षीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 32 खिलाड़ियों (जिसमें 10 महिलाएं हैं) की टीम का नेतृत्व करेंगे। वर्ष 2018 के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने 2022 खेलों में कमर की चोट की वजह से भाग नहीं लिया था। उनके अलावा ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु, 5000 मीटर की धाविका पारुल चौधरी, लॉन्ग डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह, शॉटपुटर मनप्रीत कौर और तेजिंदरपाल सिंह तूर तथा लॉन्ग जम्पर लोकेश सत्यनाथन से उम्मीद की जा सकती है। दो बार राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मीराबाई चानू भारोत्तोलन टीम का मार्गदर्शन करेंगी। उनका साथ देने के लिए 58 किलोग्राम श्रेणी में बिंदियारानी देवी और 69 किलोग्राम में हरजिंदर कौर हैं। पुरुष वर्ग में ऋषि सिंह, एम. राजा, अजय बाबू, दिलबाग सिंह और लवप्रीत सिंह अपना दमखम दिखाएंगे। भारतीय बॉक्सिंग का भार भी ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन पर रहेगा। कुल मिलाकर 12 मुक्केबाज ग्लासगो जा रहे हैं। भारत ने ग्लासगो 2026 के लिए छह सदस्यीय लॉन बाउल्स टीम का भी चयन किया है। रूपा रानी तिर्की और नयनमोनी सैकिया लॉन बाउल्स में भारत के लिए पहला राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। ग्लासगो में बेशक सभी भारतीय खिलाड़ी अपने खेल-कौशल का प्रदर्शन न कर पाएं, पर 2030 में अहमदाबाद को शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान के रूप में अनुमोदित करने के बाद भारत को हॉकी और कुश्ती जैसे नज़रअंदाज किए गए खेलों को फिर से शुरू करने का मौका रहेगा।

कंफ्यूजन में हर कोई किसी के भरोसे है बैठा

मनीष कुमार चौधरी

ऐसा लग रहा है, इन दिनों देश-दुनिया बड़े कंफ्यूजन में है। हर आदमी कंफ्यूज्ड है। सब किसी न किसी के भरोसे जिंदगी काट रहे हैं। बेचारे ईरान से आए पेट्रोल को हिंदी नहीं आती और विशुद्ध भारतीय इथेनॉल को फारसी नहीं आती, तो दोनों एक-दूसरे से घुल-मिल नहीं पा रहे। कभी इथेनॉल रोता है तो इंजन से पानी निकलने लगता है। कभी पेट्रोल खून के आंसू रोता है तो लाली छा जाती है। अभी पेट्रोल इस कंफ्यूजन से बाहर निकला भी नहीं था कि गडकरी जी ने डीजल की मंगनी आइसोब्यूटेनॉल के साथ अनाउंस कर दी। डीजल ने पेट्रोल को फोन लगाकर व्यथित होते हुए कहा कि भाई, इससे अच्छा तो हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ही फंसे थे। कम से कम हमारी पूछ तो थी। मीडिया की सिंपैथी मिल रही थी सो अलग...। अरे भले मानुष... तुम पेट्रोल-इथेनॉल में 80-20 की बात कर रहे हो। देश में बीजेपी वाले 80-20 वाले फॉर्मूला से सरकार चला रहे हैं। वे देश चला रहे हैं, तुम कार नहीं चला पा रहे हो। लानत है! इधर गडकरी जी ने देश को जानकारी दी कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने का काम तो हम बरसों से कर रहे हैं। सही बात है, तुम्हें पता चला? लगता है तुम तो सोशल मीडिया के भरोसे ही बैठे हो। वैसे भी सब कुछ किसी न किसी के भरोसे चल रहा है। मुर्गी अंडा भरोसे, अंडा मुर्गी भरोसे, सेहत रामदेव भरोसे, सड़क गडकरी भरोसे, फिल्में ओटीटी भरोसे, प्रेमी प्रेमिका भरोसे, पति पत्नी भरोसे, पेट्रोल इथेनॉल भरोसे, इथेनॉल चावल भरोसे, ई-रिक्शा चीनी ऐप भरोसे, एग्जाम्स री-एग्जाम्स भरोसे, मॉनसून अल नीनो भरोसे, कॉकरोच वांग्चुक भरोसे, मतदाता रेवड़ी भरोसे, सत्ता पक्ष विपक्ष भरोसे, विपक्ष अवसर भरोसे, नेता कुर्सी-भ्रष्टाचार भरोसे, हिंदी अंग्रेजी भरोसे, परीक्षा के पर्चे लीक भरोसे, भक्त चंदाचोर भरोसे, केजरीवाल भगवंत भरोसे, कांग्रेस गांधी फैमिली भरोसे, मेलोडी मेलोनी भरोसे, चुनाव ईवीएम भरोसे, ईडी-सीबीआई सत्ता भरोसे, दुनिया ट्रंप भरोसे, देश राम भरोसे और राम किसके भरोसे?

न्याय नहीं, प्रतिशोध का माध्यम बनते कार्यस्थल

डॉ. ऋतु सारस्वत

(लेखिका समाजशास्त्री हैं)

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वैवाहिक विवादों के एक चिंताजनक पक्ष पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत-पत्र भेजने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी शिकायतों के परिणामस्वरूप कई बार संबंधित व्यक्ति की नौकरी चली जाती है या उसका सेवा-जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। न्यायालय के अनुसार, तलाक का मुकदमा लड़ना एक अलग बात है, किंतु किसी व्यक्ति की आजीविका और पेशेवर प्रतिष्ठा को संकट में डाल देना कहीं अधिक गंभीर है। यदि किसी व्यक्ति की नौकरी ही समाप्त हो जाए, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव भरण-पोषण (मेंटेनेंस) जैसे वैधानिक दायित्वों पर भी पड़ सकता है।

पिछले पांच दशकों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अप्रमाणित अथवा मानहानिकारक शिकायतें करना केवल व्यक्तिगत प्रतिशोध का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सेवा-जीवन और आजीविका पर भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालयों ने समय-समय पर ऐसे आचरण को मानसिक क्रूरता के दृष्टिकोण से परखा है तथा परिस्थितियों के अनुसार इसे वैवाहिक संबंध-विच्छेद का आधार भी माना है। इस संबंध में सबसे प्रारंभिक और उल्लेखनीय निर्णयों में से एक ‘शकुंतला कुमारी बनाम ओम प्रकाश घई’ (दिल्ली उच्च न्यायालय, 1980) का है। इस मामले में अलग रह रही पत्नी ने लोकसभा सचिवालय, जहां उसका पति कार्यरत था, को पत्र लिखकर उस पर दुर्व्यवहार तथा अन्य गंभीर आरोप लगाए। न्यायालय ने पाया कि यदि पत्नी का उद्देश्य केवल भरण-पोषण प्राप्त करना था, तो उसके लिए यह कहना पर्याप्त था कि उसे भरण-पोषण नहीं मिल रहा है। इसके लिए पति तथा उसके परिवार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाने की आवश्यकता नहीं थी। न्यायालय ने इस प्रकार की शिकायतों के प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, ‘नियोक्ता के समक्ष इस प्रकार की असत्य शिकायत करना निस्संदेह मानसिक क्रूरता है। इससे कर्मचारी की अपने नियोक्ता की दृष्टि में प्रतिष्ठा धूमिल होती है तथा उसके सेवा-जीवन और पदोन्नति की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक रूप से इसका उसके मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और उसकी मानसिक शांति भंग होती है।’ प्रश्न केवल इतना नहीं है कि न्यायालयों ने इस प्रकार के आचरण को मानसिक क्रूरता क्यों माना। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि व्यक्तिगत संबंधों में उत्पन्न विवाद किस प्रकार उस सीमा तक पहुंच जाते हैं, जहां व्यक्ति न्याय की अपेक्षा दूसरे को अधिकतम क्षति पहुंचाने का माध्यम खोजने लगता है। जब संघर्ष का उद्देश्य समाधान के स्थान पर दूसरे व्यक्ति की प्रतिष्ठा, आजीविका अथवा पेशेवर जीवन को प्रभावित करना बन जाए, तब यह केवल वैवाहिक विवाद नहीं रह जाता, बल्कि मानवीय संबंधों के नैतिक पतन का भी संकेत देता है। इसी संदर्भ में रॉबर्ट होगन का ‘सामाजिक-विश्लेषणात्मक सिद्धांत’ महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। उनके अनुसार व्यक्ति केवल अपनी एक पहचान नहीं बनाता, बल्कि समाज भी उसके व्यवहार और कार्य के आधार पर उसके प्रति एक धारणा विकसित करता है। यही धारणा समय के साथ उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनती है। इसलिए जब व्यक्तिगत संबंधों का संघर्ष किसी व्यक्ति की पेशेवर प्रतिष्ठा को लक्ष्य बनाता है, तो उसका प्रभाव केवल वर्तमान विवाद तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वर्षों में अर्जित विश्वास और सामाजिक स्वीकार्यता पर भी पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में सबसे बड़ी विडंबना यह होती है कि आरोपों की सत्यता का परीक्षण बहुत बाद में होता है, जबकि उनके आधार पर बनने वाली सामाजिक धारणा तत्काल अपना प्रभाव छोड़ने लगती है। कार्यस्थल पर पहुंचा व्यक्तिगत विवाद व्यक्ति को ऐसी स्थिति में खड़ा कर देता है, जहां उसे उन घटनाओं के लिए भी संकोच, असहजता और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है जिनका उसके पेशेवर दायित्वों से कोई संबंध नहीं होता। वह स्वयं को असहाय अनुभव करता है, क्योंकि एक ओर न्यायिक प्रक्रिया अपनी गति से चल रही होती है, वहीं दूसरी ओर उसके सहकर्मी, वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक परिवेश उसके बारे में अपनी-अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं। यही कारण है कि ऐसी शिकायतों का प्रभाव केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी पड़ता है। यहीं व्यक्तिगत संबंधों की मर्यादा का सबसे कठिन परीक्षण भी होता है। संबंधों में मतभेद होना अस्वाभाविक नहीं है और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाना भी प्रत्येक व्यक्ति का वैधानिक अधिकार है। किंतु जब संघर्ष का उद्देश्य न्याय प्राप्त करने के स्थान पर दूसरे व्यक्ति को अधिकतम सामाजिक, आर्थिक या पेशेवर क्षति पहुंचाना बन जाए, तब वह अधिकारों के प्रयोग से आगे बढ़कर प्रतिशोध की मानसिकता का रूप लेने लगता है। किसी भी सभ्य समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि संबंध समाप्त हो सकते हैं, परंतु मानवीय मर्यादा समाप्त नहीं होनी चाहिए।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की योजना क्यों टाली?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में बड़ा बदलाव करते हुए अमेरिकी सेना को नए हवाई हमले नहीं करने का निर्देश दिया। इससे पहले लगातार 13 दिनों तक अमेरिका की ओर से रोज सैन्य कार्रवाई की जा रही थी। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय आया, जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बातचीत के लिए ओमान का एक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा। ट्रंप ने साफ किया कि अमेरिका के पास सैन्य कार्रवाई की पूरी क्षमता है, लेकिन उनकी पहली कोशिश बातचीत के जरिए समाधान निकालने की है। ट्रंप के इस फैसले ने पश्चिम एशिया की स्थिति को नया मोड़ दे दिया। बताया गया कि ओमान और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति हुई है और सप्ताहांत तक किसी समझौते पर सहमति बन सकती है। अगर ऐसा होता है तो अंतिम फैसला ट्रंप को लेना होगा कि वह प्रस्तावित समझौते को स्वीकार करते हैं या नहीं। हालांकि अमेरिकी सेना ने संभावित बड़े सैन्य अभियान की तैयारियां पूरी तरह बंद नहीं की हैं। सेना को कम समय में दोबारा कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा गया है। पिछले दो सप्ताह से हर दोपहर अमेरिकी सैन्य अधिकारी ट्रंप के सामने हमलों की योजना पेश कर रहे थे और कुछ ही घंटों में उन पर कार्रवाई हो जाती थी। कल भी ऐसी ही योजना उनके सामने रखी गई, लेकिन इस बार ट्रंप ने मंजूरी देने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहे तो ईरान की हर सैन्य क्षमता को खत्म कर सकता है, लेकिन उनके अनुसार सबसे समझदारी भरी रणनीति समझौता करना है। ट्रंप ने कहा, हम अभी ईरानियों से बातचीत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वे हर गुजरते दिन के साथ ज्यादा गंभीर हो रहे हैं। हम पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन बातचीत भी जारी है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े स्तर पर सैन्य अभियान की योजना भी फिलहाल रोक दी है। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिकी रक्षा अधिकारियों की चेतावनी बताई गई। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तैनात पैट्रियट एयर डिफेंस इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार तेजी से कम हो रहा है। आशंका जताई गई कि अगर बड़े स्तर पर युद्ध शुरू हुआ तो अमेरिकी सैनिकों, खाड़ी देशों के सहयोगियों और महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। सैन्य अधिकारियों ने यह भी बताया कि जॉर्डन में एक बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए गिरी थी, जिसमें तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। इसके बाद सुरक्षा संसाधनों को लेकर चिंता और बढ़ गई।

क्यों बदले ट्रंप के सुर?

शुक्रवार शाम व्हाइट हाउस करिस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के रात्रिभोज में ट्रंप ने कुछ नरम रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें नहीं लगता कि ईरान समझौते के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन अगर बातचीत की संभावना बनती है तो वह उसे सुनने के लिए तैयार हैं। इस बीच ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपुर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ईरान में रात शांतिपूर्ण रही। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी पिछले 13 दिनों की तरह किसी नए सैन्य अभियान की घोषणा नहीं की।

इस्राइल की तैयारी पर क्या असर पड़ा?

ट्रंप के अचानक फैसले से इस्राइल भी हैरान रह गया। इस्राइल की सुरक्षा कैबिनेट और इस्राइली रक्षा बल को उम्मीद थी कि कल से अमेरिका एक और बड़े हवाई हमले की शुरुआत करेगा। इसी संभावना को देखते हुए इस्राइल ने संभावित जवाबी हमलों से निपटने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी थीं और पूरे दिन हाई अलर्ट बनाए रखा। बाद में कल रात इस्राइली अधिकारियों को औपचारिक रूप से बताया गया कि ट्रंप ने नए हमलों को मंजूरी नहीं दी है। इसके बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बना हुआ है।

क्या होगी अमेरिका की अगली रणनीति?

बताया गया कि ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन कैन ने ट्रंप को सलाह दी कि बड़े सैन्य अभियान चलाना संभव तो है, लेकिन इससे अमेरिकी सेंट्रल कमांड के लिए उपलब्ध इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार खतरनाक स्तर तक घट सकता है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन च्यूंग ने कहा कि ट्रंप हमेशा से कूटनीतिक समाधान के पक्षधर रहे हैं, लेकिन अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य या सहयोगी देशों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां जारी रखता है तो सभी विकल्प खुले हैं।

लता गुप्ता दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली (वार्ता)।

दिल्ली सरकार ने लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनसिका शर्मा झा और रेनू भल्ला को आयोग के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष और इसके सभी नवनियुक्त सदस्यों को बधाई और अपनी शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नयी टीम महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा, अधिकारों और सशक्तिकरण को एक नयी दिशा देने के लिए सरकार के साथ समन्वय स्थापित करेगी और एक संवेदनशील, न्यायसंगत तथा सुरक्षित राष्ट्रीय राजधानी के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नियुक्तियों से आयोग के कामकाज में नयी गति आएगी, जिससे महिलाओं के लिए न्याय, सुरक्षा और सहायता प्राप्त करना और अधिक प्रभावी हो जाएगा। इस बीच, दिल्ली सरकार ने निर्मल जैन को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि कुलदीप सिंह और मोहम्मद हारून को इसके सदस्य के रूप में नियुक्त किया है।

प्रधान के इस्तीफे पर भाजपा सांसद की बेटी ने मनाया जश्न

पार्टी के नेताओं में मचा बवाल, इंस्टा अकाउंट बंद

भुवनेश्वर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भुवनेश्वर से भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता सचिन राहर की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने ओडिशा भाजपा में नाराजगी पैदा कर दी है। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच इस पोस्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई है। राहर ने इंस्टाग्राम पर राष्ट्रीय ध्वज की पृष्ठभूमि में धर्मेंद्र प्रधान की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के भारी विरोध प्रदर्शन के बीच धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। हालांकि, अब अर्चिता राहर का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद हो गया है। वहीं, ओडिशा भाजपा के नेताओं, जिनमें उनकी मां अपराजिता सारंगी भी शामिल हैं, ने धर्मेंद्र प्रधान के प्रति सहानुभूति जताई। सांसद के कार्यालय सहायक धनेश्वर बारिक ने कहा, हर व्यक्ति को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है। उनकी बेटी जेन-जी पीढ़ी से है और उसने कहा है कि वह अपने बयान पर कायम है। उसे अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है। जब उनसे पूछा गया कि क्या राहर की सोशल मीडिया पोस्ट से भुवनेश्वर सांसद मुश्किल में पड़ सकती हैं, तो बारिक ने कहा, यह तो समय ही बताएगा। हालांकि, इस मामले पर प्रतिक्रिया के लिए दो बार की सांसद अपराजिता सारंगी उपलब्ध नहीं हो सकीं। सूत्रों ने बताया कि धर्मेंद्र प्रधान के कार्यालय ने फोन आने के बाद सांसद ने अपनी बेटी से पोस्ट हटाने के लिए कहा था।

अब नेपाल में भी लीक हुआ पेपर

काठमांडू (वार्ता)। भारत में पेपर लीक मामले के बाद जेन जी आंदोलन खड़ा हो गया तो वहीं नेपाल में जेन जी आंदोलन के बाद पेपर लीक की रिपोर्ट आयी है। इस पर नेपाल पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रविवार सुबह कई संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। वहीं, पेपर लीक की निष्पक्ष जांच के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रण विभाग ने अच्युत ज्ञवाली की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है, जिसमें पुष्कर रैखाला और महेश राज ओझा शामिल हैं। इस समिति को सात कार्य दिवसों के भीतर अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

दक्षिणी राज्यों में बढ़ा कोरोना का खतरा

अस्पतालों ने तैयार किए इमरजेंसी बेड, फिर आ रही महामारी?

नई दिल्ली।

साल 2020-23 के कोरोना के दौर की डरावनी यादें शायद ही कोई भूल पाया होगा। कोरोना की आई तीन लहरों के दौरान अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें, ऑक्सीजन की कमी, मास्क और सेनिटाइजर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। हालांकि इसके बाद हालात काफी सामान्य हो गए और हम सभी मानने लगे थे कि अब खतरा टल गया है। हालांकि कोरोना वायरस एक बार फिर से दस्तक देता दिख रहा है। पिछले करीब एक महीने से देश के कई राज्यों जैसे महाराष्ट्र, केरल, आंध्र-प्रदेश और तेलंगाना से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें सामने आती रही हैं। हाल के रिपोर्ट्स में देश के दक्षिणी राज्यों विशेषकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कोविड-19 के मामलों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी भले ही महामारी के दौर जैसी नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे नजरअंदाज करने की गलती न करने की सलाह दे रहे हैं। राज्य सरकारों ने निगरानी बढ़ा दी है, अस्पतालों को सतर्क रहने को कहा गया है और संदिग्ध मामलों की टेस्टिंग की जा रही है। आंध्र प्रदेश में पिछले कुछ हफ्तों से लगातार संक्रमण के मामलों में वृद्धि की खबरें सामने आती रही हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार शनिवार को राज्य में कोविड-19 के 10 नए मामले सामने आए। इसके साथ कुल मामलों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। राज्य में अब तक कोरोना से चार लोगों की मौत भी हो चुकी है। फिलहाल, 24 मरीज अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, जबकि 16 मरीज मेडिकल देख-रेख में घर पर ठीक हो रहे हैं। अब तक, पांच लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी गोदावरी जिले में सबसे ज्यादा 11 मामले दर्ज किए गए हैं। गुंटूर में नौ मामले दर्ज किए गए, इसके बाद कडप्पा में आठ, विशाखापत्तनम में पांच, एनटीआर में तीन और काकीनाडा, एलुरु और बापटला में दो-दो मामले सामने आए।

तेलंगाना में भी कोरोना के मामलों को लेकर अलर्ट किया जा रहा है। तेलंगाना के पब्लिक हेल्थ और परिवार कल्याण निदेशक डॉ. बी. रविंदर नायक ने बताया था कि कोविड-19 के मामलों में अभी जो बढ़ोतरी दिख रही है, वह हल्की है और पिछले साल इसी समय देखे गए ट्रेंड जैसी ही है। इसको लेकर घबराने की जरूरत नहीं है।

पीओके में भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच आज से शुरू होंगे चुनाव

इस्लामाबाद (वार्ता)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 27 जुलाई से तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले चरण की तैयारियां जारी हैं। इस बीच राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस चुनावी प्रक्रिया से महीनों से जारी अशांति के थमने या उन जन-समस्याओं के समाधान की उम्मीद बेहद कम है, जिनकी वजह से हजारों लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। यह चुनाव इस क्षेत्र में हाल के वर्षों के सबसे बड़े आंदोलन के बीच आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी प्रशासन पर आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक दमन और शासन में स्थानीय लोगों को उचित भागीदारी न देने का आरोप लगा रहे हैं। चरणबद्ध तरीके से होने वाले यह चुनाव कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराये जाने की संभावना है। पहले चरण का मतदान 27 जुलाई को होगा, इसके बाद दूसरे चरण का मतदान दो अगस्त को और अंतिम चरण का मतदान 10 अगस्त को आयोजित किया जायेगा। अधिकारियों ने सुरक्षा चिंताओं और पूरे क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की आवश्यकता का हवाला देते हुए चुनावों को चरणों में कराने की वजह बतायी है। वर्तमान अशांति की शुरुआत रियायती गेहूं के आटे और बिजली की सस्ती दरों की मांगों को लेकर हुई थी। स्थानीय निवासियों का तर्क है कि पीओके में पैदा होने वाली पनबिजली का लाभ सीधे यहां के लोगों को मिलना चाहिए। जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेतृत्व में शुरू हुआ यह आंदोलन बाद में इस्लामाबाद की नीतियों के खिलाफ व्यापक अभियान में बदल गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व, शासन प्रणाली और आर्थिक अधिकारों के मुद्दे उठाये हैं। जेएएसी को पिछले महीने पांच जून को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया गया था। हाल के वर्षों में जेएएसी ने बिजली की ऊंची दरों, गेहूं की कीमतों और सरकारी विशेषाधिकारों के खिलाफ विरोध अभियानों की अगुवाई की थी, जिसके बाद उसने अपनी मांगों का दायरा बढ़ाकर राजनीतिक और प्रशासनिक सुधारों तक कर दिया। इस समूह ने क्षेत्रीय विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की भी मांग की है। 53 सदस्यीय पीओके विधानसभा में 45 निर्वाचित सीटें और आठ मनोनीत सदस्य होते हैं। निर्वाचित सीटों में से 33 सीटें सीधे पीओके में हैं, जबकि 12 सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो 1947 के बाद पाकिस्तान में बस गये थे। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021 के चुनावों में 26 सीटें जीतने वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने जारी विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में इन चुनावों के बहिष्कार का एलान कर दिया है।

वियतनाम के क्वांग न्गाई में नाव डूबी, 3 मछुआरे लापता

क्वांग न्गाई (वार्ता)। वियतनाम के क्वांग न्गाई में ट्रुओंग सा द्वीप समूह की ओर जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव समुद्र में डूब जाने से तीन मछुआरे लापता हो गये, हालांकि 33 मछुआरों को सुरक्षित बचा लिया गया है। तटरक्षक कमान ने शनिवार को बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब बिन्ह सोन क्षेत्र की नाव सुबह करीब आठ बजे अचानक भीषण समुद्री तूफान की चपेट में आ गई। तूफान के कारण नाव का सिग्नल बंद हो गया और वह समुद्र में डूब गई। रात करीब नौ बजे पास में ही मौजूद दूसरी नाव ने तत्परता दिखाते हुए 33 मछुआरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे के बाद से लापता तीन मछुआरों- नगुयेन थान (46 वर्ष), ले वान कोंग (56 वर्ष) और ड्रुओंग वान हुओंग (56 वर्ष)-की तलाश में व्यापक खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

पाकिस्तान के पंजाब में भारी बारिश से मची तबाही

इस्लामाबाद (वार्ता)।

24 घंटे में सात लोगों की मौत

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। भारी बारिश के कारण छत गिरने, डूबने और बिजली का करंट लगने जैसी घटनाएं हुई। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भारी बारिश से कई जिलों में घरों को नुकसान पहुंचा और मवेशियों की मौत हो गई। मौत का कारण ढ़ांचा और इमारतों का गिरना रहा जबकि घायल होने की घटनाएं मुख्य रूप से छत गिरने एवं बिजली का करंट लगने के कारण हुई। लाहौर में गढ़ी शाहू रेलवे कॉलोनी, बॉबी प्लाज़ा, सग्गियां पिंड और काहना में छत गिरने की चार अलग-अलग घटनाओं में एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। कसूर जिले में, ढ़ोढ़ा हिंग शाह के पास एक घर की छत गिरने से एक व्यक्ति और एक बच्चे की मौत हो गई और एक महिला एवं दो बच्चों समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए। फैसलाबाद में भारी बारिश के कारण एक घर की छत गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबकि गुजरांवाला में पठान कॉलोनी के पास खेतों में जमा बारिश के पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। बहावलनगर में एक घर की छत गिरने से तीन लोग घायल हो गए जबकि बारिश के दौरान बिजली के खंभे से करंट लगने से एक और व्यक्ति घायल हो गया। नरोवाल के सैर बाजवा गांव में छत गिरने की घटना में दो महिलाएं घायल हो गईं जबकि सियालकोट के दरमा वाला इलाके में एक घर की छत गिरने से एक और महिला घायल हो गईं। ननकाना साहिब और शेखूपुरा में डेरा महबूब आलम और पीर शाह खाकी दीवान दरबार के पास छत गिरने की अलग-अलग घटनाओं में तीन महिलाएं भी घायल हो गईं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कारगिल विजय दिवस: बड़े पर्दे पर दिखा सैनिकों का शौर्य और बलिदान

कारगिल विजय दिवस देश के वीर सैनिकों के साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करने का अवसर है। भारतीय सेना के जांबाजों की इन प्रेरक गाथाओं को बड़े पर्दे पर उतारने में बॉलीवुड ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शेरशाह, गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल, लक्ष्य, एलओसी: कारगिल और टैंगो चार्ली जैसी फिल्मों ने कारगिल के नायकों की बहादुरी, संघर्ष और देशभक्ति को प्रभावशाली ढंग से दर्शकों तक पहुंचाया है।

विष्णुवर्धन निर्देशित फिल्म शेरशाह परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित है। सिद्धार्थ मल्होत्रा अभिनीत इस फिल्म में कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन बत्रा की वीरता, नेतृत्व क्षमता और सर्वोच्च बलिदान को भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। जाह्नवी कपूर अभिनीत गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल भारतीय वायुसेना की फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना के जीवन से प्रेरित है। फिल्म में कारगिल युद्ध के दौरान उनके साहसिक अभियानों और चुनौतियों को दिखाया गया है, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण की एक नई मिसाल पेश की। फरहान अख्तर की फिल्म लक्ष्य कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रेरणादायक कहानी है। ऋतिक रोशन द्वारा निभाया गया करण शेरगिल का किरदार एक लापरवाह युवक से जिम्मेदार सैनिक बनने की यात्रा को दर्शाता है। फिल्म में युद्ध के कठिन हालात और देशसेवा की भावना को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया है। जेपी दत्ता निर्देशित एलओसी: कारगिल कारगिल युद्ध पर बनी सबसे चर्चित फिल्मों में शुमार है। संजय दत्त, अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, सुनील शेट्टी, सैफ अली खान, अक्षय खन्ना और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म युद्ध में शामिल सैनिकों और अधिकारियों की वीरता तथा बलिदान की कहानी को बड़े पैमाने पर दर्शाती है। मणि शंकर निर्देशित टैंगो चार्ली में बॉबी देओल ने बीएसएफ जवान की भूमिका निभाई है। फिल्म में कारगिल सहित विभिन्न संघर्ष क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बलों के जवानों के जीवन, चुनौतियों और कर्तव्य के प्रति उनके समर्पण को संवेदनशीलता के साथ चित्रित किया गया है। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर ये फिल्में न केवल देश के वीर जवानों की अमर गाथाओं को याद करने का अवसर देती हैं, बल्कि नई पीढ़ी में देशभक्ति, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना को भी मजबूत करती हैं।

खलनायकी की दुनिया के बेताज बादशाह थे अमजद खान

बॉलीवुड में अमजद खान का नाम ऐसे अभिनेता के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अपनी दमदार अदाकारी और प्रभावशाली संवाद-अभिनय के दम पर खलनायकी को एक नया आयाम दिया। 12 नवंबर 1940 को जन्मे अमजद खान को अभिनय की कला विरासत में मिली थी। उनके पिता जयंत हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध खलनायक थे। अमजद खान ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म अब दिल्ली दूर नहीं से बाल कलाकार के रूप में की।

वर्ष 1965 में वह अपनी होम प्रोडक्शन फिल्म पत्थर के सनम से बतौर अभिनेता शुरुआत करने वाले थे, लेकिन किसी कारणवश फिल्म का निर्माण नहीं हो सका। इसके बाद मुंबई से कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने फिल्म जगत में अपना करियर बनाने का फैसला किया। वर्ष 1973 में फिल्म हिंदुस्तान की कसम से उन्होंने बतौर अभिनेता अपनी शुरुआत की, लेकिन उन्हें विशेष पहचान नहीं मिली। इसी दौरान थिएटर में उनके अभिनय से प्रभावित होकर पटकथा लेखक सलीम खान ने उन्हें शोले में गब्बर सिंह की भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया। शुरुआत में अमजद खान इस चुनौतीपूर्ण भूमिका को लेकर आशंकित थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया और चंबल के डाकुओं पर आधारित पुस्तक अभिशप्त चंबल का गहन अध्ययन किया।

दिलचस्प बात यह है कि गब्बर सिंह की भूमिका के लिए पहले अभिनेता डैनी डेन्जोंगपा का चयन किया गया था, लेकिन धर्मात्मा की शूटिंग में व्यस्त होने के कारण उन्होंने यह भूमिका नहीं निभाई। इसके बाद सलीम खान की सिफारिश पर निर्देशक रमेश सिप्पी ने अमजद खान को यह अवसर दिया। वर्ष 1975 में शोले के प्रदर्शित होते ही गब्बर सिंह का किरदार दर्शकों के दिलो-दिमाग पर छा गया। उनकी आवाज, संवाद अदायगी और चाल-ढाल इतनी लोकप्रिय हुई कि लोग उनकी नकल करने लगे। कहा जाता है कि शोले की शूटिंग के दौरान अमजद खान को मुंबई से बेंगलुरु पहुंचना था। जिस विमान से वह यात्रा कर रहे थे उसमें तकनीकी खराबी आ गई और अधिकांश यात्रियों ने आगे यात्रा करने से इनकार कर दिया, लेकिन शूटिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण अमजद खान उसी विमान से यात्रा कर निर्धारित समय पर सेट पर पहुंचे। शोले की अभूतपूर्व सफलता ने अमजद खान को खलनायकी की दुनिया का बेताज बादशाह बना दिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक के बाद एक यादगार भूमिकाएं निभाईं। वर्ष 1977 में सत्यजीत रे की चर्चित फिल्म शतरंज के खिलाड़ी में काम कर उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का एक और आयाम प्रस्तुत किया। अपने अभिनय में विविधता लाने के लिए अमजद खान ने चरित्र और हास्य भूमिकाएं भी निभाईं। वर्ष 1980 में प्रदर्शित फिरोज खान की सुपरहिट फिल्म कुर्बानी में उनके हास्य अभिनय को भी दर्शकों ने खूब सराहा। वर्ष 1981 में प्रकाश मेहरा की फिल्म लावारिस में उन्होंने अमिताभ बच्चन के पिता की भूमिका निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। इसी वर्ष फिल्म याराना में अमिताभ बच्चन के दोस्त की भूमिका में भी वह बेहद पसंद किए गए।

फिल्म का गीत बिशन चाचा कुछ गाओ बच्चों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। याराना के लिए उन्हें अपने करियर का दूसरा फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता पुरस्कार मिला। इससे पहले वर्ष 1979 में फिल्म दादा के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वहीं वर्ष 1985 में फिल्म मां कसम के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। अमजद खान ने वर्ष 1983 में फिल्म चोर पुलिस के जरिए निर्देशन के क्षेत्र में भी कदम रखा, लेकिन फिल्म सफल नहीं हो सकी। वर्ष 1985 में उन्होंने अमीर आदमी गरीब आदमी का निर्देशन किया, किंतु यहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

वर्ष 1986 में एक गंभीर सड़क दुर्घटना के बाद उनका स्वास्थ्य लगातार प्रभावित रहा। इलाज के दौरान दवाओं के अधिक सेवन से उनका वजन बढ़ता गया और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती रहीं। नब्बे के दशक में खराब स्वास्थ्य के कारण उन्होंने फिल्मों में काम करना काफी कम कर दिया। अपने करियर के अंतिम दौर में वह अमिताभ बच्चन को लेकर लंबाई चौड़ाई नामक फिल्म बनाना चाहते थे, लेकिन यह सपना अधूरा रह गया।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 27 जुलाई 2026

कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकाररियों द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिद के कारण बच्चों को अपनी जान गंवाना पड़ी और और दिल्ली में हुए लाठी चार्ज के कारण सैकड़ो बच्चे घायल हुए।

यदि प्रधानमंत्री शिक्षा मंत्री को कैबिनेट से अलग कर देते और पेपर लीक के मुद्दे को गंभीरता से लेते तो इस आंदोलन बचा जा सकता था । देश की बिगड़ी स्थिति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिम्मेदार है। सभी ने कहा पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई , किसानों और महिलाओं आदि समस्याओं मुद्दों को लेकर कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। कांग्रेस नेताओंने कहा कि देश की स्थिति बिगड़ रही है युवा हताश है। किंतु वह अब सरकार की लापरवाही अनियमिताओं, भष्टाचार और शिक्षा विरोधी नीतियों को बर्दाशत नहीं करेगा। शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू ने बताया कि इस मौके पर बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं सभी प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

मन की बात में नरसिंहपुर के अमृत सरोवरों का उल्लेख

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136 वें एपिसोड में जल संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में हो रहे उल्लेखनीय कार्यों का जिक्र करते हुए नरसिंहपुर जिले में अमृत सरोवरों के संवर्धन एवं पुनर्जीवन की सराहना की। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय मंच से जिले के कार्यों का उल्लेख किया जाना नरसिंहपुर जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। जिले में अमृत सरोवरों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण एवं जल संरक्षण के कार्य कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के नेतृत्व में प्रभावी रूप से संचालित किए गए।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में संचालित मेडिकल स्टोर्स पर सख्त कार्रवाई

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

जिले में मेडिकल स्टोर्स का संचालन नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में औषधि निरीक्षक श्री देवेन्द्र कुमार जैन द्वारा गाडरवाडा क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स प्रान्जू मेडिकल स्टोर व गायत्री वार्ड गाडरवाडा में पाया गया कि रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट सुश्री निधि पटेल की अनुपस्थिति में प्रोपा पार्थ विश्वास द्वारा औषधियों का क्रय-विक्रय किया जा रहा था, जो कि नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ ही निरीक्षण के दौरान दुकान में निरीक्षण पुस्तिका उपलब्ध नहीं पाई गई तथा औषधियों का रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया। कैश मेमो भी नियमानुसार संधारित नहीं पाया गया। औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कुल 4 नमूने लिए गए, जिन्हें परीक्षण हेतु औषधि प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। उक्त अनियमितताओं के चलते मेडिकल स्टोर का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया। इसी क्रम में मेसर्स शिफा फार्मेसी पलोटनगंज गाडरवाडा का भी निरीक्षण किया गया, जहां रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट श्री अर्जुन कौरव की अनुपस्थिति में दुकान संचालित पाई गई। निरीक्षण में औषधियों का संग्रहण संतोषजनक नहीं पाया गया तथा नारकोटिक्स सहित अन्य औषधियों का क्रय-विक्रय रिकॉर्ड नियमों के अनुरूप संधारित नहीं था। यहां भी निरीक्षण पुस्तिका अनुपस्थित पाई गई। जनस्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए उक्त मेडिकल स्टोर का संचालन भी बंद कराया गया।दोनों मेडिकल स्टोर्स को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा आगामी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

औषधि निरीक्षक द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे मेडिकल स्टोर से औषधियां क्रय करते समय कैश मेमो/बिल अवश्य प्राप्त करें, जिससे गुणवत्ता एवं वैधानिकता सुनिश्चित हो सके।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए 27 जुलाई को लगने वाले शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 27 जुलाई को नगर पालिका नरसिंहपुर के महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड व रानी अवंती बाई वार्ड में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 27 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत नयाखेड़ा, पाला, पांजरा, पोसी व पस्ताना, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत सूखाखैरी, टेकापार, तेंदूखेड़ा, थलवाड़ा, टिकटौली व उकासघाट, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत पिपरिया-मुशरान, पिपरिया- लाठगांव, पिपरिया- मवई, पिपरिया- नोन व पौनिया और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत मर्रावन, महगुवां, नादिया व नैनवारा में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव का किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं में सुधार के दिए सख्त निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डीएमएफ मद से चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों बाउंड्रीवॉल, पेवर ब्लॉक, शौचालय एवं टीन शेड निर्माण कार्यों का जायजा लिया। कलेक्टर ने पेवर ब्लॉक की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित अधिकारी को तत्काल उन्हें हटाकर गुणवत्तापूर्ण पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही पूरे स्वास्थ्य केन्द्र परिसर को बाउंड्रीवॉल से पूर्ण रूप से कवर करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कैम्पस के भीतर संचालित एक निजी मेडिकल दुकान को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने उसका लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में खुली नालियों की समस्या को देखते हुए नगर पालिका गोटेगांव को उनका स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं शेष बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी को स्टीमेट बनाने को कहा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एएनसी वार्ड, दवा वितरण केन्द्र सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी अवलोकन कर स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने एनआरसी (पोषण पुनर्वास केन्द्र) का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 6 बच्चे भर्ती पाए गए। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं आवश्यक देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का किया निरीक्षण- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नगर पालिका गोटेगांव द्वारा निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने एवं गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आसपास अतिक्रमण पाए जाने पर उसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा सभी कार्य तय मानकों के अनुसार समय पर पूर्ण किए जाएं।

कलेक्टर ने ग्राम मुड़िया में किया आंगनवाड़ी एवं शासकीय विद्यालय का निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को जिले के ग्राम मुड़िया में आंगनवाड़ी केन्द्र एवं शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार की गुणवत्ता जांचने के लिए स्वयं भोजन चखकर देखा तथा आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह के निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज संख्या 16 के विरुद्ध 13 बच्चे उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान कुपोषण की स्थिति की भी जानकारी ली गई, जिसमें 2 बच्चे गंभीर कुपोषित (सेम) एवं 2 बच्चे मध्यम कुपोषित (मेम) श्रेणी में पाए गए। कलेक्टर ने संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला मुड़िया का निरीक्षण किया। विद्यालय में दर्ज बच्चों की संख्या 27 के विरुद्ध 20 छात्र उपस्थित पाए गए। कलेक्टर ने बच्चों से शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में बातचीत कर उनकी पढ़ाई के बारे में जाना। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था का भी अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि बच्चों की शिक्षा एवं पोषण से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

कलेक्टर ने ली गोटेगांव में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को गोटेगांव में स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों से शासन की प्राथमिकताओं, विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं, परीक्षा परिणाम, नामांकन तथा अपार आईडी निर्माण सहित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि सभी शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित की जाए तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का नियमित संचालन किया जाए। उन्होंने योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए सभी अधिकारियों को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने परीक्षा परिणाम, नामांकन, नियमित उपस्थिति, अधोसंरचना विकास, पाठ्यपुस्तक वितरण, स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन एवं अपार आईडी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लक्ष्यों की पूर्ति निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित की जाए। बैठक में परीक्षा परिणाम असंतोषजनक होने पर प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांदनखेड़ा, नामांकन लक्ष्य से कम रहने पर जनशिक्षक जनशिक्षा केन्द्र सूरवारी और अपार आईडी निर्माण में प्रगति धीमी होने पर संकुल प्राचार्य जनशिक्षा केन्द्र सर्रा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इस दौरान स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकगण मौजूद थे।

कलेक्टर ने ली सहकारी बैंक प्रबंधकों की समीक्षा बैठक

ऋण वसूली में लापरवाही पर नोटिस, 31 जुलाई तक सदस्यता अभियान तेज करने के निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर एवं सहकारी बैंक प्रशासक श्रीमती रजनी सिंह ने सहकारी बैंक में आयोजित शाखा प्रबंधकों की बैठक में ऋण वितरण, ऋण वसूली, अमानत संग्रहण, खाद वितरण व्यवस्था तथा लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। गत रबी सीजन के ऋण वितरण एवं वसूली की शाखावार समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने लक्ष्य से कम वसूली करने वाली शाखाओं के प्रबंधकों से कारण पूछने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने बैंक महाप्रबंधक को संबंधित शाखा प्रबंधकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से कौड़िया, बरमान एवं करकबेल शाखाओं में कालातीत ऋणियों से कम वसूली पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि नियमानुसार प्रकरण बनाकर नोटिस तामील कराई जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पुराने कालातीत प्रकरणों में डोर-टू-डोर संपर्क कर लक्ष्य अनुसार ऋण वसूली सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषकों एवं हितग्राहियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए तथा समितियों में क्रेडिट मूवमेंट बढ़ाने के साथ नए कार्य प्रारंभ कर ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं का विस्तार किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन कार्य के दौरान पंजीकृत कृषकों एवं समितियों के कालातीत ऋणियों का मिलान कर उपार्जन पोर्टल के माध्यम से ऋण वसूली के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही 31 जुलाई तक चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिविर आयोजित कर सदस्य संख्या में वृद्धि सुनिश्चित करने को कहा। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिकायतकर्ताओं से सीधे संपर्क कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बैंक महाप्रबंधक दिग्विजय सिंह पटैल ने बैंक की वर्तमान वित्तीय स्थिति एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के राजेन्द्र सिंह सहित बैंक मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह गोटेगांव में आयोजित कार्यशाला में शामिल हुई

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह शुक्रवार को गोटेगांव में आयोजित कार्यशाला में शामिल हुई। कार्यशाला के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष मार्गदर्शन देते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने निर्देशित किया कि क्षेत्र में समन्वित प्रयासों के माध्यम से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए, जिससे मृत्यु दर को न्यूनतम किया जा सके। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की टीम मिलकर कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करे कि अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। प्रत्येक पात्र हितग्राही को समय पर उपचार, पोषण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर एसडीएम गोटेगांव श्रीमती संघमित्रा गौतम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं जागरूक नागरिकों द्वारा नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की कमी तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में कहा गया कि लगातार हो रहे पेपर लीक से देश के करोड़ों छात्र-छात्राओं युवाओं एवं

उनके परिवारों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हुए हैं। ज्ञापन में दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू करने की मांग की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा अध्यक्ष मंगलसिंह करचाम, उपाध्यक्ष कमलेश उइके, सचिव अनिल यादव, सहसचिव बीआर कुर्राम सदस्य राजाराम मरावी, आदिवासी महापंचायत वरिष्ठ एवं कोर कमेटी सदस्य गुलाबसिंह मरदरिया, मानसिंह कोकडिया, जयसिंह धुर्वे, आदिवासी महापंचायत गढ़ा युवा प्रभाग अध्यक्ष कमलेश तिलगाम, वरिष्ठजन एमएल कुशरे, कुंवरसिंह मरावी, नामनगर सेवा संतूलाल मरावी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चिरहकला विद्यालय में 138 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम चिरहकला स्थित शासकीय नवीन माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण शुक्रवार को किया गया। साईखेड़ा स्वास्थ्य विभाग के डॉ. नीरज गुप्ता ने कक्षा पहली से कक्षा 8 वीं तक के कुल 138 छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान विद्यार्थियों का वजन एवं ऊंचाई मापन, नेत्र परीक्षण तथा मौसमी बीमारियों की जांच की गई। साथ ही बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं साफ-सफाई के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आवश्यकता अनुसार छात्र-छात्राओं को औषधियां भी वितरित की गईं। इस अवसर पर शाला के प्रधान पाठक श्री धनराज सिंह धानक सहित शिक्षकगण मौजूद थे।

बाघ दिवस पर जनजागरूकता कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई से पहले कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा 15 दिवसीय जनजागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को मंडला शहर में बाघ संरक्षण के संदेश के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन विशेषकर विद्यार्थियों और ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के प्रति जागरूक करना था।

कलेक्टर ने बकतला तालाब का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को गोटेगांव क्षेत्र का भ्रमण कर निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसी को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने, गुणवत्ता के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा कार्य में आवश्यक तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत विकसित किए जा रहे बकतला तालाब का भी अवलोकन किया। उन्होंने तालाब के शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

नगर पालिका की सामान्य सभा में नेता प्रतिपक्ष ने उठाये जनहित के मुद्दे

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका की गत दिवस आयोजित सामान्य सभा की बैठक में नेता प्रतिपक्ष जिनेश जैन ने कई जनहित के मुद्दे उठाते हुए प्रशासन से पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने की मांग की। उन्होंने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, प्रधानमंत्री आवास योजना और आवारा मवेशियों की समस्या को लेकर नगर पालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष जिनेश जैन ने कहा कि नगर में हाल ही में की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी तरह पारदर्शी नहीं थी। इसमें एकपक्षीय रवैया अपनाया गया, जो किसी भी सूरत में उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि नगर के हर नागरिक के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। कार्रवाई से पहले नियमानुसार प्रक्रिया अपनाना जरूरी है। श्री जैन ने मांग रखी कि भविष्य में जब भी अतिक्रमण हटाने या सीमांकन की कार्रवाई की जाए तो पहले चूना लाइन डालकर स्पष्ट सीमांकन किया जाए। इससे नागरिकों को अपनी जमीन की सीमा समझ आएगी और किसी के साथ अन्याय की गुंजाइश नहीं रहेगी। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी स्पष्ट किया की

जनहित में निष्पक्ष व्यवस्था के लिए मेरी आवाज सदैव मजबूती से उठती रहेगी ।प्रधानमंत्री आवास योजना का मुद्दा उठाते हुए श्री जैन ने कहा कि योजना के हर पात्र हितग्राही को समय-सीमा में लाभ मिलना चाहिए। किसी भी पात्र व्यक्ति को भटकना न पड़े, इसके लिए सूची का समय पर सत्यापन और स्वीकृति प्रक्रिया तेज की जाए। नगर की यातायात व्यवस्था पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों और चौराहों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। मवेशियों के बीच सड़क पर बैठने से आए दिन जाम और दुर्घटना की स्थिति बनती है।

उन्होंने हाका गैंग की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए। हाका गैंग कहां है, कुछ पता ही नहीं चल रहा।श्री जैन ने प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की। बैठक में नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट किया कि नगर पालिका का काम सिर्फ कार्रवाई करना नहीं, बल्कि कार्रवाई को पारदर्शी और जनहितैषी बनाना भी है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि आम नागरिकों को असुविधा न हो और नियमों के दायरे में रहकर ही कोई कदम उठाया जाए।

बाबा ताजुद्दीन औलिया की शान में हुआ भव्य आम लंगर

सेकड़ों जायरीनों ने ग्रहण किया तबर्रुक

सर्वधर्म सद्भावना की मिसाल की पेश

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

सूफी संतों की इंसानियत, मोहब्बत और खिदमत को घर-घर तक पहुंचाने के मकसद से वीजासेन वार्ड स्थित हजरत सैय्यद बाबा की दरगाह शरीफ के सामने नागपुर के प्रसिद्ध वली हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया (र.अ.) की शान में भव्य आम लंगर का आयोजन किया गया ।अकीदत, इबादत और भाईचारे के इस संगम में सैकड़ों जायरीनों ने शिरकत कर लंगर का तबर्रुक ग्रहण किया और सवाबे दारेन हासिल किया। यह मुबारक आयोजन शेख गफ्फार और रिजवान खान हिम की जानिब से किया गया था। मगरिब की नमाज के बाद दरगाह पर नियाज-फातेहा की रस्म अदब के साथ अदा की गई। दुआ और सलातो-सलाम के बाद लंगर का आगाज किया गया।

आयोजकों ने बताया कि यह लंगर बाबा ताजुद्दीन औलिया के उर्स की मुबारक याद में किया गया । इसका पैगाम है की जात-पात, अमीर-गरीब का भेद मिटाकर सभी इंसान एक दस्तरख्वान पर बैठें। लंगर देर रात तक जारी रहा और हर आने वाले जायरीन को बड़े अदब और मोहब्बत के साथ खाना खिलाया गया।

लंगर के साथ-साथ पूरा दरगाह परिसर सूफियाना कलाम और शहनाई की सुरीली धुनों से गूंजता रहा। विशेष रूप से जबलपुर से आए शहनाई वादकों ने बाबा ताजुद्दीन औलिया की शान में या ताज के रखना लाज, तेरे दीवाने आए है जैसे मशहूर कलाम पेश कर माहौल को अकीदत से भर दिया।

इस मौके पर बुजुर्गाने दीन से निस्बत रखने वाले लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बाबा की आमद के समय दरबार में जायरीनों का हुजूम देखने काबिल था । देर रात तक दरबार में शहनाई की सुरीली धुन गूंजती रहीं। यहां सर्वधर्म सद्भावना की अनोखी मिसाल देखने को मिली, जहां हर मजहब और वर्ग के लोग बाबा के दर पर नजर आये ।

इस आयोजन की सबसे खूबसूरत बात युवाओं का जज्बा रहा। लंगर की व्यवस्था, साफ-सफाई, पानी पिलाने और जायरीनों की खिदमत में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने युवाओं के इस जज्बे की खुले दिल से सराहना की। लोगों का कहना था कि अगर आज का युवा इसी तरह खिदमत और भाईचारे के कामों से जुड़े, तो समाज में अमन और मोहब्बत और मजबूत होगी।

आयोजन समिति ने बताया कि बाबा ताजुद्दीन औलिया (र.अ.) ने अपनी पूरी जिंदगी गरीबों, बेसहारों और जरूरतमंदों की खिदमत में गुजार दी। हमें भी उसी रास्ते पर चलना है। इसी सोच के साथ हर साल यह आम लंगर किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे। पूरे माहौल में अमन, सुकून और मोहब्बत की खुशबू महसूस की गई।

सामूहिक रूप से सुनी गई प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात

सांसद विधायक सहित गणमान्य जन रहे मौजूद

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें संस्करण का प्रदेश स्तरीय सामूहिक श्रवण कार्यक्रम रविवार को कटनी के मुड़वारा मंडल के बूथ क्रमांक-66 अंतर्गत होटल सत्कार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद, विधायक, महापौर सहित जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को एक साथ सुना। इस आयोजन का संगठन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव प्रसारण भी किया गया, जिससे राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व भी जुड़ा। कार्यक्रम में विष्णु दत्त शर्मा, जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक, विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, पूर्व जिलाध्यक्ष रामरतन पायल, श्रीमती अलका जैन, सुखदेव चौधरी, कार्यक्रम जिला प्रभारी रवि खरे, सुनील उपाध्याय सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वप्रथम कारगिल विजय दिवस का उल्लेख करते हुए देश के वीर जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है तथा यह ऐसी तिथि है जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की प्रतिभा और उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्र विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। हाल ही में आयोजित फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और गणित ओलंपियाड में भारतीय टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत बताया। कार्यक्रम के अंत में मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को प्रेरित करने, समाज के सकारात्मक प्रयासों को पहचान देने और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। कटनी में आयोजित इस सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रहित में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कटनी में सभी मंडलों में बूथ स्तर पर भी लोगों में मन की बात को सुनकर प्रधानमंत्री जी के विचारों को आत्मसात किया।

नीट पेपर लीक मामला
कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को बताया लोकतंत्र की जीत

कटनी (स्वतंत्रमत)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने भी शहर के हृदय स्थल सुभाष चौक में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। दिल्ली के जंतर मंतर पर पिछले कई दिनों से चल रहे छात्र आंदोलन के बीच दोपहर में जहां कटनी में हजारों की संख्या में एकत्रित युवाओं ने पैदल मार्च करते हुए विरोध प्रदर्शन किया तो वहीं शाम को जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान में सुभाष चौक में विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके उपरांत नीट पेपर लीक मामले के बाद मानसिक रूप से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने वाले छात्र छात्राओं के प्रति शोक व्यक्त करते हुए श्रदांजलि अर्पित की गई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह आंदोलन को दबाने के लिए हथकण्डे अपनाए गए, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। युवाओं द्वारा किये जा गए आंदोलन का परिणाम है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को स्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह छात्रों की जीत है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष सौरभ सिंह, रामनरेश त्रिपाठी, बी एम तिवारी, विजय पटेल, प्रेम बत्रा, राकेश जैन कक्का, रजनी वर्मा, प्रशान्त जायसवाल, राजा जगवानी, राकेश द्विवेदी, माधुरी जैन, मनु नारला, अरुण कनोजिया, मौसूफ अहमद बिट्ठू, गोल्डन पांडे, हेमा शर्मा, सौम्या रांधेलिया, माया चौधरी, मोहम्मद इजराइल, राहुल पटेरिया, सुमन रजक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रही।

विजयराघवगढ़ के प्रसिद्ध शारदा मंदिर में चोरी

चांदी के 2 मुकुट, 2 छत्र, सोने का लॉकेट और नगद रूपए ले गए चोर

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 15 स्थित प्रसिद्ध शारदा माता मंदिर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने बीती रात मंदिर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और गर्भगृह से चांदी के 2 मुकुट, चांदी के 2 छत्र, सोने का एक छोटा लॉकेट तथा दानपेटी में रखी 5 हजार रूपए की नगदी पार कर दी। इतना ही नहीं, पुलिस जांच से बचने के लिए चोरों ने जाते समय मंदिर परिसर में लगा सीसीटीव्ही कैमरे का डीव्हीआर भी अपने साथ उखाड़कर ले गए। वारदात की खबर से पूरे विजयराघवगढ़ क्षेत्र में रोष व्याप्त हो गया है।

लोगों का कहना है कि चोर अब मंदिरों को भी नहीं छोड़ रहे। एक के बाद एक लगातार हो रही वारदातों से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है। बताया जाता है कि मंदिर में चोरी होने के बाद पुजारी मुकेश कुमार त्रिपाठी ने विजयराघवगढ़ थाने पहुंचकर वारदात की रिपोर्ट दर्ज कराई। विजयराघवगढ़ पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 305, 331 (1) के तहत मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 90 हजार रूपए बताई जा रही है। विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मंदिर परिसर के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरे चैक किए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों का सुराग लगा लिया जाएगा।

जलाधिपति की अराधना बनी श्रद्धालुओं की साधना

कटायेघाट में भक्ति गीतों ने समा बांधा, चालीहा महोत्सव की धूम

कटनी (स्वतंत्रमत)

झूलेलाल चालीहा महोत्सव के अवसर पर भगवान झूलेलाल चालिहा समिति द्वारा गुरूनानक वार्ड स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में विगत 14 जुलाई से विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 40 दिनों तक रोजाना भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना, आरती उतारकर प्रसाद वितरित किया जा रहा है, जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंहुचकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। सुबह, शाम मंदिर में भजन कीर्तन, आरती, पल्लव व दीनबंधु भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। समाजसेवी संजय खूबचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि झूलेलाल चालिहा समति द्वारा आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की कड़ी में 26 जुलाई रविवार को प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक कटाएघाट के तट पर जल देवता की पूजा अर्चना भजन कीर्तन, अखो पल्लव, आरती व दीप दान किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने जलदेवता से देश की खुशहाली व भरपूर बारिश की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही। गौरतलब है कि चालिहा महोत्सव के अंतर्गत प्रत्येक रविवार को जल देवता का पूजन अर्चन किया जाता है। इस अमर उड़ेरोलाल की आराधना में श्रद्धालुओं की साधना देखकर जल देवता जलाधिपति की अराधना श्रद्धालुओं की साधना बनी। अंत में स्वल्पहार के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इनकी रही उपस्थिति–इस अवसर पर मोहनलाल बत्रा, त्रिलोकचंद भोजवानी, महेश बहलानी, अशोक बेसानी, हरीश बहलानी, अमर चेतवानी, पं दिनेश शर्मा, गोविन्द सचदेवा, नेवंदराम खूबचंदानी, वीरेंद्र लालवानी, सुरेश गांधी, गायक नरेश चंदानी, बालचंद चेतवानी, नानकराम खूबचंदानी, मोहन रोहरा, राजकुमार खियानी, गोतम गलानी, महेश रोचलानी, प्रेम बत्रा, हेमंत सखानी, अजित केसवीन, नारायण बलेचा, राजेश खूबचंदानी, कालू तनवानी, मनोहर उधवानी, मनोहरलाल बजाज, संजय खूबचंदानी, गुलाब आहूजा, हरीश पंजवानी, बसंत थारवानी, मदन सेवलानी, रवि मोटवानी, डॉ. प्रेम जसूजा, अमर पंजवानी, सुरेश बजाज व सिंधी भावरन ग्रुप, सुपर ग्रुप एवं सुहींणा सिंधी ग्रुप व अनेक सामाजिक संस्थाओं के सदस्य तथा गणमान्य नागरिक उपस्थिति रहे।

8 दुकानदारों पर स्पॉट फाइन 2400 रुपये की चालानी कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाए रखने तथा स्वच्छता नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा लगातार प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की स्वच्छता टीम ने जोन क्रमांक-2 के बस स्टैंड क्षेत्र तथा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास के में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों एवं दुकानों के आसपास कचरा एवं गंदगी पाए जाने पर स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले 7 दुकानदारों के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई। प्रत्येक पर 200 रुपये के मान से कुल 1400 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। वहीं हाउसिंग बोर्ड कालोनी के पास डोमिनोज पिज़्ज़ा दुकानदार गंदगी पाए जाने पर 1000 रुपये के जुर्माने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे कचरा डस्टबिन में रखें, खुले में न फेकें, नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन आने पर कचरा वाहन में ही दें।

कर्मचारी हितैषी मुद्दों पर हुई चर्चा

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा की बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने बताया कि 26 जुलाई को संघ जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई कर्मचारी हितैषी मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के पत्रानुसार सी पी सी टी परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा तभी पदोन्नति का लाभ मिलेगा जबकि पूर्व के आदेश में पदोन्नति के सम्बन्ध में नियम निर्देश जारी नहीं किए गए हैं जिसके चलते चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की पदोन्नति आदेश जारी नहीं हो पा रहे हैं वहीं स्कूल शिक्षा विभाग में ई अटेंडेंस की अनिवार्यता को समाप्त करने हेतु संघ ने मध्य प्रदेश शासन को ज्ञापन दिया जा चुका है आदिम जाति कल्याण विभाग के छात्रावासों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को साप्ताहिक अवकाश नहीं मिलता जो कि श्रम विभाग के नियम अनुसार मध्य प्रदेश शासन के अवकाश नियम की अवहेलना है। अत: संघ इन सभी समस्याओं के उचित समाधान हेतु प्रांतीय निर्देशानुसार उग्र आंदोलन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी उक्त बैठक में संघ का विस्तार करते हुए दो महिला कर्मचारी जमुना महतो को महिला प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष एवं अर्चना सेन को आदिम जाति कल्याण विभाग की विभागीय समिति के उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया । बैठक में संघ के पदाधिकारी अजय गौतम, उप प्रांताध्यक्ष मनोज श्रीवास, राकेश जसूजा, कार्यकारी अध्यक्ष हमीद खान, बाबूलाल अहिरवार, नीलेश पौराणिक, अजीमुद्दीन शाह हरीश बेन, धर्मेंद्र राज बालकदास राकेश पांडेय, प्रदीप रजक अमर बर्मन उपस्थित रहे, और समस्त पदाधिकारी सदस्यों ने नव नियुक्त पदाधिकारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और महिला कर्मचारी की नियुक्ति से सभी ने प्रसन्नता व्यक्त कर फूल माला पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया।

वृक्षारोपण एवं भुट्टा पार्टी का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्री खरे केसरवानी महिला मंडल द्वारा श्रीमती प्रियंका गुप्ता की अध्यक्षता में वृक्षारोपण एवं भुट्टा पार्टी का आयोजन तेवरी में किया गया। सभी महिलाओं ने पौधे लगाए एवं भुट्टे पार्टी हाउजी गेम खेल कर बारिश का आनंद लेते हुए कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें महामंत्री लता गुप्ता, कोषाध्यक्ष रोशनी गुप्ता, सहित मंत्रिमंडल एवं समाज की सभी मातृ शक्तियों सरल गुप्ता, ज्योति गुप्ता, उषा गुप्ता, आरती गुप्ता, शिल्पी, सुशील गुप्ता, रूपा गुप्ता, रोशनी गुप्ता, मंजू गुप्ता, सरिका गुप्ता, सुषमा गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, शिवाली गुप्ता, ममता गुप्ता की उपस्थिति रही।

तेज रफ्तार कार का तांडव : नशे में धुत चालक ने बुजुर्ग को मारी टक्कर

खड़ी गाड़ी को रौंदते हुए दुकान में घुसी

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पीरबाबा के पास रविवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। जबलपुर की ओर से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने जमकर तांडव मचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब 3:45 बजे कार चालक ने वाहन को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी एक कार को सीधी टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगने के बाद खड़ी कार अनियंत्रित होकर पास ही स्थित फूल-माला की एक दुकान में जा घुसी। इस दौरान सड़क किनारे खड़े एक बुजुर्ग व्यक्ति भी कार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि जिस समय कार दुकान में घुसी, उस वक्त दुकान में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार चालक अत्यधिक शराब के नशे में था और वाहन पर से उसका नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो चुका था। हादसे में प्रयुक्त कार का नंबर एमपी 20 सीएल 5382 बताया जा रहा है। घटना के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। नागरिकों की मदद से घायल बुजुर्ग को तत्काल इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया गया। सूचना मिलते ही माधवनगर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित मानवता की सेवा के लिए आगे आए लोग

टीबी मरीजों की मदद के लिए कलेक्टर की पहल से 415 निक्षय मित्र बने सहारा

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने जब स्वयं निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के पोषण की जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया, तो यह पहल धीरे-धीरे प्रशासन की सीमा से निकलकर समाज के दिल तक पहुंच गई। कलेक्टर आशीष तिवारी की पहल से प्रेरित होकर शासकीय कर्मचारी, समाजसेवी और उद्योगपति एक-एक करके आगे आए। किसी ने एक मरीज की जिम्मेदारी उठाई, किसी ने कई मरीजों के पोषण की चिंता की। देखते ही देखते 415 लोग निक्षय मित्र बन गए और करीब 5 लाख रुपए की सहयोग राशि जिला रोगी कल्याण समिति को मिल चुकी है। टीबी से जूझ रहे मरीज के लिए उपचार के साथ पर्याप्त पोषण भी बेहद महत्वपूर्ण है। इसी जरूरत को समझते हुए कलेक्टर के निर्देश पर उपचाररत मरीजों को पोषणयुक्त फूड बास्केट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जब यह फूड बास्केट किसी मरीज तक पहुंचती है तो उसके साथ एक अनकहा संदेश भी पहुंचता है। बीमारी से लड़ाई आपकी अकेली नहीं है। हम आपके साथ हैं। यही इस अभियान की सबसे खूबसूरत बात है।

मरीजों के दिलों तक पहुंची पहल

इस अभियान में उद्योग विभाग ने 70 मरीजों के लिए 84 हजार रुपए मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉरपोरेशन ने 38 मरीजों के लिए 45,600रूपये, इंडस्ट्री विभाग ने 50 मरीजों के लिए 60 हजार रुपए तथा पीआईयू एवं पीडब्ल्यूडी ने 25 मरीजों के लिए 30 हजार रुपए का सहयोग दिया। आबकारी और पंजीयन विभाग ने 35-35 मरीजों के लिए 42-42 हजार रुपए, परिवहन विभाग ने 50 मरीजों के लिए 60 हजार रुपए और फेयर फूड ओवरसीज प्रालि ने 51 मरीजों के लिए 61,200 रूपए की सहयोग राशि दी। विद्युत विभाग, बरही तहसील, मानव जीवन विकास समिति बिजौरी, उद्यानिकी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अनेक संस्थाओं ने भी अपनी सहभागिता निभाई। इन आंकड़ों को केवल राशि के रूप में देखना इस पहल की असली कहानी को छोटा कर देगा। हर राशि के पीछे किसी मरीज के लिए बढ़ा एक हाथ है। टीबी उन्मूलन की लड़ाई में स्वास्थ्य विभाग उपचार की जिम्मेदारी निभा रहा है। लेकिन इस अभियान ने यह साबित किया है कि बीमारी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत बनाने में समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। दवा उपचार देती है, पोषण शरीर को ताकत देता है और अपनत्व मरीज के मन में लड़ने का हौसला जगाता है। यही तीनों मिलकर टीबी के विरुद्ध कटनी की लड़ाई को नई ताकत दे रहे हैं।

कलेक्टर की पहल बनी जनअभियान की प्रेरणा– कलेक्टर आशीष तिवारी का स्वयं निक्षय मित्र बनना इस अभियान की शुरुआत भर थी। इसके बाद शासकीय अमले, समाजसेवियों और उद्योग जगत का आगे आना बताता है कि संवेदनशील नेतृत्व जब समाज को साथ लेकर चलता है तो एक छोटी पहल भी बड़े अभियान का रूप ले सकती है। आज करीब 5 लाख रुपए की सहयोग राशि से कहीं बड़ी पूंजी कटनी के पास है, मानवीय संवेदना की पूंजी।

टीबी मुक्त कटनी की राह में उम्मीद के 415 दीप– टीबी मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी प्रयासों से पूरा नहीं होगा। इसके लिए हर स्तर पर जागरूकता, उपचार, पोषण और सामाजिक सहयोग जरूरी है। कटनी में 415 निक्षय मित्रों ने इस दिशा में उम्मीद के 415 दीप जलाए हैं। इन दीपों की रोशनी में शायद कोई मरीज फ्ुिर से अपने परिवार के बीच स्वस्थ जीवन की ओर लौटेगा। किसी घर में चिंता कम होगी। किसी बच्चे को अपना माता-पिता फिर स्वस्थ नजर आएगा। और किसी परिवार को यह भरोसा मिलेगा कि बीमारी बड़ी हो सकती है, लेकिन उसके सामने खड़ा समाज उससे भी बड़ा है। जहां करीब 5 लाख रुपए की सहयोग राशि से कहीं अधिक मूल्यवान है 415 लोगों का यह संकल्प कि टीबी से जूझ रहे किसी इंसान को उसकी लड़ाई में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। जिले में अभी भी निक्षय मित्र बनने का सिलसिला जारी है।

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया

3-0 से टी-20 सीरीज जीती, वैभव सूर्यवंशी ने 81 रन बनाए, मयंक यादव को 3 विकेट

हरारे (वार्ता)

भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रैड इवांस ने 2 विकेट, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी, सिकंदर रजा और वेस्ली मधेवेरे को 1-1 विकेट मिला। 193 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे ने पहली बॉल पर विकेट गंवा दिया। मयंक यादव ने ब्रायन बेनेट को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यश ठाकुर ने डिओन मायर्स और सिकंदर रजा को लगातार आउट कर मेजबान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। रवि बिश्नोई और अशोक शर्मा ने भी एक-एक विकेट लिया। जिम्बाब्वे के लिए रयान बर्ल ने सबसे ज्यादा 54 रन बनाए। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (81) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने रविवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच विकेट पर 192 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और दूसरे ही ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने अभिषेक शर्मा (दो) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये इशान किशन ने वैभाव सूर्यवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। 11वें ओवर में सिकंदर रजा ने इशान किशन का शिकार कर भारत को दूसरा झटका दिया। इशान किशन ने 28 गेंदों में चार चौकों की मदद से (29) रन बनाये। भारत का तीसरा विकेट 15वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी के रूप में गिरा। वेस्ली मधेवेरे ने शतक की ओर बढ़ रहे वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। वैभव सूर्यवंशी ने 49 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के उड़ाते हुए (81) रनों की पारी खेली। 18वें ओवर की पहली गेंद पर ब्रैड एवंस ने कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट किया। श्रेयस अय्यर ने 18 गेंदों में दो चौकों की मदद से (27) रन बनाये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरो में पांच विकेट पर 192 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। तिलक वर्मा ने (नाबाद 11) रन बनाये। रिंकू सिंह पारी की आखिरी गेंद पर कैच आउट हुये। रिंकू सिंह ने 14 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (25) रनों की पारी खेली।

प्लेइंग-11

भारत: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, सूर्यांश शेडगे, रवि बिश्नोई, अशोक शर्मा, मयंक यादव और यश ठाकुर।

जिम्बाब्वे: ब्रायन बेनेट, बेन करन, डिओन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे, तादीवानाशे मरुमानी, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी, वेलिंगटन मसाकाद्जा और ब्लेसिंग मुजरबानी।

ॠषिकांत सिंह ने भारत को दिलाया राष्ट्रमंडल खेलों में दूसरा पदक

ग्लासगो (स्कॉटलैंड) (वार्ता)। भारतीय एथलीट ॠषिकांत सिंह चननबाम ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 60किग्रा वर्ग में 151 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम किया। यह राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का दूसरा पदक है। मलेशिया के अनीक कसदान ने 152 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। भारत के ॠषिकंत सिंह ने अपने कॉमनवेल्थ गेम्स पदार्पण मुकाबले में 151 किग्रा वजन के साथ रजत पदक जीता। जोशुआ ने 145 किग्रा वजन के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। पीएस. सोमथिलाका ने 152 किग्रा वजन उठाने की आखिरी कोशिश की और उठाने में नाकाम रहने के कारण चौथे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में मलेशिया के अनीक कसदान ने (121 152) कुल 273 किग्रा वजन उठाया। वहीं भारत के ॠषिकंत सिंह ने (121 143) कुल 264 किग्रा वजन उठाया। केन्या के जोशुआ म्बोया ने (115 145) कुल 255 किग्रा वजन उठाया। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेल 2026 की मिश्रित 4 गुणा 100 मी फ्रीस्टाइल रिले का नये रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। शनिवार को हुई स्पर्धा में फ्लिन साउथम, काइल चाल्मर्स, शायना जैक और मेग हैरिस की चौकड़ी ने 3 मिनट 19.36 सेकंड के शानदार समय के साथ बाकी टीमों को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने बर्मिंघम 2022 में हुए पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स में बनाए गए अपने ही रिकॉर्ड से लगभग दो सेकंड कम समय लिया। रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह की भारतीय जोड़ी को नामीबिया की अमांडा स्टीनकम्प और डायना विल्जोएन के खिलाफ टाई-ब्रेक में 7-5, 1-10, 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहला सेट हारने के बाद वापसी की कोशिश की थी। भारतीय जोड़ी आज बाद में ग्रुप बी के अपने आखिरी मैच में इंग्लैंड का सामना करेगी, जिसमें सेमीफाइनल में जगह बनाने का दांव लगा होगा। रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह ने 5-0 की बढ़त गंवा दी और महिला पेयर्स सेक्शनल प्ले में ग्रुप बी के अपने दूसरे आखिरी मैच में नामीबिया के खिलाफ पहला सेट 7-5 से हार गईं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए टीम का चयन मंगलवार को

मुंबई (वार्ता)

श्रीलंका के खिलाफ होने वाली अवे टेस्ट सीरीज़ के लिए टीम का चयन मंगलवार को किया जाएगा और पूरी संभावना है कि यह मीटिंग वर्चुअल तरीके से होगी। भारत 15 से 27 अगस्त के बीच गाले और कोलंबो में दो टेस्ट मैच खेलेगा। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि टीम में कुछ छोटे-मोटे बदलावों को छोड़कर, ज़्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है; यह टीम वैसी ही होगी जैसी जून में शुभमन गिल की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली थी। चयन मीटिंग में मुख्य फोकस इस बात पर होगा कि क्या जसप्रीत बुमराह को सीरीज़ के लिए चुना जाएगा या नहीं। हालांकि उनके चुने जाने की संभावना है, और साथ ही मोहम्मद सिराज के भी, जिन्होंने बुमराह की गैर-मौजूदगी में अफगानिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी की कमान संभाली थी, लेकिन सबसे अहम बात यह है कि क्या चयनकर्ता पिछले रणजी सीज़न में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले आकिब नबी को टीम में मौका देंगे या नहीं। इस बीच, खबर है कि नीतीश कुमार रेड्डी, जो जून में न्यू चंडीगढ़ टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा थे, पिछले महीने लगी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुज़र रहे हैं और उनके चुने जाने की संभावना कम है। भारतीय टीम में शामिल कुछ चुनिंदा ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ियों में से एक, रेड्डी ने बेंगलुरु में गेंदबाजी शुरू कर दी है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि पांच दिन के मैचों के लिए उन पर विचार करना अभी जल्दबाजी होगी। हालांकि, उम्मीद है कि वह सितंबर में होने वाले कई व्हाइट-बॉल मैचों के लिए तैयार हो जाएंगे। रेड्डी ने आखिरी बार जून में चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे मैच में भारत के लिए खेला था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम और पीवी सिंधु पर पूरे देश को गर्व है: प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यहां अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में कहा कि इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट मैच जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम और जापान ओपन का खिताब जीतने वाली बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु पर पूरे देश को गर्व है। रविवार को आयोजित मासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कही। उन्होंने कहा, हमारे युवाओं ने हाल के दिनों में स्पोर्ट्स में कई शानदार उपलब्धियां हासिल की है। बैडमिंटन में पीवी सिंधु जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गई है। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है।

पाक को हराकर भारत ने यूथ हॉकी 5 एस एशियन चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता

मस्कट, (ओमान) (वार्ता)

भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मस्कट में एफआईएच यूथ हॉकी 5 एस एशियन चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हॉकी इंडिया ने की नदक पुरस्कार की घोषणा। भारतीय टीम के लिए रोमित पाल ने (पांचवें), कप्तान केतन कुशवाहा ने (12वें) और शाहरुख अली ने (13वें) मिनट में गोल किये। इस जीत के साथ, भारतीय पुरुष टीम ने एक शानदार और अजेय अभियान पूरा किया; टीम एलीट पूल टेबल में भी शीर्ष पर रही थी। फाइनल मैच में भारत ने सटीक पासिंग और अनुशासित खेल के साथ शुरुआत में ही बढ़त बना ली। रोमित पाल ने पहले हाफ में पाकिस्तानी गोलकीपर को छकाते हुए गोल किया और भारत को हाफ-टाइम तक 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ की शुरुआत में भारत ने अपना दबदबा और बढ़ाया; कप्तान केतन कुशवाहा ने गोल किया और उसके तुरंत बाद शाहरुख अली ने गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। पाकिस्तान ने मुहम्मद उस्मान के ज़रिए एक गोल वापस किया, लेकिन भारतीय डिफेंस ने आखिरी मिनटों में मज़बूती से खेलते हुए 3-1 से जीत पक्की की और ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल में पहुंचने के कारण, भारत और पाकिस्तान दोनों ने पहली बार आयोजित होने वाले एफआईएच यूथ हॉकी 5 एस वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। महिला वर्ग में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने चीन के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक जीता, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि भारत की दोनों टीमें मेडल के साथ घर लौटेंगी। दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाते हुए, हॉकी इंडिया ने टीमों के लिए नकद इनाम की घोषणा की। स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम के हर खिलाड़ी को दो लाख रूपये का इनाम दिया जाएगा, जबकि सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को एक लाख रूपये मिलेंगे। इसके अलावा, सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय महिला टीम की हर खिलाड़ी को 1 लाख मिलेंगे और उनके सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को 50 हजार रूपये दिए जाएंगे।

सेंसेक्स एक सप्ताह में 2,091 अंक टूटा

वैश्विक स्थिति से तय होगी आगे की दिशा

मुंबई, (वार्ता)। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स पांच दिन में 2,091 अंक फिसल गया। अब आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर एक बार फिर पश्चिम एशिया की स्थिति पर होगी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इससे भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश में घरेलू शेयर बाजारों में पांचों दिन बिकावाली देखी गयी। आने वाले सप्ताह में अमेरिका-ईरान के बीच तनाव के अलावा निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर भी रहेगी। अगले सप्ताह बीईएल, केनरा बैंक, कोल इंडिया, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एलएंडटी और एशियन पेंट्स के साथ कई कंपनियों के तिमाही परिणाम जारी होने हैं। गत सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,091.68 अंक (2.68 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट में रहा। सप्ताहांत पर शुक्रवार को यह 76,059.77 अंक पर बंद हुआ जो 12 जून के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 566.85 अंक यानी 2.33 प्रतिशत गिरकर 12 जून के बाद के निचले स्तर 23,767.45 अंक पर बंद हुआ। वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.23 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.18 प्रतिशत टूट गया। बीते सप्ताह सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर लाल निशान में रहे। एचडीएफसी बैंक में सबसे अधिक 9.40 प्रतिशत की गिरावट रही। एक्सिस बैंक का शेयर 7.59 प्रतिशत, इंफोसिस का 5.11, इंडिगो का 5.02, बजाज फाइनेंस का 4.08, अडानी पोर्ट्स का 3.76, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 3.64, भारतीय स्टेट बैंक का 2.78 और मारुति सुजुकी का 2.51 प्रतिशत टूट गया। सप्ताह के दौरान इटरनल का शेयर 2.34 फीसदी, एशियन पेंट्स का 1.89 प्रतिशत, टाटा स्टील का 1.72, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.32 और बीईएल का 1.06 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

महानदी अपतटीय बेसिन में तेल की संभावना

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने महानदी अपतटीय बेसिन में तेल की संभावनाओं के मूल्यांकन के लिए पहले कुएं एमएन-डीडब्ल्यूएन18-1-एचडी की खुदाई शुरू होने की जानकारी दी। श्री पुरी ने इस अवसर को,ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भारत की यात्रा में एक नया अध्याय बताया और कहा कि खुदाई की शुरुआत एक दशक के दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है। इन सुधारों ने भारत के अन्वेषण और उत्पादन परिदृश्य को बदल दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस ड्रिलिंग कार्यक्रम में विश्व स्तरीय गहरे पानी की खुदाई (ड्रिलिंग) तकनीक का उपयोग करके नए खनिज तेल एवं गैस संसाधनों का पता लगाया जाएगा।

दर-दर भटकने पर मजबूर नहीं होना चाहिए

निर्मला सीतारमण का इनकम टैक्स अधिकारियों को मैसेज

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में काम करने की अपील की है। उ-?होंने कहा है कि लोगों को अपने वैध कामों के लिए 'दर-दर भटकने' पर मजबूर नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कामों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला आयकर सिंधु भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने रविवार को कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए जरूरी मंजूरियां हासिल करने में खुद इनकम टैक?स के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

लोगों की समस्याओं का एहसास करने की अपील – वित्त मंत्री ने कहा कि अगर विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं तो उन्हें आम नागरिकों की समस्याओं का भी बेहतर तरीके से एहसास होना चाहिए। सीतारमण ने सरकारी विभागों की सुस्त कार्यशैली पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इसी कारण सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर नया भवन बनाया गया है, वह साल 1973 से आयकर विभाग के पास थी। इसके बावजूद उस पर अवैध कब्जे हो गए। यह प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है।

सरकारी आवास की कमी का किया जिक्र – सीतारमण ने मुंबई और नवी मुंबई में आयकर अधिकारियों के लिए सरकारी आवास की कमी का भी जिक्र किया। कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए वह जरूरी कदम उठाएंगी।

5000 करोड़ का निवेश करेगी अनिल अग्रवाल की कंपनी

हिंदुस्तान जिंक ने बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली।

अनिल अग्रवाल के वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड चालू वित्त वर्ष के दौरान 500 से 600 मिलियन डॉलर का पूंजीगत व्यय करने की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने बताया कि इस निवेश का बड़ा हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा। अरुण मिश्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए तय कुल कैपेक्स का लगभग 80प्रतिशत हिस्सा जारी परियोजनाओं में लगाया जाएगा, जबकि शेष 20प्रतिशत हिस्सा नई परियोजनाओं के लिए आवंटित होगा, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी। हिंदुस्तान जिंक लगभग 10 लाख टन की कुल क्षमता विस्तार पाइपलाइन पर काम कर रही है। कुल नियोजित क्षमता में से 2.5 लाख टन से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जिसके लिए 12,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रावधान है। इसमें माइनिंग और मिनरलाइजेशन शामिल हैं। माइनिंग से जुड़े ऑर्डर दे दिए गए हैं और स्मेल्टर का निर्माण शुरू हो चुका है। हालांकि, मिलिंग और कंसंट्रेट से जुड़ी सुविधाओं के ऑर्डर अभी अंतिम चरण में हैं। शेष क्षमता विस्तार के लिए अगले 4-5 वर्षों में समान अनुपात में निवेश की आवश्यकता होगी।

अमेरिका का कदम हमारे खिलाफ नहीं

ट्रंप के नए टैरिफ से भारत के लिए चांस

नई दिल्ली

अमेरिका ने सेक्शन 301 जांच के तहत जो 10प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, उससे भारत के एक्सपोर्टर्स पर लागत का ज्यादा बोझ पड़ सकता है। लेकिन, इस कदम से भारतीय सप्लायर्स के लिए मौके भी बन सकते हैं। कारण है कि कई प्रतिस्पर्धी देशों को ज्यादा ड्यूटी का सामना करना पड़ रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस ने यह संभावना जताई है। एफआईईओ के प्रेसिडेंट एस सी रल्हन ने ईटी से कहा कि टैरिफ के असर का आकलन सिर्फ मुख्य दर से नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी एक्सपोर्ट करने वाले देशों पर लगने वाली ड्यूटी के मुकाबले किया जाना चाहिए।

कई प्रतिस्पर्धी देशों से कम है टैरिफ

रल्हन ने कहा, भारत को कम 10प्रतिशत टैरिफ कैटेगरी में रखा गया है। वहीं, चीन, वियतनाम, थाईलैंड, तुर्की, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अन्य सहित कई प्रतिस्पर्धी एक्सपोर्ट करने वाले देशों को 12.5प्रतिशत का ज्यादा टैरिफ देना पड़ रहा है। यह दिखाता है कि अमेरिका ने भारत सरकार की ओर से जबरन मजदूरी से जुड़े अपने ढांचे को मजबूत करने के लिए उठाए गए नीतिगत कदमों को मान्यता दी है। इससे भारत को अपने कई ग्लोबल प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति हासिल करने में मदद मिली है। एफआईईओ के अनुसार, टैरिफ से अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान की लैंडेड कॉस्ट (पहुंचने की लागत) बढ़ सकती है। लेकिन, टेक्सटाइल, गारमेंट्स, लेदर और फुटवियर जैसे ज्यादा मजदूरी वाले सेक्टर में भारत के एक्सपोर्टर्स प्रतिस्पर्धी बने रहेंगे। कारण है कि बांग्लादेश, कंबोडिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे कई प्रतिस्पर्धी सप्लायर्स पर भी यही 10प्रतिशत टैरिफ लागू है।

व्यापार के रुख में बदलाव

एक्सपोर्टर्स के संगठन ने कहा कि भारतीय कंपनियों को उन सेगमेंट में संभावित ट्रेड डाइवर्जन व्यापार के रुख में बदलाव से भी फायदा होने की उम्मीद है जहां प्रतिस्पर्धी देशों को 12.5प्रतिशत का ज्यादा टैरिफ देना पड़ रहा है। रल्हन ने आगे कहा, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय एक्सपोर्टर्स को कई प्रोडक्ट सेगमेंट में ट्रेड डाइवर्जन से फायदा हो सकता है जहां प्रतिस्पर्धी देशों पर 12.5 प्रतिशत का ज्यादा टैरिफ लागू है। 2.5प्रतिशत का अंतर भी बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धी बाजारों में सोर्सिंग के फैसलों को प्रभावित कर सकता है। खासकर तब जब भारतीय एक्सपोर्टर्स अच्छी क्वालिटी वाले प्रोडक्ट, भरोसेमंद डिलीवरी और स्थिर सप्लाई चेन देने में सक्षम हों।

अमेरिका का कदम भारतीय उत्पादों के खिलाफ नहीं– एफआईईओ ने कहा कि अमेरिका का टैरिफ कदम भारतीय एक्सपोर्टर्स या भारतीय उत्पादों के खिलाफ कोई फैसला नहीं है, बल्कि यह कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करने वाली एक बड़ी नीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि स्टील, एल्युमीनियम, ऑटो पार्ट्स, फार्मास्यूटिकल्स, फार्मास्यूटिकल सामग्री और कुछ कृषि उत्पादों जैसी कई मुख्य प्रोडक्ट कैटेगरी, जो पहले से ही सेक्शन 232 के तहत आती हैं, उनमें कुछ छूट मिली हुई है। इससे कुछ एक्सपोर्ट सेक्टर पर इसका असर कम हुआ है।

बेहतर स्थिति में भारत–रल्हन ने कहा कि सरकार की नीतिगत पहलों और अमेरिका के साथ बातचीत से भारत को कई व्यापारिक साझेदारों की तुलना में टैरिफ के मामले में बेहतर स्थिति हासिल करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, सरकार के समय पर नीतिगत हस्तक्षेप और अमेरिका के साथ लगातार बातचीत से भारत को अपने कई मुख्य व्यापारिक प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में टैरिफ के मामले में बेहतर स्थिति हासिल करने में मदद मिली है। वह बोले, आगे बढ़ते हुए उत्पादों के लिए और छूट पाने, दूसरे साझेदार देशों जैसा व्यवहार पाने, किसी भी टेक्सटाइल टैरिफ-रेट कोटा सिस्टम में भारत को शामिल कराने और टैरिफ की जल्द समीक्षा की दिशा में काम करने के लिए लगातार द्विपक्षीय बातचीत बहुत जरूरी होगी।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 27 जुलाई 2026

निवाड़ी में विकास का नया अध्याय आरंभ हो रहा है : डॉ.मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने 109 करोड़ से अधिक की लागत के 44 कार्यों का किया लोकार्पण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य कर रही है। सबका कल्याण ही राज्य सरकार का उद्देश्य है। इसी भाव से राज्य में समान नागरिक संहिता 2026 पारित हुई है। माताओं-बहनों और बेटियों को समान अधिकार और सुरक्षा देने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। किसान कल्याण, राज्य सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है। किसानों की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस वर्ष 14 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जित किया गया। किसानों की आय बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक ले जाना राज्य सरकार का लक्ष्य है। कृषकों को मछली पालन, सिंघाड़े की खेती जैसी की आय बढ़ाने की गतिविधियों में सहायता और सलाह दी जा रही है।

रामराज्य की स्थापना के पथ पर अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवाड़ी में विकास का नया अध्याय आरंभ करते हुए 109 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 44 कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने 54 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 15 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओरछाधीश रामराजा सरकार को नमन करते हुए कहा कि हम निवाड़ी में रामराज्य की स्थापना के पथ पर अग्रसर हैं। टीकमगढ़ से अलग कर निवाड़ी को नया जिला बनाया गया है। यहां विकास की अनन्त संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव निवाड़ी में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी केंद्रों का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 25 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से बने नए संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन और लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से 100 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय, निवाड़ी के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 12 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विरौरा, सकेरा, अतर्रा, जमुनिया, जिखनगांव, गुवावली, चुरारा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क और अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इस क्रम में 10 करोड़ रुपए लागत के पृथ्वीपुर के जेवरा, सकेरा भंडारन और सेंदरी में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, निवाड़ी में आयुष विंग और संजीवनी क्लीनिक का भी लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री डा. यादव ने मजरा खैराई, दिगवारकलां के स्टॉप डैम,14 आंगनवाड़ी केंद्रों और निवाड़ी के नवनिर्मित भवन का भी लोकार्पण किया। इसमें आंगनवाड़ी भवन, सड़क सहित अन्य अधोसंरचना के विकास कार्य शामिल हैं।

बुंदेलखंड का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आल्हा-ऊदल का स्मरण करते हुए कहा कि निवाड़ी और ओरछा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पर प्रदेशवासियों को गर्व है। यह भूमि, वीरों-महावीरों के संघर्ष और बलिदान की धरती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ क्षेत्र के सभी जिलों को मिलेगा। निवाड़ी के 168 ग्रामों के लाखों किसान इस योजना से लाभान्वित होंगे। पृथ्वीपुर में भी औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, साथ ही सागर जिले में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया जारी है।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

निवाड़ी में विधि महाविद्यालय और एमबीए महाविद्यालय खोला जाएगा। प्रदेश की हर नगर पंचायत में गीता भवन बनाए जायेगे। निवाड़ी में सर्वसुविधायुक्त नवीन बस स्टेण्ड बनेगा। प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम सहायता बस सेवा शुरू होगी। तरीचरकला में गौशाला बनायी जाएगी। कनरे नदी पर जनौली चंदावनी के बीच पुल बनवाया जाएगा।

सूखा गांव में नन्हे-मुन्ने बच्चों की पढ़ाई पर संकट

जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर

पथरिया (स्वतंत्र मत)।

पथरिया जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सूखा में विकास के दावों की हकीकत उस समय सामने आती है, जब गांव के मासूम बच्चों को शिक्षा पके लिए अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल जाना पड़ता है। गांव के जैन मंदिर के ठीक सामने स्थित नाला बरसात के दिनों में लगातार चार से पांच माह तक पानी से लबालब रहता है। नाले पर पुलिया नहीं होने के कारण बच्चों, महिलाओं और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार बारिश के समय नाले में पानी का तेज बहाव रहता है जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों का रास्ता पूरी तरह बाधित हो जाता है। कई बार इस नाले पर हादसे भी हो चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार तेज बारिश होने पर नाला इतना भर जाता है कि उन्हें 10 से 15 दिनों तक स्कूल जाना बंद करना पड़ता है जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। परंतु अबतक शिक्षा के ठेकदारों की इस बात पर नजर नहीं गई।

वहीं की छात्रा पूजा कश्ती ने बताया कि सुबह जब वह स्कूल जाती हैं तो उनकी मां हाथ पकड़कर नाला पार कराती हैं और शाम को स्कूल से लौटते समय उनके पिता अपना काम छोड़कर उन्हें लेने आते हैं। पूजा ने बताया कि कुछ समय पहले उनका भाई तेज बहाव में बह गया था जिससे उसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। इस घटना के बाद से परिवार हमेशा डर के साए में रहता है। और निरंतर प्रयास कर बच्चों को स्कूल भेजा करता है।

ग्रामीणों ने बताया कि नाले के उस पार लगभग 10 से 15 परिवार निवास करते हैं। बरसात के दिनों में यदि किसी की तबीयत खराब हो जाए या कोई आपातकाल स्थिति बन जाए तो लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या की शिकायत कई बार गांव के सरपंच और जनप्रतिनिधियों से की गई लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

जनशिक्षकों का क्षमता आवर्धन 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले के समस्त जनशिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हटा में आयोजित किया गया जिसमें जनशिक्षकों को उनकी भूमिका एवं दायित्व के साथ-साथ समुदाय के साथ कैसे समन्वय स्थापित करना है। विद्यालयों का नामांकन बढ़ाने की प्रक्रिया विद्यार्थियों के ठहराव की विधि एवं विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने की प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। शाला प्रबंधन समितियो को मजबूत कैसे करेंए विद्यालय में आईसीटी का उपयोग कर कैसे शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सकता है, आदर्श विद्यालय निर्माण में जनशिक्षकों की क्या भूमिका है, इको क्लब गठन, आसपास की खोज, टीम बिल्डिंग, साइबर सेफ्टी, पोक्सो एक्ट, भंडार क्रय नियम, वार्षिक कार्य योजना, दिव्यांग छात्र चिन्हांकन, 21वीं सदी के कौशल आदि के बारे में जनशिक्षकों को अवगत कराया गया।

प्राचार्य एसके नेमा ने जनशिक्षकों क विद्यालय और समुदाय के बीच सेतु बताया। सहायक प्राध्यापक आरपी विश्वकर्मा जनशिक्षकों को चेंज एजेंट बताया, प्रशिक्षण समन्वयक माधव पटेल ने जनशिक्षकों को कक्षा की मॉनिटरिंग एवं मेंटरिंग के आवश्यता और महत्व को स्पष्ट किया।

दमोह में 425.4 मिमी वर्षा दर्ज

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 425.4 मिमी अर्थात 16.7 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई हैए जो अभी तक गत वर्ष से 240.6 मिमी अर्थात 9.5 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 666 मिमी अर्थात 26.2 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पटेरा में 654.4 मिमी दर्ज की गई है। भू-अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 376 मिमी हटा 531.6 मिमी, जबेरा में 368 मिमी पथरिया 480 मिमी तेन्दूखेड़ा 343.8 मिमी बटियागढ़ 224 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में 428 गर्भवतियों की जांच

जोखिम गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान-प्रबंधन पर विशेष जोर

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि आज विस्तारित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आज जिला चिकित्सालय सहित जिले के सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गर्भवती महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जांच की गई। जिला चिकित्सालय सहित खण्ड स्तरीय स्वास्थ्य संस्थाओं में स्त्रीरोग विशेषज्ञ, स्किल लैब प्रशिक्षित चिकित्सकों ने पूर्व से चिन्हित उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की फॉलोअप जांच के साथ क्लीनिक में पहुंची नई गर्भवतियों की स्वास्थ्य जांच कर संभावित जोखिमों की प्रारंभिक पहचान कर उन्हें समुचित उपचार सेवा दी गई।

विशेष जांच क्लीनिक में 430 गर्भवती महिलाओं की जांच दौरान 252 नई गर्भवतियों में जोखिम के प्रारंभिक लक्षण पाए गए जिन्हें समुचित स्वास्थ्य लाभ प्रदाय किया गया। गर्भवती माताओं को संतुलित पोषण आहार एवं गर्भस्थ शिशु की जीवन सुरक्षा हेतु आवश्यक सावधानियों को अपनाने का परामर्श भी दिया गया।

विशेष स्वास्थ्य जांच उपचार क्लीनिक दौरान गर्भवतियों माताओं में रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, वजन, पेट की जांच, गर्भस्थ शिशु की धड़कन एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। पूर्व से चिन्हित जोखिम गर्भावस्था महिलाओं को विशेषज्ञों द्वारा फॉलोअप जांच एवं आवश्यकता अनुसार उपचार-परामर्श सेवा प्रदाय की गई।

भाजपा को आक्रोशित युवाओं ने दिखाया आईना : कांग्रेस

दमोह (स्वतंत्र मत)।

जिला कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर सीजेपी के युवाओं द्वारा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा होने पर अंबेडकर चौक पर एकत्रित होकर भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए युवाओ की जीत को लेकर घंटाघर तक पैदल मार्च करते हुए विजय यात्रा निकाली।

इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष मनु मिश्रा ने कहा कि भाजपा की निरकुंशता उनके नेताओं के मंत्रियों के मनमाने व्यवहार जब देश का पढ़ा लिखा नौजवान त्रस्त हो गया उसी का जबाव है जंतर मंतर पर युवाओ का लाखों का तादाद में एकत्रित होकर सरकार को हिला कर रख दिया। नितिन मिश्रा, अमर सिंह, विजय बहादुर सिंह, रोहन पाठक, वीरेन्द्र राजपूत, परम यादव, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, रजनी ठाकुर, सुषमा विक्रम सिंह, लीला रमेश राठौर, बसंत कुशवाहा, कमला निषाद, गीता लोधी, बबलू भट्ट, डॉ. हीरालाल, दृगपाल लोधी, शमीम कुरैशी, हेमराज, मदन सुमन, पवन यादव, अभिषेक यादव, दिनेश रैकवार, मुख्तार जाफरी ने भी कहा कि छात्रों के सम्मान में कांग्रेस मैदान में युवाओं ने पुलिस की लाठी चार्ज की परवाह न करते हुए गोदी मीडिया की बखिया उदेढ़ी है। भाजपा नेताओं के तरह तरह के पोस्टर बनाकर उन्हें आईना दिखाया है वह सराहनीय है उससे भाजपा नेताओं की स्थिति खिसयानी बिलली जैसे हो गई है। कृष्णा यादव, अमित बुधौल्या, अजय जाटव, अरूण दुबे, शानु जुनेजा, खिल्लू ठाकुर, विजय रैकवार, शेख नदिम, प्रवीण राय, नीलेश यादव, राद्यवेन्द्र सिंह, डिम्पन सेन, संजय सेठ, शेरू कछवाहा, पप्पू लाड़िया, मुकेश सेन, बिन्दु पटोटया, अलीम खान, सुनील ठाकुर, जावेद रोजान, डालचंद कुशवाहा, पप्पू कुशवाहा, रफीक खान, रियाज खान, विनोद पटेल, शैलेन्द्र सिंह ने भी कहा कि नीम का पत्ता कड़वा है भाजपा का मंत्री भड़वा है का नारा लगाते हुए कहा कि अभी तो यह टेलर है जिससे यह सामने आ गया है कि युवाओ में कितना आक्रोश है फिल्म तो अभी बाकी है।

कथित सट्टा कारोबार में लेनदेन को लेकर विवाद

मामला थाने पहुंचाया नागरिकों ने जांच और कार्रवाई की उठाई मांग

हटा (स्वतंत्र मत)।

नगर में कथित सट्टा कारोबार से जुड़े लेनदेन को लेकर गुरुवार शाम दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। कहा-सुनी बढ़ने पर मामला पुलिस थाने तक पहुंचाए जहां करीब डेढ़ घंटे तक दोनों पक्षों के बीच समझाइश का दौर चला। हालांकि किसी भी पक्ष द्वारा लिखित शिकायत नहीं दिए जाने के कारण पुलिस ने कोई वैधानिक कार्रवाई नहीं की। स्थानीय लोगों के अनुसार विवाद कथित सट्टा बुकिंग के हिसाब-किताब को लेकर शुरू हुआ था। पहले दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई जो बाद में गाली-गलौज तक पहुंच गई। स्थिति बिगड़ती देख आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया।

नगर में लंबे समय से विभिन्न स्थानों पर तथा मोबाइल फोन के माध्यम से कथित सट्टा बुकिंग संचालित होने की चर्चाएं होती रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि ऐसे मामलों की समय रहते जांच और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। इस संबंध में प्रधान आरक्षक भगवानदास दाहिया ने बताया कि दोनों पक्ष थाने आए थे लेकिन किसी भी पक्ष ने लिखित शिकायत या रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। शिकायत नहीं मिलने के कारण पुलिस द्वारा कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि क्षेत्र में कहीं अवैध सट्टा कारोबार संचालित हो रहा है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

अमोनियम नाइट्रेट नियमों की अनदेखी पर फैक्ट्री प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने अमोनियम नाइट्रेट रूल 2012 के उल्लंघन को लेकर संबंधित फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रबंधन द्वारा नियमों के अनुरूप प्रतिमाह स्टॉक का मासिक रिटर्न प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। साथ ही नए लाइसेंस प्राप्त होने तथा सुरक्षा प्लान की जानकारी भी जिला प्रशासन को उपलब्ध नहीं कराई गई। कलेक्टर ने कहा अमोनियम नाइट्रेट से संबंधित गतिविधियों की नियमित जानकारी प्रशासन को देना अनिवार्य है ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना की स्थिति में समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। नियमों का पालन नहीं किए जाने पर संबंधित फैक्ट्री प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है, उन्होंने कहा संबंधित पक्ष से पूछा गया है कि नियमों की अनदेखी क्यों की गई। जवाब प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा इन इकाइयों को लाइसेंसिंग अथॉरिटी नागपुर से लाइसेंस जारी करती है लेकिन स्टॉक की स्थिति, नए लाइसेंस और सेफ्टी प्लान की जानकारी जिला प्रशासन को भी उपलब्ध कराना आवश्यक है जो अब तक प्राप्त नहीं हुई है। कलेक्टर ने कहा प्रशासन के संज्ञान में आया है कि जगथर और सतपारा क्षेत्र में विस्फोटक लाइसेंस अथवा संबंधित गतिविधियों की अनुमति होने के बावजूद इसकी जानकारी प्रशासन को नहीं दी गई। इसी के चलते संबंधित संस्थान को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जवाब के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस में भोपाल में रन फॉर टाइगर का भव्य आयोजन

लगभग 600 नागरिकों ने लगाई बाघ संरक्षण की दौड़

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश, जिसे देश के टाइगर स्टेट के रूप में जाना जाता है, में बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध जैव विविधता, स्वस्थ वनों और प्राकृतिक विरासत का प्रतीक है। बाघों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि हमारे वन, जल-स्रोत और पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ एवं संतुलित हैं। इन्हीं मूल्यों को समाज तक पहुँचाने तथा आमजन में बाघ संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में बाघ सप्ताह-2026 के अंतर्गत आज भोपाल में रन फॉर टाइगर का आयोजन किया गया। आयोजन वन विभाग द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 600 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें स्कूली विद्यार्थी, युवा, महिलाएँ, वरिष्ठ नागरिक, पर्यावरण प्रेमी, वन अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। यह जन-भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि वन्यजीव संरक्षण अब केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व बनता जा रह है। 5 किलोमीटर की दौड़ वन भवन से प्रारंभ होकर निर्धारित मार्ग से होते हुए पुनः वन भवन पर सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक डॉ. समीता राजोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

बाघ बचेंगे तो जंगल बचेंगे, जंगल बचेंगे तो जीवन बचेगा

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन ने कहा कि बाघ हमारे वनों के सर्वोच्च शिकारी हैं और उनकी उपस्थिति पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के स्वस्थ होने का संकेत देती है। यदि बाघ सुरक्षित हैं तो इसका अर्थ है कि हमारे जंगल, वनस्पति, जल-स्रोत और हजारों अन्य वन्यजीव भी सुरक्षित हैं। इसलिए बाघ संरक्षण केवल एक प्रजाति की रक्षा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास है। उन्होंने सभी धावकों से आह्वान किया कि वे बाघ संरक्षण के एम्बेसडर बनकर अपने परिवार, मित्रों और समाज में वन एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश पहुँचाएँ। प्रत्येक प्रतिभागी यदि अपने आसपास के लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने का संकल्प ले, तो यह जागरूकता लाखों लोगों तक पहुँच सकती है।

स्थानीय समुदाय हैं बाघ संरक्षण की सबसे बड़ी शक्ति

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक डॉ. समीता राजोरा ने कहा कि बाघ संरक्षण की वास्तविक सफलता तब मिलेगी जब स्थानीय समुदाय, विशेषकर वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोग, इस अभियान के साझेदार बनेंगे। इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस की थीम भी यही संदेश देती है कि स्थानीय एवं आदिवासी समुदायों को केंद्र में रखकर ही बाघों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रन फॉर टाइगर केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति के साथ जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है। जब बच्चे, युवा, महिलाएँ और वरिष्ठ नागरिक एक साथ बाघ संरक्षण के लिए दौड़ते हैं, तो यह संदेश दूर-दूर तक पहुँचता है कि वन्यजीवों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रन फॉर टाइगर केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति के साथ जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है।

प्रतियोगिता एवं सम्मान

प्रतियोगिता को चार आयु वर्गों- जूनियर (18 वर्ष से कम), वेटरन्स (19-45 वर्ष), सीनियर वेटरन्स (45-60 वर्ष) तथा सीनियर सिटीजन (60 वर्ष से अधिक)- में आयोजित किया गया। प्रत्येक वर्ग के पुरुष एवं महिला विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। 12 वर्ष तक के बच्चों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

संस्कारवान भावी पीढ़ी के लिए वार्षिक खाका तैयार

विहिप नैतिक शिक्षा विभाग की प्रांतीय बैठक सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । विश्व हिन्दू परिषद , महाकौशल प्रांत के मदन महल रोड स्थित प्रांत कार्यालय में नैतिक शिक्षा विभाग की प्रांतीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रांत के तीनों जिलों से आए नैतिक शिक्षा विभाग के कार्यकर्ताओं, विद्यालय संचालकों, जिला मंत्रियों, जिला संयोजकों एवं विभाग प्रमुखों ने सहभागिता की। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी सत्र के लिए वर्षभर की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसे अंतिम रूप दिया गया।

आर्थिक रूप से कमजोर बेटी का कराया विवाह

मातृशक्ति महिला मंडल ने पेश की मानवता की मिसाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । सामाजिक सरोकार और लोक कल्याण के कार्यों में तत्पर रहने वाले 'मातृशक्ति महिला मंडल' ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की, मंडल की सहृदय महिलाओं ने एकजुट होकर एक अत्यंत निर्धन परिवार की सहारा बनते हुए उनकी सुपुत्री मुस्कान का विवाह अमित के साथ पूरी भव्यता और वैदिक विधि-विधान से सम्पन्न कराया। आर्थिक तंगी से जूझ रहे इस पीड़ित परिवार के लिए बेटी के हाथ पीले करना एक बहुत बड़ी चिंता का विषय बना हुआ था, जिसे महिला मंडल ने दूर कर दिया।

अवैध रूप से चल रहा स्मार्ट सिटी अस्पताल सील

संयुक्त टीम ने की छापेमार कार्यवाही

नरसिंहपुर हत्याकांड के आरोपी डॉ. खरे का है अस्पताल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नरसिंहपुर जिले के सुआतला थानांतर्गत इंद्रानगर के पास बीती 19 जुलाई को हाइवा से कुचलकर जबलपुर निवासी (पावला-बरपटी) पांच युवकों की मौत के मामले में शनिवार को स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अमित खरे समेत 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद रविवार को जबलपुर में संचालित स्मार्ट सिटी अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की है। सीएमएचओ कार्यालय में अस्पताल के अवैध एवं अनियंत्रित संचालन की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। सीएमएचओ डॉ नवीन कोठारी ने बताया कि जांच के दौरान अस्पताल में कोई भी रेजिडेंट डॉक्टर, विजिटिंग डॉक्टर या पंजीकृत/योग्य नर्सिंग स्टाफ मौजूद नहीं मिला। वहीं अस्पताल में अनधिकृत तरीके से पैथोलॉजी का संचालन किया जा रहा था, जहां तकनीशियन भी योग्य नहीं थे। इसके अलावा फार्मेसी का संचालन भी नियमानुसार नहीं पाया गया। इसके अलावा जांच में फायर एनओसी और भवन निर्माण अनुमति से संबंधित गंभीर अनियमितताएं उजागर हुई। निरीक्षण के दौरान कॉल करने पर भी कोई अधिकृत डॉक्टर मौके पर नहीं पहुंचा।

भर्ती मरीजों को मेडिकल किया गया शिफ्ट

निरीक्षण के समय अस्पताल में 8 मरीज भर्ती पाए गए। सीएमएचओ ने बताया कि मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. शर्मा से चर्चा की। इसके बाद 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से सभी 8 मरीजों को उचित और अग्रिम इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में सुरक्षित स्थानांतरित कर दिया गया। जहां उनका उपचार किया जाएगा।

1 माह में पेश करने होंगे दस्तावेज

मामले की जानकारी देते हुए जांच सीएमएचओ ने बताया कि अस्पताल के खिलाफ पंचनामा तैयार कर लिया गया है। अस्पताल के भवन के चिकित्सा वाले हिस्से को सील कर दिया गया है तथा इसका लाइसेंस निलंबित करने का नोटिस जारी किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन को 1 माह के भीतर संबंधित सभी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने का समय दिया गया है, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

आबकारी विभाग ने 600 किलो महुआ लाहन किया नष्ट

सिहोरा/जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आबकारी विभाग ने सिहोरा वृत्त में अवैध शराब के खिलाफ रविवार सुबह 8 बजे कार्रवाई की। इस दौरान केवलारी, गोसलपुर, जुझारी और शांति नगर सहित विभिन्न गांवों में दबिश दी गई। इस कार्रवाई में टीम ने 30 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब और 600 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया। महुआ लाहन का नमूना लेने के बाद उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। यह अभियान अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, संग्रहण और परिवहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाया गया था। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं (च) के तहत कुल छह प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक आर. एस. मरावी, नेक लाल बागरी, नरेंद्र सिंह उईके, कुश प्रताप मिश्रा और रविंद्र कुरील शामिल थे। उनके साथ आबकारी मुख्य आरक्षक फूल सिंह एटिया, संत लाल मरावी तथा आबकारी आरक्षक अशोक बघेल और ज्ञानेंद्र सिंह मौजूद रहे।

पिकअप की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत, दो पोते गंभीर

सिहोरा के ग्राम दिनारी खमरिया में हुआ हादसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा थानाक्षेत्र अंतर्गत रविवार दोपहर करीब तीन बजे ग्राम दिनारी-खमरिया के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार पिकअप वाहन की जोरदार टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो पोते गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम सलैया कुआं निवासी कुसुम बाई यादव (70 वर्ष) अपने पोते विनीत यादव (23 वर्ष) और नीरज यादव (22 वर्ष) के साथ बाइक (एमपी 20 जेडक्यू 5684) पर सवार होकर सिहोरा की ओर आ रही थीं। इसी दौरान सामने से आ रहे पिकअप वाहन (एमपी 20 जीबी 5647) ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुसुम बाई सड़क पर गिर गईं और सिर में गंभीर चोट आने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, विनीत और नीरज सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से घायलों को सिहोरा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद कुसुम बाई को मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायल युवकों की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन को जब्त करने व मामले की जांच शुरू कर दी है।

सेठ गोविंददास चिकित्सालय में शुरू होगी एमआरआई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय, जबलपुर में अब मरीजों को एमआरआई की सुविधा मिलना प्रारंभ हो जायेगी। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सोमवार 27 जुलाई को सुबह 11 बजे जिला चिकित्सालय में एमआरआई केन्द्र का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम डॉ अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह, सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीक, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदू, नीरज सिंह एवं संतोष बरकड़े लोकार्पण कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे।

सनातन चौक का होगा सौंदर्यीकरण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने उत्तर मध्य विधानसभा के लोकप्रिय विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय से सौजन्य भेंट कर सनातन चौक के सौंदर्यीकरण तथा उसे शहर के सबसे सुंदर और आकर्षक चौक के रूप में विकसित किए जाने की मांग रखी। विधायक डॉ पाण्डेय ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सनातन चौक पर आम नागरिकों, विशेषकर विद्यालय एवं महाविद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक बस स्टॉप का निर्माण कराया जाएगा, जिससे यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से वाहनों की प्रतीक्षा करने की सुविधा मिल सके। सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास से सनातन चौक शहर की पहचान के रूप में स्थापित होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर सनातन संरक्षण संघ के संस्थापक महेश मिश्रा, संयोजक अजय पटेल (पिंटू), कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश चौबे तथा महामंत्री डॉ. नीलेश पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस सेवा दल ने किया प्रभात फेरी एवं विजय मार्च का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में भेड़ाघाट नगर परिषद क्षेत्र में कांग्रेस सेवा दल द्वारा प्रभात फेरी एवं विजय मार्च का आयोजन किया गया। पद संचलन नगर परिषद के विभिन्न मार्गों से होते हुए टाउन हॉल परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, शिव नामदेव एवं सतीश तिवारी ने किया।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के प्रवक्ता विवेक यादव ने बताया कि देशभर में छात्रों के आंदोलन की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के उपरांत इसे छात्रों की आवाज़ एवं लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत मानते हुए कांग्रेस सेवा दल द्वारा विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी श्री यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सदैव छात्रों के अधिकारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज़ को दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार का दायित्व है। लोकतंत्र में जनआंदोलनों की सफलता जनता की शक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की विजय का प्रतीक होती है। पद संचलन के माध्यम से कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने संगठन की एकजुटता, अनुशासन, सेवा भावना एवं जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दिनेश यादव, राधेश्याम चौबे, राजेश तिवारी, वीरेंद्र चौबे, रूपेंद्र पटेल, बबुआ शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पार्षद गुड्डा चौबे, गुड्डू नवी, पार्षद झल्ले लाल जैन, संगठन महासचिव राजेश पटेल, विवेक पटेल, विवेक अवस्थी, नन्हा राय, रामविलास कारसोलिया, सोनेलाल पटेल, नेक नारायण पटेल, जयंत जैन, कोड़ीलाल राय, वीरेंद्र यादव, सुनील जैन, रहमान खान, किशोर दुबे, जमना पटेल आदि अन्य उपस्थित रहे।

जालसाजों ने 84 वर्षीय बुजुर्ग से ठगे 8 लाख

प्लाट दिलवाने के नाम पर धोखाधड़ी

एचएफ इंफ्रास्ट्रक्चर के संचालकों पर केस दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरेला थाना क्षेत्र में 84 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी जीवनलाल मलिक से प्लॉट के नाम पर 8 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। द्वारका नगर कछियाना मोहल्ला (घमापुर) निवासी जीवनलाल मलिक, जो खमरिया फैक्ट्री से सेवानिवृत्त हुए हैं, की लिखित शिकायत पर पुलिस ने एचएफ इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के दो संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीवनलाल मलिक साल 2020 में अपने लिए जमीन की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एकता मार्केट स्थित एचएफ इंफ्रास्ट्रक्चर के अस्थायी कार्यालय में कंपनी के पार्टनर नैंसी स्वामी और अनूप मिश्रा से मुलाकात हुई। आरोपियों ने उन्हें ग्राम गुरैया (मौजा) स्थित खसरा नंबर 151/1 (रकबा 0.375 हेक्टेयर) में 900 वर्गफुट का प्लॉट 8 लाख रुपए में देने का सौदा किया। उन्होंने 10 से 15 दिनों के भीतर रजिस्ट्री कराने का आश्वासन दिया था।

पीड़ित जीवनलाल मलिक ने मार्च 2020 में अपने लालमाटी ब्रांच स्थित बैंक खाते से चार किस्तों में कुल 8 लाख रुपए की राशि नैंसी स्वामी की कंपनी के नाम ट्रांसफर कर दी। यह राशि 6 मार्च को 2 लाख रुपए और 7, 9, 12 मार्च 2020 को शेष किस्तों में भेजी गई। हालांकि, तय समय बीतने के बाद जब बुजुर्ग कार्यालय पहुंचे, तो वह बंद मिला। इसके बाद आरोपी फोन पर टालमटोल करते रहे और लंबे समय तक रजिस्ट्री के नाम पर गुमराह करते रहे। मामला तब और गंभीर हो गया जब 13 अगस्त 2025 को गौर चौकी में हुई बातचीत के दौरान नैंसी स्वामी ने 6 महीने के भीतर प्लॉट देने या पैसे वापस करने का लिखित आश्वासन दिया। लेकिन जब पीड़ित ने दोबारा संपर्क करने की कोशिश की, तो आरोपियों के मोबाइल नंबर बंद आने लगे। इसके बाद जीवनलाल मलिक ने 25 जुलाई को बरेला थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जॉनसन कम्पाउंड निवासी आरोपी नैंसी स्वामी और अनूप मिश्रा के खिलाफ अपराध पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

जबलपुर पहुंचने वाली ट्रेनों की लेटलतीफी जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

ट्रेनों की लेटलतीफी का दौर लगातार जारी है. जबलपुर पहुंचने वाली कई गाडियां 8 घंटा से ज्यादा विलंब से चल रही हैं, जिससे यात्रियों की परेशानी बढ़ी हुई है। विलंब से चलने वाली गाडियों में स्पेशल ट्रेनें लगातार देरी का रिकार्ड बनाये हुए है। महाराष्ट्र, गुजरात में भारी बारिश के कारण ट्रेनों के विलंब से चल रही हैं, यहां तक तो ठीक है, किंतु कई गाड़ियों क्यों लेट चल रही हैं, इसका जवाब रेलवे यात्रियों को नहीं दे रहा है, जिसमें स्पेशल ट्रेनें तो कभी भी राइट टाइम पर नहीं चलतीं। यात्री जब नियमित ट्रेनों में टिकट नहीं मिलती तो मजबूरी में इन स्पेशल ट्रेनों में यात्रा करने मजबूर हो रहे हैं। रविवार 26 जुलाई को भी गाडियां लेट जबलपुर पहुंच रही हैं।

सूने घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गोराबाजार स्थित तिलहरी क्षेत्र में रहने वाले दीपक अहिरवार के सूने घर का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपए के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की वारदात उस वक्त हुई है जब परिवार रिश्तेदारी में गमी होने के कारण सिलुआं गांव गया था। पुलिस के अनुसार तिलहरी निवासी दीपक अहिरवार प्लम्बर का काम करता है। दीपक के बड़े पिता के घर में गमी हो गई, जिसके चलते घर में ताला लगाकर परिवार सहित सिलुआ गांव चला गया। इस दौरान सूने घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने आलमारी के लॉकर से सोने की 1 पांचाली, 1 हार, 2 लाकेट, 3 लोंग, 1 जोड़ी झुमका, 1 मंगलसूत्र, चांदी की 2 जोड़ी पायल, 2 चैन, 1 हाथ की चैन, 7 अंगूठी, 8 जोड़ी बिछिया, 1 करधन, 1 खुसना, नगदी 4 हजार 500 रूपये चोरी कर लिए. दोपहर 12 बजे के लगभग दीपक मोबाइल फोन का चार्जर लेने घर आया तो देखा कि घर का ताला टूटा पड़ा है। अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा है, आलमारी के लॉकर से जेवर गायब है। चोरी की घटना की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई, देखते ही देखते कई लोग एकत्र हो गए, जिन्होने घटना पर आक्रोश जताया. वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच करते हुए चोरों की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी है।

दिनदहाड़े युवक की चाकू गोदकर हत्या

बेलबाग के बाई का बगीचा में युवक पर ताबड़तोड़ चाकूबाज़ी, इलाज के दौरान मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बेलबाग थाना क्षेत्र स्थित घमापुर चौराहे के पास रविवार शाम प्रॉपर्टी विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हमले में उसका भाई भी घायल हुआ है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। बेलबाग थाना क्षेत्र के बाई का बगीचा इलाके में रविवार शाम करीब 5 बजे विशाल सोनकर पर कुछ लोगों ने चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे उसके भाई अंकित सोनकर पर भी हमला किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल विशाल को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पिछले कुछ समय से पारिवारिक प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार शाम इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और आरोपियों ने विशाल पर हमला कर दिया।

दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार- घटना की सूचना मिलते ही बेलबाग थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच गए। पुलिस की मुस्तैदी से वारदात स्थल से ही दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी अनुसार आरोपियों की पहचान सावन सोनकर और रेयांश रैकवार के रूप में हुई है। घटना में शामिल तीसरे हमलावर की पहचान और तलाश के लिए पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। वारदात के बाद इलाके में उपजे तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हत्या के पीछे की मुख्य वजहों और पुरानी रंजिश के कोणों की जांच की जा रही है।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

RUBY ANNIVERSARY OFFER

20% OFF* ON FOOD & BEVERAGES AT RUBY | TILL 31ST JULY

The cheapest thing at the mall is your parking. Parking for just ₹1

THE ODYSSEY (ENG/HINDI)	ENG- 9:00 AM, 3:35 PM, 6:50 PM & 10:10 PM | HIN - 12:15 PM RUBY ENG -10:00 AM, 1:10 PM, 6:30 PM & 6:30 PM RUBY ENG - 9:40 PM
DHAMAAL 4 (HINDI)	9:00 AM, 11:40 AM, 1:15 PM, 2:25 PM, 4:00 PM, 5:10 PM, 6:45 PM, 7:50 PM & 10:35 PM | RUBY 9:30 PM
JAN NETA (HIN)	RUBY 12:15 PM & 3:35 PM | 9:40 PM
EVIL DEAD BURN (HINDI)	RUBY 4:20 PM
DASTAAR (PUNJABI)	RUBY 6:50 PM

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**